शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 59 | गुवाहाटी | रविवार, 24 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वुशु खिलाड़ी : एसोसिएशन ने चीन के कदम की आलोचना की पेज 3
वसुधैव कुटुंबकम का प्रतीक बना अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता... पेज 4
नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने नवरात्र का उत्साह कई गुना बढ़ा दिया : प्रधानमंत्री पेज 5
सनातन शास्त्र की रक्षा के लिए शस्त्र जरूरी, सनातन अमर है, मिटाने वाले मिट... पेज 8

एनआईए ने खालिस्तानी आतंकी पन्नू की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू पर एनआईए ने एक सख्त एक्शन लिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार को प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू की संपत्ति जब्त कर ली। कनाडा स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून पर अपना शिकंजा कसते हुए, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को अमृतसर (पंजाब) में गैरकानूनी सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) संगठन के स्वयंभू जनरल काउंसिल के घर और जमीन को जब्त कर लिया। एनआईए ने कहा कि जब्त की -शेष पृष्ठ दो पर

विवाद से भारत-कनाडा दोनों को होगा नुकसान : विशेषज्ञ

वाशिंगटन। एक प्रमुख विशेषज्ञ के मुताबिक सिख अलगाववादी की हत्या को लेकर कनाडा और भारत के बीच जारी विवाद का दोनों देशों को नुकसान होगा। उनके मुताबिक ओटावा को व्यापार के मामले में क्षति होगी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नेटवर्क का हिस्सा बनने की उसकी क्षमता भी प्रभावित होगी जबकि भारत की लोकतांत्रिक देश और कानून का शासन होने की छवि को भी झटका लग सकता है। ट्रूडो ने ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को खालिस्तानी अलगाववादी नेता निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की *संभावित* संलिप्तता का आरोप लगाया है जिससे कनाडा और भारत के बीच कूटनीतिक विवाद शुरू हो -शेष पृष्ठ दो पर

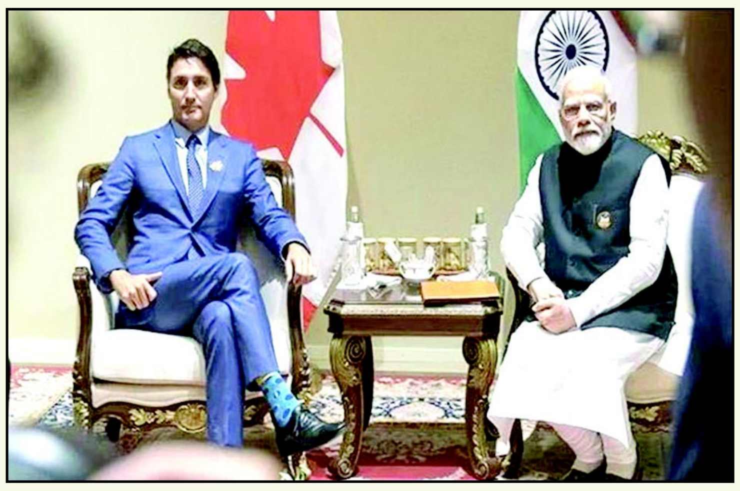

फाइव आईज ने ट्रूडो की मदद की : अमेरिका

वाशिंगटन। भारत और कनाडा के बीच खालिस्तानी आतंकी की मौत को लेकर बढ़ते विवाद के बीच अमेरिका के एक सरकारी अधिकारी ने चौंकाने वाला दावा किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने पुष्टि की है कि फाइव आईज भागीदारों के बीच साझा खुफिया जानकारी थी, जिसके कारण कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडाई धरती पर एक खालिस्तानी चरमपंथी की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता के बारे में आपत्तिजनक आरोप लगाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा के 24 घंटे के ऑल-न्यूज नेटवर्क सीटीवी न्यूज चैनल के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि फाइव आईज पार्टनर्स के बीच साझा खुफिया जानकारी थी, जिसने भारत सरकार और एक कनाडाई नागरिक की हत्या के बीच संभावित लिंक के ट्रूडो के सार्वजनिक आरोप की जानकारी दी थी। फाइव आईज -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मुख्यमंत्री ने स्वरोजगार योजना की घोषणा की, कहा-

प्रत्येक उम्मीदवार को मिलेंगे पांच लाख रुपए

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 23 सितंबर को स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभिजन का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य राज्य के युवाओं को सशक्त बनाना और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री स्वनियोजन अभियान पंजीकरण पोर्टल के शुभारंभ पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री शर्मा ने योजना के प्रमुख पहलुओं को रेखांकित किया। दो भागों में विभाजित यह योजना मुख्य रूप से इंजीनियरिंग, कृषि, पशु चिकित्सा विज्ञान, मत्स्य पालन और दंत चिकित्सा अध्ययन सहित विभिन्न क्षेत्रों में डिग्री वाले शिक्षित युवाओं को लक्षित करती है, जो उद्यमशीलता उद्यम शुरू करने की इच्छा रखते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि पात्र उम्मीदवारों को निम्नलिखित तरीके से वित्तीय सहायता प्राप्त होगी: प्रत्येक उम्मीदवार को 5 लाख रुपए मिलेंगे, जो दो किस्तों में वितरित किए जाएंगे।
2.5 लाख रुपए की पहली किस्त -शेष पृष्ठ दो पर

रिनिकी ने गौरव के खिलाफ दायर किया दस करोड़ की मानहानि का मुकदमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के खिलाफ 10 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। रिनिकी के वकील देवजीत सैकिया ने बताया कि मामला शुक्रवार को कामरूप मेट्रोपॉलिटन के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में दायर किया गया है और इसे 26 सितंबर को शिफ्ट किया जाएगा। सैकिया ने कहा कि मेरे मुवक्किल ने गौरव गोगोई के खिलाफ 10 करोड़ रुपए की मानहानि का दावा किया है। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमने सब्सिडी प्राप्त करने के लिए कभी कोई आवेदन नहीं किया था। दरअसल, गौरव ने खाद्य प्रसंस्करण परियोजना को लेकर रिनिकी पर झूठे आरोप लगाए है। इस विवाद ने तूल तब पकड़ा जब गुवाहाटी स्थित डिजिटल मीडिया द *क्रॉसकरंट* की एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि नागांव जिले के कलियाबोर के दारिगाजी गांव में 50 बीघा (लगभग 17 एकड़) से अधिक कृषि भूमि को प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स द्वारा खरीदे जाने के एक महीने के भीतर औद्योगिक भूमि के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री की पत्नी अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। गोगोई ने शर्मा और उनकी पत्नी के खिलाफ परियोजना के लिए केंद्र सरकार की सब्सिडी प्राप्त करने में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए है। कांग्रेस ने इस संबंध में तथ्यों को सामने -शेष पृष्ठ दो पर

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बिहू को विकृत करने पर सख्त मुख्यमंत्री डॉ शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बिहू को विकृत करने पर नाराजगी जताई है। असम में बिहू का परंपरागत वस्त्र पहनकर इसे तोड़-मरोड़कर पेश किए जाने पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई किये जाने की बात कही है। गौरतलब है कि गुवाहाटी के एक पांच सितारा होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित एक कार्यक्रम में असमिया संस्कृति की पहचान बिहू को विकृत रूप में प्रस्तुत किया गया था। यह पता चला है कि कोलकाता की एक नृत्य -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने 3,214 करोड़ रुपए के निवेश के लिए समझौते किए

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य में 3,214 करोड़ रुपए के निवेश के लिए शनिवार को विभिन्न कंपनियों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार को राज्य में अगले दो-तीन साल में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज हमने 3,214 करोड़ रुपए के कुल निवेश के लिए छह कंपनियों के साथ समझौतों पर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

निम्न अनुष्ठनों (भूमि, धन-व्यापार उद्योग-धंधों) से आय के साधन भी बढ़ते हैं।
- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

प्रदेश महिला कांग्रेस ने सीएम के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

गुवाहाटी/नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर कथित टिप्पणी मामले पर असम प्रदेश महिला कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ हल्ला बोला है। प्रदेश महिला कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में एक चुनाव प्रचार के दौरान की टिप्पणी को नफरती भाषण करार दिया है। जिसके खिलाफ कांग्रेस ने दिसपुर पुलिस स्टेशन में सीएम शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष मीरा ने कहा कि 18 सितंबर को मध्यप्रदेश के -शेष पृष्ठ दो पर

डीयूएसयू चुनाव में एबीवीपी ने लहराया अपना परचम

नई दिल्ली। शनिवार शाम को संपन्न हुई वोटों की गिनती के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) में केंद्रीय पैनल के चार पदों में से तीन पर जीत हासिल की। एबीवीपी के तुषार डेढ़ा ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की, जबकि अपराजिता छात्र संघ के सचिव पद पर चुनी गईं। सचिन बैसला संयुक्त सचिव हैं। इस बीच, राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के उम्मीदवार -शेष पृष्ठ दो पर

1 अक्तूबर से ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य : शिक्षामंत्री

गुवाहाटी। राज्य सरकार ने आज छात्रों और शिक्षकों के लिए *शिक्षा सेतु* नामक ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली की घोषणा की, जिसका उद्देश्य उपस्थिति ट्रैकिंग को सुव्यवस्थित करना और शिक्षा क्षेत्र में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना है। शिक्षा विभाग के अनुसार, अपने शुभारंभ से ही ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उल्लेखनीय है कि कुल 4,921,188 छात्रों में से उल्लेखनीय 4,302,354 छात्रों (लगभग 87 फीसदी) ने उनकी तस्वीरों के साथ पोर्टल पर सफलतापूर्वक अपना नाम पंजीकृत किया है। सिस्टम -शेष पृष्ठ दो पर

वन नेशन वन इलेक्शन समिति की पहली बैठक खत्म, कई पहलुओं पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर गठित समिति के साथ पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को नई दिल्ली में पहली बैठक की। इस बैठक में सदस्यों ने हितधारकों और राजनीतिक दलों चर्चा करने और सुझाव प्राप्त करने का निर्णय लिया। जानकारी के अनुसार, जोधपुर हॉस्टल में वन नेशन वन इलेक्शन समिति की पहली बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, समिति के सदस्य और राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद सहित अन्य लोग शामिल हुए। बता दें कि शनिवार को बुलाई गई बैठक में राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श करने और *एक राष्ट्र, एक चुनाव* पर -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को किया गया बहाल

इंफाल। मणिपुर में तीन मई को भड़की हिंसा के बाद इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया था। हालांकि, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आज इंटरनेट सेवाओं के बहाल होने की जानकारी दी। खबरों के मुताबिक, सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि राज्य में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद निलंबित की गई मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को आज से बहाल कर दिया गया है। इसके साथ ही, सीएम ने मुक्त आवाजाही व्यवस्था को भी रद्द करने की अपील की। दरअसल, मुक्त आवाजाही व्यवस्था के तहत भारत और म्यांमार की सीमा के करीब रहने वाले लोग बिना किसी डॉक्यूमेंट के एक-दूसरे के क्षेत्र में 10 किमी तक अंदर -शेष पृष्ठ दो पर

हमारी सरकार बनी तो तत्काल दिया जाएगा महिला आरक्षण का लाभ : खड़गे

जयपुर (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को राजधानी जयपुर की धरती से महिला आरक्षण से लेकर अडाणी तक के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर प्रहार किए। राहुल गांधी ने कहा कि पूरे विपक्ष ने महिला आरक्षण का समर्थन किया। हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण आज से ही लागू हो लेकिन भाजपा इसे दस साल बाद लागू करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी वर्ग को भागीदारी देना चाहते हैं लेकिन जातिगत जनगणना से क्यों डर रहे हैं? वे अडाणी से भी डरते हैं। बीजेपी वाले वोट मांगने आएं तो उनसे पूछना कि जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवा रहे हो? सम्मेलन को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने सम्मेलन में कांग्रेस की तरफ से वादा किया कि यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार आती है तो महिला आरक्षण का लाभ तत्काल दिया जाएगा। खड़गे और राहुल गांधी शनिवार को मानसरोवर में प्रदेश कांग्रेस के नए भवन के शिलान्यास समारोह और कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए थे। राहुल गांधी ने विशेष सत्र और महिला आरक्षण बिल को -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व बैंक ने पाकिस्तान को दी चेतावनी, कहा-

या तो गरीब बने रहो या फिर बदलो अपना रास्ता...

इस्लामाबाद। विश्व बैंक ने कहा है कि पिछले वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान में गरीबी बढ़कर 39.4 प्रतिशत हो गई है। खराब आर्थिक स्थिति के कारण 12.5 मिलियन से अधिक लोग पीड़ित हैं। विश्व बैंक ने नकदी संकट से जूझ रहे देश से वित्तीय स्थिरता हासिल करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। ड्राफ्ट पॉलिसी नोट्स का अनावरण करते हुए वाशिंगटन स्थित ऋणदाता ने कहा कि पाकिस्तान में गरीबी एक वर्ष के भीतर 34.2 प्रतिशत से बढ़कर 39.4 प्रतिशत हो गई, जिसमें 12.5 मिलियन से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे आ गए। इसमें कहा गया है कि लगभग 95 मिलियन पाकिस्तानी अब गरीबी में रहते हैं। पाकिस्तान का आर्थिक मॉडल अब गरीबी कम नहीं कर रहा है, और जीवन स्तर समकक्ष देशों से पीछे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एक-दूसरे से सीखने के लिए बहुत कुछ है : सीजेआई

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय कानून सम्मेलन 2023 के उद्घाटन समारोह में भारत सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पहुंचे। शनिवार को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने मॉरीशस और भूटान में सुप्रीम कोर्ट की इमारतों को खड़ा करने में भारत की मदद का भी जिक्र किया। संबोधन के दौरान मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, हम में से प्रत्येक के पास अलग-अलग दृष्टिकोण, न्याय क्षेत्र और सबसे खास एक-दूसरे से सीखने के लिए बहुत कुछ है। उन्होंने कहा, यह सोचना यूटोपियन है कि एक दिन ऐसा आएगा जब हमें सही समाधान मिलेंगे और न्याय वितरण में कोई चुनौती नहीं होगी। हालांकि, एक ऐसी दुनिया की आकांक्षा करना यूटोपियन नहीं है, जहां राष्ट्र, संस्थान और सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति शामिल होने के लिए खुले हों। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि ज्ञान साझा करना दोतरफा रास्ता है। सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न मुद्दों पर सार्थक बातचीत और चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है। कानूनी मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समझ को मजबूत करता हैं। समारोह में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि भारत दुनिया का वर्तमान और भविष्य है। भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत विदेशी निवेश को आकर्षित कर रहा है। भारत डिजिटल भुगतान के मामले में दुनिया में आगे हैं। डिजिटलीकरण के कारण वादकारियों को उनके दरवाजे तक न्याय मिल रहा है। मेहता ने कहा, देश में 21,000 जिला अदालतें, 25 उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय हैं। अब हर अदालत का हर दस्तावेज डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध है। जिसे कोई भी एक्सेस कर सकता है। इसे *चमत्कार* बताते हुए उन्होंने कहा कि यह डिजिटलीकरण के कारण ही संभव हो सका है। कार्यक्रम में अटॉर्नी जनरल ने कहा, सोशल मीडिया दुनिया को जोड़ता है, लेकिन नैतिक मांगों को विकृत करता है। सोशल मीडिया संचार की सीमाहीन दुनिया है। यह बेहद सक्षम बनाता है और दुनिया को जोड़ता है। लेकिन नैतिक और नैतिक मांगों को विकृत कर उनकी उपेक्षा करता है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, लॉर्ड चांसलर और यूनाइटेड किंगडम के न्याय सचिव एलेक्स चाक, भारत के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा और कई न्यायाधीशों सहित गणमान्य लोग मौजूद रहें।

कर्नाटक में बन सकते हैं पांच और उप-मुख्यमंत्री : कांग्रेस

बंगलुरू। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक बासवराज रायारेड्डी ने शनिवार को दावा किया कि राज्य में पांच और उप-मुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसे लेकर विचार कर रही है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि यह प्रस्ताव कैबिनेट में भी पेश किया जा चुका है और कई मंत्री इसके समर्थन में हैं। बता दें कि अभी सिद्धारमैया सरकार में सिर्फ डीके शिवकुमार ही एकमात्र डिप्टी सीएम हैं। कांग्रेस विधायक ने बताया कि राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वर और पूर्व मंत्री एमबी पाटिल भी इस प्रस्ताव के समर्थन में हैं। बासवराज रायारेड्डी ने कहा कि कर्नाटक में कम से कम छह डिप्टी सीएम नियुक्त होने चाहिए। हमारी सरकार अगले साल होने वाले आम चुनाव को लेकर इस पर चर्चा कर रही है। कई वरिष्ठ नेताओं ने इस प्रस्ताव को पहले ही समर्थन दे दिया है। बता दें कि इससे पहले कर्नाटक के सहकारी मंत्री केएन राजन्ना ने भी अतिरिक्त डिप्टी सीएम नियुक्त करने की मांग की थी। रायारेड्डी ने आंध्र प्रदेश में पांच डिप्टी सीएम होने का हवाला दिया और कहा कि कर्नाटक बड़ा राज्य है और यहां पांच और डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं। बता दें कि हाल ही में कर्नाटक सरकार के कैबिनेट मंत्री राजन्ना ने राज्य में तीन और डिप्टी सीएम बनाने की मांग की थी। राजन्ना ने कहा था कि वीरशैव-लिंगायत, एससी/एसटी और अल्पसंख्यक समुदाय से एक-एक नेता को उपमुख्यमंत्री पद देने की मांग की थी ताकि 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को इसका फायदा मिलेगा। हालांकि उन्होंने कहा कि इस पर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान ही करेगा। उल्लेखनीय है कि जब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी तो सीएम पद पर डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया, दोनों ने दावा पेश किया था। इसे लेकर कुछ दिनों तक सस्पेंस भी रहा था। आखिरकार पार्टी आलाकमान डीके शिवकुमार को मनाने में सफल रहा था और शिवकुमार डिप्टी सीएम बनने को राजी हो गए थे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि शिवकुमार ने ये शर्त रखी थी कि वह एकमात्र डिप्टी सीएम होंगे और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का पद भी उनके पास रहेगा। ऐसी भी चर्चाएं हैं कि शिवकुमार ढाई साल बाद फिर से सीएम पद पर दावा पेश कर सकते हैं। ऐसे में और डिप्टी सीएम बनाए जाने की खबरें सरकार में डीके शिवकुमार को दबदबे को कम करने की कोशिश के तौर पर देखी जा रही है।

आलोपट्टी के थाना प्रभारी को किया लाइन हाजिर

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा के आलोपट्टी के चर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को लाइन हाजिर किया गया है। ओसी प्रकाश डेका के खिलाफ ड्रग्स तस्कर को छोड़ देने और मामले को रफा दफा करने के नाम पर पैसों की मांग करने का आरोप लगा है। आरोपित के निष्पक्ष जांच के लिए थाना प्रभारी को थाना की ड्यूटी से हटकर रिजर्व में भेज दिया गया है। इस सिलसिले में असम पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

ड्रग्स के साथ छह तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। एसटीएफ टीम ने ड्रग्स की तस्करी किए जाने की खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए छह तस्करों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ की टीम ने इन्हें शनिवार सुबह गुवाहाटी के खानापारा से गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 33 शीशियों में छिपाई गई 46 ग्राम हेरोइन बरामद किया। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों की पहचान संजय बिश्व (28), अवतार सिंह (30), श्यामल पेगु (19), विकास अली (23), घीके नयन तालुकदार (28) और कल्याण (24) के रूप में हुई है। बरामद हेरोइन और पकड़े गए तस्करों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए बशिष्ठ थाने की पुलिस को सौंप दिया गया है।

गैर हिंदुओं को गले लगाएगा संघ

लखनऊ (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश में रहने वाले सभी वर्गों के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने को आतुर है। 2025 में संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसलिए शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखते हुए संघ अनुसूचित जाति व जनजाति के बीच कार्य को गति देगा। वहीं सामाजिक सदभाव बढ़ाने के लिए संघ गैर हिंदुओं को भी अपना बनायेगा। इसके लिए सामाजिक सदभाव की गतिविधियों पर फोकस करने के लिए सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने आहवान किया है।

एचटेक ने पूर्वोत्तर में पेश किया ऑनर 90 5जी

गुवाहाटी (हिंस)। विस्तृत समाधान प्रदाता, एचटेक ने आज असम सहित पूर्वोत्तर के बाजार में ऑनर90 5जी का लांच किए जाने की घोषणा की। इसमें एआई वीलॉग मास्टर के साथ 200 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा और 3840 हर्ट्ज की पीडब्लूएम डिमिंग टेक्नोलॉजी के साथ उद्योग का अग्रणी क्वाड-कर्ड फ्लोटिंग डिस्प्ले है।

ऑनर90 5जी में आज की हमेशा सक्रिय रहने वाली जनरेशन को व्यक्तिगत अनुभव देने के लिए अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों एक ही डिवाइस में दिए गए हैं। इस लांच के बारे में एचटेक के सीईओ, श्री माधव शेठ ने कहा कि एचटेक में हम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और आत्मनिर्भर परिवेश के साथ एक मजबूत ब्रांड वापस लाने की उपलब्धि के लिए उत्साहित हैं। उपभोक्ताओं को अग्रणी टेक्नोलॉजी प्रदान करने पर केंद्रित रहते हुए ऑनर लगातार डिस्प्ले टेक्नोलॉजी, बैटरी टेक सॉफ्टवेयर और आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस में इनोवेशन लाने की ओर काम कर रहा है, जो सशक्त अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं पर आधारित हैं। ऑनर के मजबूत नेटवर्क और वैल्यू चेन का उपयोग करके हम ऑनर 90 5जी के साथ भारत में अपना पहला स्मार्टफोन लांच कर रहे हैं। ग्राहकों को 180 शहरों में फैले इसके 400 सर्विस सेंटर्स के विशाल नेटवर्क से बेहतरीन सर्विस मिलेगी। इस मौके पर कंपनी के व्यापार विकास के निदेशक अमित सिंह, जोनल सेल्स प्रबंधक पंकज डेका सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पृष्ठ एक का शेष

एनआईए ने खालिस्तानी...

गई संपत्तियों में अमृतसर के खानकोट गांव में स्थित 46 कनाल कृषि भूमि और सेक्टर 15/सी, चंडीगढ़ में मकान संख्या 2033 का 1/4 हिस्सा शामिल है। ये संपत्तियां पहले दो अलग-अलग मामलों में सरकार द्वारा पारित आदेशों के बाद कुर्क की गई थीं। संपत्तियों को अब गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 33(5) के तहत अदालत के आदेश पर आरसी-19/2020/एनआईए/डीएलआई दिनांक 5 अप्रैल 2020 के तहत दर्ज धाराओं के तहत जब्त कर लिया गया है। एजेंसी ने कहा, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 120-बी, 124-ए, 153-ए 153-बी और 17, 18 और 19। मामला मूल रूप से धारा 124 ए के तहत 19 अक्तूबर, 2018 को दर्ज किया गया था। अमृतसर (शहर) के सुल्तानविंड पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए, 153-क्कऔर 120-क्क दर्ज की गई और बाद में एनआईए को हस्तांतरित कर दी गई। मामले में अब तक पन्नून समेत कुल 10 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया जा चुका है। पन्नू 2019 से एनआईए के रडार पर है जब आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने आतंकवादी के खिलाफ अपना पहला मामला दर्ज किया था, जो आतंकवादी कृत्यों और गतिविधियों को बढ़ावा देने और संचालित करने और पंजाब और अन्य जगहों पर भय और आतंक फैलाने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। 3 फरवरी, 2021 को एनआईए विशेष अदालत द्वारा पन्नून के खिलाफ गिरफ्तारी के गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे, और उन्हें पिछले साल 29 नवंबर को घोषित अपराधी (पीओ) घोषित किया गया था।

विवाद से भारत-कनाडा ...

गया है। भारत ने इन आरोपों को *बेतुका* और *प्रेरित* कहकर आक्रामक रूप से खारिज कर दिया और इस मामले में कनाडा द्वारा एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित किए जाने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया। विल्सन इंस्टीट्यूट द्वारा शुक्रवार को प्रकाशित ब्लॉगपोस्ट में कनाडा इंस्टीट्यूट एसोसिएट जेवियर डेलगाडो ने कहा कि ईपीटीए (अर्ली प्रोग्रेस ट्रेड एग्रीमेंट) के लिए बातचीत को रोक दिए जाने से व्यापार संभवत: पहला क्षेत्र होगा जिसे बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने लिखा कि दोनों देशों ने इस महीने के शुरू में घोषणा की कि वे एक-दूसरे के साथ व्यापार वार्ता रोक देंगे और कनाडा के व्यापार मंत्री मैरी एनजी ने अक्तूबर में व्यापार मिशन के साथ नई दिल्ली जाने के कार्यक्रम को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया। यह वार्ता कनाडा के हिंद-प्रशांत रणनीति का हिस्सा थी जिसने ईपीटीए को वृहद आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के लिए अहम कदम करार दिया गया था। इससे दोनों देशों के व्यापार संबंध में वृद्धि होने की उम्मीद थी। डेलगाडो के मुताबिक रुकी हुई व्यापार वार्ता ने 17 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को असहज कर दिया है। भारत के साथ कनाडा का व्यापार 2012 के लगभग 3.87 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022 में 10.18 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जिसमें कनाडा से ऊर्जा उत्पादों के निर्यात और भारतीय उपभोक्ता वस्तुओं के आयात में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय आप्रवासियों के आवाजाही में कमी से व्यापार संबंधों में गिरावट और अधिक विनाशकारी हो सकती है। कनाडा में कुल प्रवासियों में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीय मूल के लोगों की है। डेलगाडो ने कहा कि भारत के साथ संबंधों में गिरावट से कनाडा की हिंद-प्रशांत संस्थानों में शामिल होने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, क्योंकि क्षेत्रीय सहयोगी मोदी सरकार को नाराज करने से बचेंगे क्योंकि भारत स्वयं कुछ समूहों में कनाडा की सदस्यता को रोक सकता है। ओटावा इस क्षेत्र में नई दिल्ली के प्रभाव और शक्ति से अवगत है। उन्होंने कहा कि इस विवाद से कनाडा ही अकेला नुकसान में नहीं रहेगा बल्कि इसका असर भारत पर भी पड़ेगा। डेलगाडो ने कहा ने कहा कि यह आरोप कानून के शासन के लिए प्रतिबद्ध एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत की छवि को नुकसान पहुंचा सकता हैं।

फाइव आईज ने ...

नेटवर्क एक खुफिया गठबंधन है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड शामिल हैं। यह निगरानी-आधारित और सिग्नल इंटेलिजेंस (एसआईजीआईएनटी) दोनों है। ट्रूडो ने 18 सितंबर को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में 18 जून को खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर, एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय एजेंटों की *संभावित* संलिप्तता का विस्फोटक आरोप लगाया था। कनाडा के साथ फाइव आईज सहयोगियों द्वारा किसी भी तरह की खुफिया जानकारी साझा करने के बारे में किसी भी अमेरिकी सरकारी अधिकारी ये पहली स्वीकृति है। इससे पहले मामले को लेकर कई अनऔपचारिक और गैर आधिकारिक खबरें आ रही थी।

प्रत्येक उम्मदीवार को ...

अग्रिम रूप से प्रदान की जाएगी, उसके बाद तीसरे पक्ष के मूल्यांकन के बाद 2.5 लाख रुपए की दूसरी किस्त प्रदान की जाएगी।

महत्वपूर्ण बात यह है कि पहले 2.5 लाख रुपए का भुगतान नहीं किया जा सकेगा, जो कि सरकारी सब्सिडी है।

शेष 2.5 लाख रुपए भी ब्याज मुक्त और वापसी योग्य हैं, लेकिन पांच साल बीतने तक पुनर्भुगतान नहीं किया जाएगा।

शुरुआती पांच साल की अवधि के बाद, प्राप्तकर्ता 5,000 रुपए की मासिक ईएमआई के माध्यम से सरकार को भुगतान करेंगे।

हालांकि यह योजना युवाओं के व्यापक स्पेक्ट्रम को लक्षित करती है, लेकिन श्रेणियों के आधार पर इसमें भेद भी हैं:

कक्षा 10 की न्यूनतम योग्यता वाले अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्र 5 लाख रुपए की सहायता के लिए पात्र हैं।

सामान्य श्रेणी के छात्रों को अपनी मैट्रिक शिक्षा या समकक्ष पूरी करनी होगी।

जूनियर इंजीनियरिंग, आईटीआई और स्व-रोजगार पाठ्यक्रम स्नातक भी पात्र हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अधिक सरकारी नौकरी के अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है, 2026 तक अतिरिक्त नौकरी रिक्तियों की घोषणा होने की उम्मीद है। आवेदन के लिए आयु मानदंड इस प्रकार हैं:

सामान्य वर्ग: 28 से 40 वर्ष

एसटी, एससी, ओबीसी : 43 वर्ष तक

सभी आवेदकों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 28 वर्ष है।

विशेष रूप से, चयन प्रक्रिया निर्वाचन क्षेत्र या जिला कोटा के बिना, राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी। योजना के लिए चयनित आवेदकों को निर्दिष्ट पोर्टल के माध्यम से अपने आवेदन जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

बिहू को विकृत ...

मंडली ने बिहू नृत्य को विकृत रूप में प्रदर्शित किया। इस नृत्य का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद, राज्य भर में भारी प्रतिक्रिया हुई। इस कार्यक्रम का आयोजन एक निजी कंपनी ने किया था। मुख्यमंत्री ने इस पर पुलिस को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

रिनिकी ने गौरव के ...

लाने में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के हस्तक्षेप की मांग की है। असम के सांसद ने यह बताया कि 22 मार्च, 2023 को गोयल ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए असम में निवेश करने की सरकार की पहल पर लोकसभा में सवालों के जवाब में कहा था कि 31 जनवरी, 2022 तक पीएमकेएसवाई के घटक के तहत समर्थित खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं की एक सूची प्रदान की गई। बता दें कि पीएम किसान सम्पदा योजना एक व्यापक पैकेज है जिसका उद्देश्य फार्म गेट से रिटेल आउटलेट तक कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार करना है। उधर अपनी कंपनी प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ लगाए गए आरोपों के जवाब में, रिनिकी भुइयां शर्मा ने इस साल 14 सितंबर को ट्वीट किया कि प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक हितों के साथ 2006 से अस्तित्व में एक स्वतंत्र इकाई है। उन्होंने कहा कि यह एक कानून का पालन करने वाली कंपनी है जिसके सभी वित्तीय रिकॉर्ड सार्वजनिक डोमेन में हैं। एक लंबे और सफल व्यवसाय ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड किसी भी अन्य योग्य उद्यम की तरह सरकार समर्थित कार्यक्रमों और प्रोत्साहन योजनाओं में भाग लेने के लिए पात्र है। भुइयां शर्मा ने कहा कि हालांकि, वर्तमान मामले में, प्रधान मंत्री किसान सम्पदा योजना से संबंधित, प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करने के बावजूद, न तो सरकारी सब्सिडी का एक भी पैसा दावा किया है और न ही प्राप्त किया है। इस महीने की शुरुआत में, गौरव गोगोई ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत केंद्र सरकार से 10 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्राप्त करने में अपनी पत्नी की कंपनी की मदद की थी। गोगोई ने मुख्यमंत्री शर्मा के इस्तीफे और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा की स्वामित्व वाली कंपनी द्वारा कथित सरकारी अनुदान और भूमि अधिग्रहण की जांच की भी मांग की।

राज्य सरकार ने ...

हस्ताक्षर किए हैं। इससे कुछ साल में 5,000 से ज्यादा नौकरियां पैदा होंगी। इसके अलावा, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास पांच-सितारा होटल खोलने के लिए असम पर्यटन विकास निगम भी एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। शर्मा ने कहा कि दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए काजीरंगा में जल्द ही एक पांच-सितारा रिजॉर्ट होगा। इसे हयात समूह 100 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित करेगा, जिसमें 100-120 कमरे होंगे। उन्होंने कहा कि असम एक औद्योगिक राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज के कार्यक्रम के साथ, इस वर्ष हमने कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं जो 11,314 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड निवेश लाएंगे, जिससे राज्य में 10,000 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10,000 करोड़ रुपए के प्रस्तावों की दूसरी खेप पर उद्योग विभाग विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को बहुत सरल बना दिया है। ऐसे आवेदनों पर कार्रवाई के लिए अलग-अलग विभागों में दौड़ने की बजाय एक समर्पित समिति का गठन किया गया है। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए असम के पास एक मजबूत नीति है।

1 अक्तूबर से ...

की प्रभावकारिता का दावा यह कहकर किया गया कि 2,748,304 छात्र, या कुल का 56 फीसदी, छात्र पहले ही अपनी उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज करा चुके थे। छात्रों के अलावा, शिक्षकों ने भी ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली में भाग लेना शुरू कर दिया है। शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने खुलासा किया कि 1 अक्तूबर से सभी शिक्षकों को अपनी उपस्थिति ऑनलाइन जमा करनी होगी, जिससे शिक्षा क्षेत्र में उपस्थिति ट्रैकिंग के लिए एक व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके। राज्य के शिक्षा मंत्री रानोज पेगु ने ट्विटर पर कहा कि शिक्षा सेतु के माध्यम से छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति लेना शुरू कर दिया गया है। @SchoolEdnAssam के तहत कुल 4921188 छात्रों में से 4302354 (87 फीसदी) को तस्वीरों के साथ पंजीकृत किया गया है। कल 2748304 (56 फीसदी) ने अपनी उपस्थिति ऑनलाइन के जरिए दर्ज की। शिक्षकों ने भी अपनी ऑनलाइन उपस्थिति देनी शुरू कर दी है। 1 अक्तूबर से सभी शिक्षकों को ऐसा करना ही होगा। साथ ही शिक्षा मंत्री ने पिछले 3 दिनों का उपस्थिति डेटा भी साझा किया।

वन नेशन वन इलेक्शन ...

उनके विचार जानने पर बातचीत की गई। बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गई कि अगर कोई भी राजनीतिक दल समिति से मिलने का समय लेना चाहता है, तो उसे अपने सुझाव देने की अनुमति दी जाएगी। जानकारी के अनुसार, बैठक में समिति के काम-काज पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही वन नेशन वन इलेक्शन पर लोगों की समहति बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। ताकि आने वाले समय में उसका उपयोग किया जा सके। इसके अलावा समिति ने इस बात पर भी चर्चा की कि एक साथ मतदान के लिए विभिन्न परिदृश्यों की जांच कैसे की जाए। समिति ने इस बात पर भी चर्चा कि अविश्वास प्रस्ताव जैसी स्थिति में कैसे काम किया जाएगा। बता दें कि इस समिति में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गुलाम नबी आजाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एन.के. सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे और पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी शामिल हैं।

मणिपुर में मोबाइल ...

जान सकते हैं। उन्हें इसकी अनुमति दी गई है। एन बीरेन सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सरकार ने फर्जी न्यूज, प्रोपेगेंडा और हेट स्पीच के प्रसार को रोकने के लिए तीन मई को मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया था। हालांकि, स्थिति में सुधार होने के बाद आज से पूरे राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बहाल कर दिया गया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अवैध प्रवासियों की संख्या से निपटना जारी रखेगी। उन्होंने भारत और म्यांमार की सीमा पर बाड़ लगाने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि इससे अवैध रूप से भारत आने वाले लोगों की संख्या पर लगाम लगेगी।

हमारी सरकार बनी...

लेकर सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश का नाम बदलना चाहती थी। वे इंडिया का नाम भारत करना चाहते थे, इसीलिए संसद का विशेष सत्र बुलाया था लेकिन इसे रोककर महिला आरक्षण बिल ले आए। राहुल गांधी ने कहा कि पहले हिंदुस्तान का नाम *इंडिया* से *भारत* बदलने की बात थी लेकिन संविधान में साफ लिखा है कि *इंडिया* और *भारत*, दोनों नाम एक ही हैं। इंडिया वर्सेस भारत का कोई झगड़ा नहीं है। मगर, कोशिश हुई कि इंडिया और भारत के बीच लड़ाई कराओ लेकिन जनता ने इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल सबसे पहले राजीव गांधी लेकर आए थे लेकिन इस मौजूदा बिल को लेकर हम कुछ सवाल उठा रहे हैं, जिसका जवाब मांगते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान को नब्बे लोग चलाते हैं। आज के हिंदुस्तान को एमएलए या एमपी नहीं बल्कि प्रधानमंत्री और उनके नब्बे अफसर साथ चलाते हैं। ये अफसर हिंदुस्तान की सरकार के सचिव हैं। प्रधानमंत्री ओबीसी की बात करते हैं लेकिन इन 90 अफसरों में सिर्फ तीन ओबीसी हैं। उनके पास हिंदुस्तान का सिर्फ पांच प्रतिशत बजट है। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान में हर वर्ग को सही प्रतिनिधित्व देने के लिए जातिगत जनगणना जरूरी है। इस जनगणना से पता चल जाएगा कि हिंदुस्तान में किस वर्ग के कितने लोग हैं। हम ओबीसी को भागीदारी देने की बात करते हैं लेकिन जब तक ओबीसी कितने हैं, यह पता नहीं लगेगा तो कैसे काम होगा? प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से क्यों डरते हैं? हमने ये जनगणना करवाई थी, आंकड़े आपके पास हैं, उन आंकड़ों को हिंदुस्तान की जनता के सामने रख दीजिए और अगली जनगणना में जातिगत जनगणना भी करवाइए। ओबीसी का अपमान मत कीजिए। मोदी न तो अडाणी की बात कर पाते हैं, न ही ओबीसी के बारे में बात करते हैं। राहुल गांधी ने कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश भर से पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बब्बर शेर कहकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के रणथंभौर में शेर दिखने में कई घंटे लग जाते हैं, और फिर एक झलक में वो दिखकर सामने से ओझल हो जाता हैं लेकिन यहां पर पहली बार मैंने देखा है कि हजारों बब्बर शेर एक साथ बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सरकार ने चिंरजीवी योजना जैसी हेल्थ स्कीम दी है। 500 रुपए में सिलेंडर दिया है। यह सभी काम कार्यकर्ता जनता को जाकर बताएं। राहुल ने कहा कि यहां कार्यकर्ता शांति से बैठे हुए हैं। यहां नफरत की बाजार नहीं, मोहब्बत की दुकान है। अहंकार और नफरत नहीं, मोहब्बत, इज्जत और प्यार है। यह फर्क है बीजेपी और कांग्रेस पार्टी में, दोनों के बीच विचारधारा की लड़ाई चल रही है। उन्होंने उद्योगपति अडाणी का नाम लेकर संसद सत्र का उदाहरण दिया। राहुल ने कहा कि कुछ दिन पहले मैंने पार्लियामेंट में अडाणी जी वाला भाषण दिया था, लेकिन उनकी नई आदत है कि वो पहले माइक बंद करवा देते थे और अब टीवी भी बंद करवा देते हैं, तो शायद बात लोगों तक नहीं पहुंचती। राहुल गांधी ने कहा कि मेरा वो भाषण बीजेपी वालों ने जरूर देखा। इसके बाद मेरी लोकसभा की सदस्यता रद्द हुई। जैसे गाड़ी में एक्सीलेटर दबाते हैं वैसे ही मेरे केस का एक्सीलेटर दबा दिया गया और दो दिन में ही निर्णय लेकर हिंदुस्तान में पहली बार सांसद पर मानहानि की दो साल की अधिकतम सजा देते हुए मेरी संसद सदस्यता रद्द कर दी गई। इसलिए, क्योंकि डर लगता है। राहुल ने पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं से मुकाबला करने के टिप्स भी दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बब्बर शेर (कार्यकर्ता) के सामने जब भी कोई बीजेपी कार्यकर्ता आए, तो उसके सामने अडाणी का नाम ले लो, वो ये सुनते ही वहां से भाग जाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से बीजेपी कार्यकर्ताओं से सवाल पूछने को कहा कि प्रधानमंत्री और अडाणी के बीच रिश्ता क्या है? प्रदेश कांग्रेस के नए मुख्यालय के शिलान्यास के बाद सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष सत्र के नाम पर संसद को एग्जीबिशन सेंटर बना दिया। नई संसद के लोकार्पण के समय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाया गया। यह राष्ट्रपति का अपमान नहीं तो क्या है? इससे पहले जब रामनाथ कोविंद राष्ट्रपति थे तो उन्हें भी नए संसद भवन के शिलान्यास में नहीं बुलाया गया, क्योंकि वे उन्हें अछूत मानते हैं। अगर उनके हाथों से शिलान्यास करवाया होता तो उस जगह को गंगाजल से धोना पड़ता। ये केवल कहने के लिए दलित और आदिवासी को आगे करने की बात कहते हैं। महिला आरक्षण बिल को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए खड़गे ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनते ही मोदी घबरा गए और वोटों की खातिर इस बिल को लेकर आए हैं लेकिन इसे 2030 में लागू करने की बात करते हैं।

या तो गरीब बने ...

हो गया है। पाकिस्तान के लिए विश्व बैंक के प्रमुख देश अर्थशास्त्री टोबियास हक ने कहा कि वैश्विक ऋणदाता ने पाकिस्तान से वित्तीय सुरक्षा हासिल करने के लिए अपनी कृषि और अचल संपत्ति पर कर लगाने और फिजूल खर्चों में कटौती करने के लिए तत्काल कदम उठाने का भी आग्रह किया। विश्व बैंक ने कम मानव विकास, अस्थिर राजकोषीय स्थिति, अति-विनियमित निजी क्षेत्र, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों को अगली सरकार के लिए सुधारों के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाना और उपायों का प्रस्ताव दिया- कर-से-जीडीपी अनुपात को तुरंत 5 प्रतिशत बढ़ाएं और व्यय में सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2.7 प्रतिशत की कटौती की गई। टोबियास हक ने कहा कि विश्व बैंक आज की आर्थिक स्थिति को लेकर काफी चिंतित है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान गंभीर आर्थिक और मानव विकास संकट का सामना कर रहा है। विश्व बैंक में पाकिस्तान के लिए देश के निदेशक नेजी बेन्हासिन ने कहा कि यह पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव का क्षण हो सकता है।

प्रदेश महिला कांग्रेस ...

विदिशा जिले में एक रैली के दौरान कथित बयान दिया था। मुख्यमंत्री हिमंत पर आरोपों की झड़ी लगाते हुए उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी कही न कही साम्प्रदायिक नफरत से प्रेरित दिखाई देती है। इस दौरान उन्होंने सीएम हिमंत के खिलाफ पुलिस से कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का आग्रह किया है। पुलिस को की गई शिकायत में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयान के जरिए 10 जनपथ को जलाने का आह्वान किया गया है, जो खुला साम्प्रदायिक निमंत्रण दिखाई पड़ता है। गौरतलब है कि 10,जनपथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के आवास का पता है। वहीं पूरे मामले पर दिसपुर पुलिस थाने के प्रभारी रुपम हजारिका ने कहा कि पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। उसके बाद प्राथमिकी दर्ज करने का निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने भी मुख्यमंत्री शर्मा के खिलाफ उनकी कथित टिप्पणियों के लिए 20 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी। मामले पर बोलते हुए असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे नफरत भरे भाषण देने वालों के खिलाफ खुद ही मामले दर्ज करें।

डीयूएसयू चुनाव में ...

अभि दहिया ने उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। शुक्रवार को छात्रसंघ का चुनाव हुआ। डूसू चुनाव में हमेशा एबीवीपी और एनएसयूआई के बीच सीधी टक्कर देखी गई है। चुनाव में चार पदों के लिए चौबीस उम्मीदवार मैदान में थे। केंद्रीय पैनल के लिए 52 कॉलेजों और विभागों में चुनाव ईवीएम के माध्यम से कराए गए, जबकि कॉलेज यूनियन चुनावों के लिए मतदान कागजी मतपत्र पर हुआ। विश्वविद्यालय में 42 प्रतिशत मतदान हुआ। डूसू चुनाव में करीब एक लाख छात्र वोट देने के पात्र थे। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरण रिजिजू ने एबीवीपी उम्मीदवारों को *एक्स* पर बधाई दी। रिजिजू ने ट्वीट किया कि राहुल गांधी ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में प्रचार किया, जिससे एबीवीपी को अपना वोट शेयर बढ़ाने में मदद मिली! एबीवीपी के सभी विजेता उम्मीदवारों, इसके कार्यकर्ताओं और सभी शुभचिंतकों को बधाई!

हथियार के साथ तीन लुटेरे गिरफ्तार

कछार(हिंस)। दक्षिण असम के कछार जिलांतर्गत काबूगंज में पुलिस ने तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 50 राउंड गोली के साथ दो 9 मिमी की पिस्तौल बरामद की है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती देर रात सोनाई और धलाई पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मणिपुर के तीन कुख्यात लुटेरों को गिरफ्तार किया गया। लुटेरों के पास से 50 राउंड गोली के साथ दो 9 मिमी की पिस्तौल जब्त की गई है। साथ ही मणिपुर नंबर का एक लक्जरी वाहन भी जब्त किया है। तीनों लुटेरों के नाम डिंगल लालबाई माइकल, पैंजेन डिंगल और थामुम्बई डिंगल है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। कछार के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुब्रत दास ने बताया कि तीनों लुटेरे पुलिस के कब्जे में हैं। पिछले कुछ दिनों से तीनों लुटेरे कालाशिव में अस्थायी कैंप बनाकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। तीनों कई अपराध में रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कछार पुलिस की एक विशेष टीम फिलहाल तीनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ये लूट के अलावा किसी और अपराध में तो शामिल नहीं हैं।

वुशु खिलाड़ी : एसोसिएशन ने चीन के कदम की आलोचना की

इटानगर (हिंस)। ऑल अरुणाचल प्रदेश वुशू एसोसिएशन ने अरुणाचल प्रदेश के वुशु खिलाड़ियों को चीन द्वारा वीजा देने से इनकार करने के कदम की कड़ी आलोचना की है। एसोसिएशन ने केंद्र और प्रदेश सरकार से तीनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को मान्यता देने की मांग की है। आज अरुणाचल प्रेस क्लब में पत्रकारों को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के सलाहकार तोको तेकी ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों की गलती के बिना ही चीन सरकार ने उन्हें चीन में प्रवेश करने से मना कर दिया है, जो आगामी 24 सितंबर से 4 अक्तूबर तक चीन के हांगझू में आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि तीनों खिलाड़ी एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले थे। अरुणाचल प्रदेश को लेकार भारत और चीन की राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हमारे राज्य के खिलाड़ियों को नहीं रोकानि चाहिए था। खिलाड़ियों को देश की राजनीतिक मामलों में शामिल नहीं करनी चाहिए, यह कदम निंदनीय है। हमारे तीनों वुशु खिलाड़ी न्येमान वांग्सू, ओनिलु तेगा और मेपुंग लाम्गु बहुत प्रतिभाशाली हैं और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण उन्हें देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, लेकिन चीन ने अनावश्यक रूप से अरुणाचल प्रदेश को अपना देश का हिस्सा बताकर उन्हें चीन में प्रवेश पर अनुमति नहीं दी है। उन्होंने ने कहा कि वे खिलाड़ी हैं और खिलाड़ियों को देश की राजनीति में शामिल नहीं करना चाहिए। इस प्रकार के भेदभाव रवैए से खिलाड़ियों के सपनों/करियर को नुकसान पहुंचा सकता है। एसोसिएशन ने भारत सरकार और राज्य सरकार से उन्हें एशियाई खेल के पदक विजेताओं का दर्जा देने की मांग की और तीनों खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय चैंपियन के पदक विजेताओं के मानदंडों के अनुसार वित्तीय प्रोत्साहन सहित सभी सुविधाएं प्रदान करने की अपील की। उन्होंने राज्य सरकार से उन्हें क्लास-1 रैंक के अधिकारी की नौकरी देने की भी मांग की। क्योंकि, तीनों खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन जब अपनी मेहनत और प्रतिभा दिखाने का समय आया तो उन्हें बिना उनकी गलती के रोक दिया गया। यह दूसरी बार था जब अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को चीनी अधिकारियों से यात्रा मंजूरी नहीं मिली। यदि भारत सरकार और चीन सरकार इस समस्या का समाधान नहीं करते हैं तो निकट भविष्य में भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकता है।

प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का किया स्वागत

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने हाल ही में संपन्न संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* के संसद के दोनों सदनों में पारित होने पर स्वागत करते हुए जश्न मनाया। प्रधानमंत्री को बधाई देने के लिए आज बड़ी संख्या में महिलाएं प्रदेश भाजपा मुख्यालय में एकत्रित हुईं, जिनमें विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थी भी शामिल थीं। इस अवसर पर विधायक सह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बियुराम वाहगे ने संसद और राज्य विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने के लिए महिला आरक्षण विधेयक पर साहसिक निर्णय लेने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की, जो भाजपा सरकार द्वारा उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है। राज्य और देश में कानून बनाने और प्रशासन चलाने में महिलाओं को सशक्त बनाना हैं। उन्होंने कहा कि हम भाजपा के इस तरह की पहल का पूरा समर्थन और स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार समाज के सर्वांगीण विकास और देश में महिलाओं के कल्याण के लिए बहुत मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लोकतांत्रिक समाज के विकास के लिए आरक्षण के माध्यम से राजनीति में महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है।

कोल इंडिया गुवाहाटी हाफ मैराथन तीन दिसंबर को

गुवाहाटी। गुवाहाटी शहर, रविवार, 3 दिसंबर 2023 को पहली कोल इंडिया गुवाहाटी हाफ मैराथन की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। इसकी घोषणा आज शहर के एक कार्यक्रम में की गई। यह आयोजन पूरे समुदाय को एक साथ एकजुट करेगा और शहर की महानगरीय पहचान को बढ़ाएगा। यह आयोजन भारतीय सेना और असम सरकार द्वारा समर्थित है। इस आयोजन में तीन दौड़ श्रेणियां होंगी – हाफ मैराथन (21.097 किमी), ओपन 10 किमी और गुवाहाटी फन रन (लगभग 5 किमी)। सभी तीन श्रेणियों के लिए पंजीकरण रविवार, 24 सितंबर, 2023 से शुरू होंगे। विशेष रूप से, गुवाहाटी हाफ मैराथन राष्ट्र निर्माण के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता और शारीरिक फिटनेस, मानसिक लचीलापन और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने के लिए असम सरकार के समर्पण को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण क्षण है। इस अवसर पर बोलते हुए, असम सरकार के खेल और युवा कल्याण मंत्री, नंदिता गोरलोसा ने कहा कि इस आयोजन की परिकल्पना असम को भारत के मैराथन मानचित्र पर लाने और हम सभी के बीच एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देते हुए एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देने में हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए की गई है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस तरह के आयोजन नागरिकों की भलाई के प्रति सरकार के अटूट समर्पण का प्रतीक हैं। विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक और *महारत्न* दर्जा प्राप्त कंपनी, कोल इंडिया इस कार्यक्रम के प्रायोजक है। इस कार्यक्रम में कोल इंडिया की जीएम, सीएसआर, रेनू चतुर्वेदी उपस्थित देखी गई। इस अवसर पर पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने सभा को संबोधित किया और कहा कि अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विरासत और रणनीतिक स्थान के साथ राज्य अपार संभावनाओं और विकास वाले क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। भारतीय सेना एक सुरक्षित, संरक्षित और समृद्ध असम के निर्माण में लंबे समय तक चलने वाले नागरिक सैन्य सहयोग का जश्न मनाने के लिए कोल इंडिया गुवाहाटी हाफ मैराथन का पूरे दिल से समर्थन करती है। उन्होंने इस आयोजन के शीर्षक प्रायोजक के रूप में कोल इंडिया के योगदान की भी सराहना की और इस आयोजन की अवधारणा और योजना बनाने में राज्य सरकार और भारतीय सेना को सक्षम बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह आयोजन असम के लोगों और भारतीय सेना के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा और असम राज्य में इसी तरह की।

अतिक्रमणकारियों ने खाली करना शुरू किया दरंगा आरक्षित वन

गुवाहाटी (हिंस)। दरंगा संरक्षित वनांचल को खाली करके अतिक्रमणकारियों का जाना शुरू हो गया है। उल्लेखनीय है कि गौहाटी उच्च न्यायालय ने बाक्सा के दरंगा आरक्षित वन के निवासियों को जमीन खाली करने का निर्देश दिया है। इसने निवासियों को अवैध अतिक्रमणकारी करार देते हुए सभी को तीन महीने के भीतर क्षेत्र खाली करने का नोटिस जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि अगर स्व-इच्छा से खाली नहीं होती है, तो सरकार इन्हें बेदखल कर सकती है। ज्ञात हो कि मोजिबुर रहमान समेत 88 अन्य लोगों ने बेदखल न किए जाने के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी। अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी और आदेश में उल्लेख किया कि निवासियों को भूमि नीति के आधार पर मदद की जाएगी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने सरकार को 30 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता को भोजन, कपड़े और आश्रय प्रदान करने का भी निर्देश दिया।

पारीक महिला परिषद का तीन दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर शुरू

गुवाहाटी। पारीक महिला परिषद, गुवाहाटी के तत्वाधान में इंस्टीट्यूट ऑफ योगा एंड न्यूट्रीशन साइंस ट्रस्ट एवं श्री मारवाड़ी ब्राह्मण सभा ट्रस्ट के सहयोग से तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ जांच का शुभारंभ परशुराम भवन में हुआ। प्रातः 5 बजे से योग सत्र की शुरुआत के साथ शिविर में स्वास्थ जांच, स्क्रीनिंग, योगा थेरेपी, फिजियो थैरेपी के साथ दांतों की जांच डॉक्टरों द्वारा की जा रही हैं। शिविर को लेकर लोगों में जबर्दस्त उत्साह है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के माध्यम प्रथम दिन में 200 से अधिक लोगों ने शिविर की सुविधा का लाभ उठाया। चिकित्सा शिविर का शुभारंभ पारीक महिला परिषद की अध्यक्ष विनीता पारीक मुख्य अतिथि गोपी पारीक कार्यक्रम संयोजिका ममता शर्मा, दीपिका जोशी व भगवती पारीक द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। शिविर में गुवाहाटी होमियो कॉलेज प्रमुख डॉक्टर दीप कुमार मेधी, पुणे से डॉ. सूरज मांडला सिलीगुड़ी से प्राकृतिक चिकित्सक नीलम वर्मा, मणिपुर मेडिकल कॉलेज के डॉ. राजकुमार सिंह, बंगाल मेडिकल कॉलेज से डॉ. शाह आलम, सिक्किम मेडिकल कॉलेज की डॉ. सोहा शर्मा, इंस्टीट्यूट ऑफ योगा एंड न्यूट्रीशन साइंस के डॉ. एस के सिन्हा व डॉ. रश्मी सिन्हा एवं दंत चिकित्सक डॉ. शाक्षी वर्मा सेवा दे रहे है। इस दौरान पारीक सभा के अध्यक्ष मदन पारीक, मंत्री दिनेश पारीक, उपाध्यक्ष शिवकुमार पारीक, पारीक युवक परिषद के अध्यक्ष रमेश पारीक, पारीक सभा के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर पारीक एवं श्रीचंद पारीक को भी सम्मानित किया गया। महिला परिषद की सचिव निशा पारीक ने बताया की हमारा उद्देश्य उन लोगों के बीच जागरूकता लाना हैं जिनके पास बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं है। यह शिविर सोमवार तक जारी रहेगा।

होजाई : बाबा रामदेव दशमी महोत्सव कल

होजाई (निसं)। स्थानीय के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण में आगामी 25 सितंबर को बाबा रामदेव दशमी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। बाबा रामदेव दशमी महोत्सव के पालन समिति ने सभी श्रद्धालुओं को सूचित करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा रामदेव दशमी महोत्सव समिति के तत्वावधान में आगामी 25 सितंबर को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर स्थित बाबा के मंडप में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों सहित श्री बाबा रामदेव दशमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति के सदस्य लावण्या अग्रवाल, राजेश केजरीवाल व प्रमोद मोर सहित सभी सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि इस शुभ अवसर पर उपस्थित होकर दशमी महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाएं व अक्षय पुण्य के भागी बनें।

नगांव में पाकिस्तानी झंडा फहराने वाला युवक गिरफ्तार

नगांव (निसं)। हैबरगांव पुलिस चौकी अंतर्गत शहर के 2 नंबर मुल्ला पट्टी में उस समय लोगों में खलबली मच गई। जब एक शेख हामिदूल नामक युवक ने अपने घर के बरामदे में पाकिस्तान का झंडा लहरा दिया। पाकिस्तान के झंडे को उक्त युवक के बरामदे में लटका देख कर आसपास के लोगों में खलबली मच गई। प्रत्यक्ष दर्शियो ने बताया की झंडे को युवक के घर पर लगा देख नजदीक ही स्थित मस्जिद समिति ने तथा अन्य लोगों ने शेख हमिदूल के घर का घेराव कर पाकिस्तान का झंडा उतारने के लिए कहा किंतु उस युवक पर कोई असर नहीं हुआ। बल्कि पलटकर आम नागरिकों से उलझ गया और आम नागरिकों को से लड़ाई करने लग गया। शेख हमिदूल के इस आचरण से क्षुब्ध होकर 2 नंबर मुल्लापट्टी के स्थानीय लोगों ने हैबरगांव पुलिस चौकी में खबर दे दी। बाद में शुक्रवार को सुबह हैबरगांव पुलिस चौकी से पुलिस दल पहुंच कर युवक के घर से पाकिस्तानी झंडा उतार कर जब्त कर लिए और युवक को पुलिस हिरासत में लेकर आगे की छानबीन कर रही है। उल्लेखनीय है युवक कोलकाता से यहां आकर भाड़े के घर में रह रहा था और काठ मिस्त्री का काम करता था। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ संदिग्ध लोगों का इस युवक के घर आना जाना था। इधर लाचित सेना, नगांव समिति ने मांग कि है कि इस मामले की पुलिस कठोरतापूर्वक जांच करे व दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दे ।

चाय श्रमिकों की मांगों को सरकार ने स्वीकारा

गोलाघाट (हिंस)। आखिरकार, असम सरकार को चाय श्रमिकों की मांगों को स्वीकार कर लिया। अटासा ने चाय श्रमिकों की मांगों को स्वीकार करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ-साथ श्रम मंत्री संजय किशन को धन्यवाद दिया है। उल्लेखनीय है कि पवित्र करम पूजा के दिन भुगतान की छुट्टियों के बजाय किसी अन्य दिन काम करना पड़े की नोटिस के तुरंत बाद से चाय श्रमिकों ने अनुबंध वापस लेने के लिए सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान चाय श्रमिकों और आटसा द्वारा चाय बागानों में भाजपा के मंत्रियों और विधायकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

आयुष्मान भारत मिशन में कामरूप जिला सर्वश्रेष्ठ

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले में तोलाराम बाफना सिविल अस्पताल और जीएनआरसी चिकित्सा विज्ञान प्रतिष्ठान को सम्मानित किया गया है। आयुष्मान भारत मिशन में सर्वश्रेष्ठ सेवाओं के लिए आज उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। अतिरिक्त आयुक्त कमल बरुआ ने आज कामरूप जिले के रानी सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित जिलाव्यापी आयुष्मान दिवस समारोह में कामरूप जिला प्रशासन की ओर से दोनों चिकित्सा संस्थानों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। तोलाराम बाफना सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. पवन कुमार पद्मपति और जीएनआरसी अस्पताल के उप-धीक्षक डॉ. मनोज अग्रवाल ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 4 लाख से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने में कामरूप जिला राज्य में शीर्ष पर है। यह पुरस्कार आज गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में आयोजित एक समारोह में जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने प्राप्त किया। इस बीच रानी में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में अभियान में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले जिले के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। उनमें डिजीप्ले सखी शकीना अहमद और शिखामणि डेका, बोको की आशा निदेशक ज्योत्सना ठाकुरिया, शुवालकुची के स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्विजेन डेका, हाजो के स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुस्तफा अली अहमद, रामपुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निभारानी दास और शुवालकुची की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रीना कलिता शामिल हैं। इस अवसर पर जिला संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक डॉ. महितोष बनर्जी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी विकास शर्मा, जिला स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ. ज्ञानश्री पाठक, रानी गांव पंचायत अध्यक्ष परमेश्वर दास उपस्थित थे। आयुष्मान भव अभियान के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि चल रहे आयुष्मान भव अभियान के संयोजन में चिकित्सालय में गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के बहुत से विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

विश्वनाथ : सार्वजनिक श्री श्री गणेश पूजा समिति की चार दिवसीय गणेशोत्सव संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआली शहर के आमबाड़ी में सार्वजनिक श्री श्री गणेश पूजा समिति की चार दिवसीय गणेश महोत्सव कल भव्यता के साथ संपन्न हुआ है। कल सुबह से पंडाल में बप्पा का दर्शन करने के लिए में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालु प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर आगामी दिन का मंगलमय की कामना की। चार दिवसीय गणेश पूजा के पुरोहित गोविन्द शास्त्री और लालचंद रंगा शर्मा द्वारा गणेश पूजा के आज अंतिम दिन शुक्रवार को गणपति बप्पा की यज्ञ (हवन) की पूर्णाहुति हुई। इस यज्ञ में समिति के अध्यक्ष दीलिप शर्मा, भानुप्रसाद अग्रवाल, ललित अग्रवाल सुनील शाह, टिमन महतो, महावीर गुप्ता, सुभाष गुप्ता, संजय सिंह, मुन्ना जयसवाल, निर्मला जयसवाल, किरण भरतिया आदि पूर्णाहुति में सहयोग दी। इसके बाद गजानन की भव्य आरती की। इसके बाद महाप्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात चार बजे भगवान गणेश मूर्ति सहित भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सभी श्रद्धालु पारंपरिक पीले वस्त्र का धारण करते हुए भक्तिमय गीत में नाचते, झूमते विश्वनाथ घाट में गणपति बप्पा का मूर्ति विसर्जन किया गया। विसर्जन जाते समय शहर बप्पा के भजन से परिवेश भक्तिमय हो उठा। गणेश मूर्ति विसर्जन में महिला और बढ़ -चढ़ भाग लेते हुए भक्तिमय रस से सराबोर हो गए। विसर्जन में असंख्य श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा को नम आंखों से विदाई दी। गणेश प्रतिभा विसर्जन शोभायात्रा में विश्व हिंदू परिषद, तेजपुर विभाग के संगठन मंत्री शंशीकांत पांडे, विश्वनाथ जिला के सचिव इंद्रजीत गुप्ता, सार्वजनिक श्री श्री गणेश पूजा समिति के पदाधिकारी और 300 से अधिक महिला श्रद्धालुओं मौजूद थे।

पहले ही दिन *लायंस हाट बाजार 2.0* में उमड़ा जन सैलाब

सोनाराम फील्ड में करीब 4000 जरूरतमंद परिवारों ने पूरे सम्मान के साथ की निःशुल्क खरीदारी

गुवाहाटी (हिंस)। लायंस डिस्ट्रिक्ट 322 जी के अंतर्गत गुवाहाटी स्थित 21 लायंस क्लबों के संयुक्त तत्वाधान में *लायंस हाट बाजार-2.0* का शुभारंभ भरलुमुख स्थित सोनाराम खेल मैदान में शनिवार को हुआ। लायंस क्लब के इस मेगा मानव सेवा परियोजना *लायंस हाट बाजार-2.0* के पहले दिन जन सैलाब उमड़ पाड़ा, जो कार्यक्रम की अपार सफलता व लोकप्रियता को दर्शाता है। पहले दिन करीब 4000 परिवारों से आए करीब 5000 लोगों ने पूरे सम्मान के साथ निःशुल्क वितरित किए गए कूपन के माध्यम से अपनी जरूरत अनुसार खरीदारी की। जरूरतमंद लोगों ने कपड़े, बेडशीट, खिलौने, जूते चप्पल सहित अन्य घरेलू सामग्री आदि की जमकर खरीदारी की इस दौरान सभी के चेहरे खुशी से खिले हुए नजर आए। इससे पूर्व इस परियोजना का उद्घाटन लायंस 322 मल्टीपल जीएसटी समन्वयक राज कुमार अग्रवाल ने लायंस डिस्ट्रिक्ट 322जी के गवर्नर निर्मल कुमार भूरा, वीडीजी-1 सीमा गोयनका, वीडीजी-2 पंकज पोद्दार, लायंस हाट बाजार के अध्यक्ष बिजय हरलालका, सलाहकार मनोज भजनका सहित पूर्व लायंस जिलापाल, सभी लायंस क्लब के सदस्यों तथा अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया। मुख्य अतिथि राज कुमार अग्रवाल ने परियोजना का उद्घाटन करते हुए लायंस डिस्ट्रिक्ट 322 जी के सभी क्लब सदस्यों के प्रयासों की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने प्रोजेक्ट चेयरमैन बिजय हरलालका और सभी सह-चेयरमैन रितु बंका, प्रमोद हरलालका, महेश शर्मा, सनोज अग्रवाल, संजय संथोलिया, अशोक गोयल, प्रभा कोठारी और विशाल बेरीवाल के साथ-साथ इससे जुड़े सभी लायंस क्लबों की कड़ी मेहनत की भी सराहना की। लायंस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 322 जी निर्मल कुमार भूरा ने सभी 21 लायंस क्लबों के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने पिछले तीन महीनों से लगातार काम किया और शहर भर के विभिन्न दानदाताओं से सभी कपड़े, बर्तन, खिलौने और घरेलू सामान एकत्र किए और उनके आधार पर सामग्रियों को अलग किया। लायंस हाट बाजार 2.0 के प्रोजेक्ट चेयरमैन बिजय हरलालका ने बताया की हमने गुवाहाटी क्षेत्र और उसके आसपास के जरूरतमंद लोगों को *लायन करेंसी* नामक मुफ्त कूपन का वितरण किया। प्रत्येक कूपन बुक में 2000 मूल्य के कूपन मौजूद है। इस मुद्रा का उपयोग लोग अपनी पसंद और जरूरत के उत्पाद खरीदने के लिए कर सकते हैं। लगभग 5000 कूपन पुस्तकें वंचितों और जरूरतमंद लोगों के बीच निःशुल्क वितरित की गई हैं। पूर्व लायंस जिलापाल सुधीर चौधरी ने बताया कि आयोजन स्थल पर लगभग 25 स्टॉल के माध्यम से लोगों ने अपनी जरूरत अनुसार खरीदारी की। पहले दिन आज लगभग 4000 जरूरतमंद परिवारों ने लायंस करेंसी के माध्यम से बिल्कुल निःशुल्क खरीदारी की। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग द्वारा फीड द हंगर कार्यक्रम के तहत निःशुल्क भोजन भी कराया गया, जिसका लाभ हजारों की संख्या में लिया। इसके अलावा आयोजन स्थल पर मारवाड़ी हॉस्पिटल और लायंस आई हॉस्पिटल के सहयोग से एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया। लायंस वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका व वीडीजी द्वितीय पंकज पोद्दार ने बताया कि विशाल परियोजना को सफल बनाने के लिए लायंस क्लब की सभी 21 शाखाओं के सभी सदस्य भरपूर सहयोग दे रहे हैं। लायंस हाट बाजार के मुख्य सलाहकार मनोज भजनका ने बताया कि दो दिवसीय लायंस हाट बाजार का समापन 24 सितंबर रविवार को सोनाराम फील्ड में किया जाएगा।

वसुधैव कुटुंबकम का प्रतीक बना अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन : प्रधानमंत्री मोदी

- प्रधानमंत्री ने दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विज्ञान भवन में बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन 2023' का उद्घाटन किया। इंग्लैंड के लॉर्ड चांसलर एलेक्स चाक और बार एसोसिएशन ऑफ इंग्लैंड के प्रतिनिधियों, राष्ट्रमंडल और अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधियों और देशभर से आए लोगों की उपस्थिति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरह से ये अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन भारत की वसुधैव कुटुंबकम की भावना का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री ने किसी भी देश के विकास में कानूनी बिरादरी की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्षों से न्यायपालिका और बार भारत की न्यायिक प्रणाली के संरक्षक रहे हैं। मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम में कानूनी पेशेवरों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने महात्मा गांधी, बाबा साहेब आंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, लोकमान्य तिलक और वीर सावरकर का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे के अनुभव ने स्वतंत्र भारत की नींव को मजबूत करने का काम किया है और आज की निष्पक्ष न्यायिक प्रणाली ने भारत में दुनिया का विश्वास बढ़ाने में भी मदद की है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब देश कई ऐतिहासिक निर्णयों का गवाह रहा है।

उन्होंने नारी शक्ति वंदन विधेयक को संसद की मंजूरी का उल्लेख करते हुए कहा कि महिला आरक्षण कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को नई दिशा और ऊर्जा देगा। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले ही संसद ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विधेयक पास किया है। नारी शक्ति वंदन कानून भारत में महिला नेतृत्व विकास को नई दिशा और ऊर्जा देगा। प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि नई दिल्ली में हाल ही में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन में दुनिया को भारत के लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और कूटनीति की झलक मिली। इसी दिन एक महीने पहले भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतारने वाला दुनिया का पहला देश बना था। इन उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज का भारत जो आत्मविश्वास से भरा हुआ है, 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने एक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत में कानूनी प्रणाली के लिए मजबूत, स्वतंत्र और निष्पक्ष नींव की आवश्यकता भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन में प्रत्येक देश को अन्य देशों की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने आज की दुनिया की गहरी कनेक्टिविटी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में कई ताकतें हैं जिन्हें सीमाओं और अधिकार क्षेत्र की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि जब खतरे वैश्विक हैं तो उनसे निपटने के तरीके भी वैश्विक होने चाहिए। उन्होंने साइबर आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग की संभावनाओं पर बात की और कहा कि ऐसे मुद्दों पर एक वैश्विक ढांचा तैयार करना सिर्फ सरकारी मामलों से परे है, बल्कि विभिन्न देशों के कानूनी ढांचे के बीच जुड़ाव की भी मांग करता है। वैकल्पिक विवाद समाधान पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वाणिज्यिक लेनदेन की बढ़ती जटिलता के साथ एडीआर ने पूरी दुनिया में लोकप्रियता हासिल की है। भारत में विवाद समाधान की अनौपचारिक परंपरा को व्यवस्थित करने के लिए भारत सरकार ने मध्यस्थता अधिनियम बनाया है। इसी तरह लोक अदालतें भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं और लोक अदालतों ने पिछले 6 वर्षों में लगभग 7 लाख मामलों का निपटारा किया है। सरकार यथासंभव सरल भाषा, भारतीय भाषाओं में कानूनों का मसौदा तैयार करने का गंभीर प्रयास कर रही है। मोदी ने जोर देकर कहा कि सरकार सरल भाषा में नए कानूनों का मसौदा तैयार करने का प्रयास कर रही है और उन्होंने डेटा संरक्षण कानून का उदाहरण दिया।

प्रधानमंत्री आज नौ वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नौ वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। ये नौ ट्रेनें 11 राज्यों राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि ये नई वंदे भारत ट्रेनें देश भर में कनेक्टिविटी में सुधार और रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम हैं। जिन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई जाएगी, उनमें उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस, हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, विजयवाड़ा - चेन्नई (वाया रेनिगुंटा) वंदे भारत एक्सप्रेस, पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस, रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस और जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। इन वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत से देश में रेल सेवा के एक नए मानक की शुरूआत होगी। विश्व स्तरीय सुविधाओं और कवच तकनीक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित ये ट्रेनें आम लोगों, पेशेवरों, व्यापारियों, छात्र समुदाय और पर्यटकों को यात्रा के आधुनिक, त्वरित और आरामदायक साधन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होंगी।

मणिपुर में इंटरनेट सेवाएं शुरू, लूटे हथियार 15 दिन में लौटाने की चेतावनी

- 15 दिनों के बाद केंद्र और राज्य सुरक्षाबल हथियारों को बरामद करने चलाएगी तलाशी अभियान

इंफाल (ईएमएस)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि शनिवार से इंटरनेट सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। मणिपुर सरकार ने शुक्रवार रात हथियार लूटने वाले लोगों को 15 दिनों के भीतर हथियार जमा करने की चेतावनी दी, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के कार्यालय से एक विज्ञप्ति जारी की गई है। जिसमें कहा गया है कि राज्य भर में किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा रखे गए सभी अवैध हथियारों को तुरंत या शुक्रवार से 15 दिनों की अवधि के भीतर जमा कर दिए जाने चाहिए। राज्य सरकार इन 15 दिनों के भीतर ऐसे अवैध हथियार जमा कराने वाले व्यक्तियों के मामले में भी विचार करने को तैयार है। बयान में कहा गया है कि 15 दिनों के बाद केंद्र और राज्य दोनों के सुरक्षाबल हथियारों को बरामद करने के लिए पूरे राज्य में व्यापक तलाशी अभियान चलाएंगे। किसी भी अवैध हथियार से जुड़े सभी व्यक्तियों से कानून के अनुसार गंभीरता से निपटा जाएगा। इन अवैध हथियारों का इस्तेमाल करके उपद्रवियों, समूहों द्वारा जबरन वसूली, धमकी और अपहरण की खबरें सामने आई हैं। यह एक गंभीर मामला है। राज्य सरकार राज्य के किसी भी हिस्से में ऐसे उपद्रवियों, समूहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। उन्होंने राज्य के लोगों से राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने में केंद्र और राज्य सरकार को सहयोग करने की अपील की है। मणिपुर मानवाधिकार आयोग (एमएचआरसी) की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए, राज्य सरकार ने गुरुवार को पुलिस महानिदेशक को सुरक्षा बलों के शस्त्रागार और चुराचांदपुर बंदूक की दुकान से जातीय दंगे के दौरान लूटे गए हथियारों एवं गोला-बारूद को बरामद करने का निर्देश दिया है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 3 मई को भड़के जातीय दंगों के दौरान भीड़, हमलावरों और उग्रवादियों ने पुलिस स्टेशनों व पुलिस चौकियों से 4,000 से अधिक विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक हथियार और लाखों विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद लूट लिए थे।

विधायक अयोग्यता मामले की सुनवाई का सीधा प्रसारण किया जाए : विजय वडेट्टीवार

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजय बडेट्टीवार ने विधायक अयोग्यता मामले की सुनवाई का सीधा प्रसारण करवाए जाने की मांग की है। इसके लिए विजय बडेट्टीवार ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को शनिवार को पत्र भी लिखा है। हालांकि इस संबंध में राहुल नार्वेकर ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विजय बडेट्टीवार ने बताया, "शिवसेना विधायकों की अयोग्यता का मामला ऑनलाइन लाइव प्रसारण के माध्यम से महाराष्ट्र के लोगों के सामने सुना जाना चाहिए। राज्य के इतिहास में सबसे बड़े राजनीतिक विद्रोह मामले में विधायकों की अयोग्यता का मामला विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष लंबित है।" "लोकतांत्रिक और न्यायप्रिय महाराष्ट्र की जनता का ध्यान सुनवाई पर है। संवैधानिक संस्थाओं, संवैधानिक पदों और समग्र लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया गया है। राहुल नार्वेकर विधायक अयोग्यता मामले की सुनवाई का सीधा प्रसारण करेंगे। आशा है कि वह इस अनुरोध को स्वीकार करेंगे।" दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सुनवाई का काम तेज कर दिया है। 14 सितंबर को सुनवाई होने के बाद इसे दो हफ्ते के लिए टाल दिया गया था लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक सुनवाई 25 सितंबर को होगी। इस सुनवाई में खास तौर पर शिव सेना के दोनों गुटों के प्रमुख उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के आमने-सामने आने की संभावना है। इस बात का संकेत खुद नार्वेकर ने दिया है। उल्लेखनीय है कि शिवसेना से अलग होने के बाद एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार का गठन किया और इस समय मुख्यमंत्री का पद भार संभाल रहे हैं। इस मामले में शिवसेना ठाकरे गुट के विधायक सुनील प्रभु ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के समक्ष एकनाथ शिंदे समूह के विधायकों को अयोग्य घोषित किए जाने की याचिका दाखिल की है। इसी मामले की शीघ्र सुनवाई के लिए ठाकरे समूह की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई एक सप्ताह के अंदर करने का निर्देश विधानसभा अध्यक्ष को दिया है।

महाराष्ट्र के उल्हासनगर स्थित सेंचुरी कंपनी में विस्फोट, पांच लोगों की मौत की आशंका

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर शहर में स्थित सेंचुरी कंपनी में शनिवार को दोपहर भीषण विस्फोट होने से कम से कम पांच मजदूरों की मौत की आशंका है। इस घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं। सभी घायलों को कल्याण स्थित सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड के जवान मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस के अनुसार सेंचुरी कंपनी में दोपहर करीब 12 बजे अचानक विस्फोट हो गया। इस घटना के दौरान कंपनी में काम कर रहे कई मजदूरों की मौके पर मौत हो गई। विस्फोट इतना भीषण था कि शहर के तानाजीनगर, शहद गांव, गुलशन नगर, शहद फाटक, धोबीघाट, शिवनेरी नगर के घरों में कंपन महसूस किए गए। घटना की जानकारी मिलते ही शहद पुलिस थाने की टीम और फायर ब्रिगेड के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। विस्फोट के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

हरदीप पुरी सोमवार को पहली हरित हाइड्रोजन ईंधन सेल बस को दिखाएंगे हरी झंडी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मामलों के मंत्री हरदीप पुरी सोमवार 25 सितंबर को राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर पहली ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन सेल बस को हरी झंडी दिखाएंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि हरदीप पुरी 25 सितंबर को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर पहली ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन सेल बस को हरी झंडी दिखाएंगे। बस को सुबह 10:15 बजे नेताजी सुभाषचंद्र बोस प्रतिमा, शाहजहां रोड, इंडिया गेट पर हरी झंडी दिखाई जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक इंडियन ऑयल ने दिल्ली, हरियाणा और यूपी में चिन्हित मार्गों पर ग्रीन हाइड्रोजन द्वारा संचालित 15 ईंधन सेल बसों का परिचालन परीक्षण करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम के तहत 2 ईंधन सेल बसों का पहला सेट 25 सितंबर को इंडिया गेट से लॉन्च किया जा रहा है। यह हरित गतिशीलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उल्लेखनीय है कि हरित हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके किया जाता है। यह कम कार्बन और आत्मनिर्भर आर्थिक मार्गों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत की पहली हाइड्रोजन ईंधन सेल बस सर्विस लेह और लद्दाख में शुरू होने वाली है, जो पर्यावरण-अनुकूल परिवहन के एक नए युग की शुरूआत करेगी।

मोदी सरकार जातिगत जनगणना से डर रही, महिला आरक्षण आज से ही लागू हो : राहुल गांधी

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के नए मुख्यालय के शिलान्यास के बाद कार्यकर्ता सम्मेलन में शनिवार को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महिला आरक्षण लागू करने के समय और जातिगत जनगणना को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरे विपक्ष ने महिला आरक्षण का समर्थन किया। हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण आज से ही लागू हो लेकिन भाजपा दस साल बाद इसे लागू करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ओबीसी वर्ग को भागीदारी देना चाहते हैं लेकिन जातिगत जनगणना से क्यों डर रहे हैं? वे अडाणी से भी डरते हैं। चुनाव में जब बीजेपी वाले वोट मांगने आएं तो उनसे यह जरूर पूछना कि जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवा रहे हो? राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने देश का नाम बदलना चाहा। संसद का विशेष सत्र बुला लिया। इंडिया को भारत किया जबकि संविधान में साफ लिखा है कि इंडिया दैट इज भारत। यानी इंडिया ही भारत है। जब उन्हें लगा कि इससे कोई फायदा नहीं होगा और भारत की जनता इन सब चीजों का समर्थन नहीं करती तो वे महिला आरक्षण बिल ले आए। राहुल ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का पूरे विपक्ष ने समर्थन किया। भाजपा चाहती है कि महिला आरक्षण दस साल में लागू हो जबकि हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण आज से ही लागू हो। मैंने रिसर्च की तो पता चला कि हमारी संस्थाओं में ओबीसी, दलित, आदिवासी वर्ग की क्या भागीदारी है? आज के हिंदुस्तान को 90 लोग चलाते हैं। आज के हिंदुस्तान को प्रधानमंत्री 90 अफसरों के साथ चलाते हैं। वे हर मंत्रालय के सचिव हैं। प्रधानमंत्री ओबीसी की बात करते हैं लेकिन इन 90 अफसरों में सिर्फ तीन ओबीसी हैं। उनके पास हिंदुस्तान का सिर्फ पांच प्रतिशत बजट है। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान में हर वर्ग को सही प्रतिनिधित्व देने के लिए जातिगत जनगणना जरूरी है। इस जनगणना से पता चल जाएगा कि हिंदुस्तान में किस वर्ग के कितने लोग हैं। हम ओबीसी को भागीदारी देने की बात करते हैं लेकिन जब तक ओबीसी कितने हैं, यह पता नहीं लगेगा तो कैसे काम होगा? प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से क्यों डरते हैं? हमने ये जनगणना करवाई थी, आंकड़े आपके पास हैं, उन आंकड़ों को हिंदुस्तान की जनता के सामने रख दीजिए और अगली जनगणना में जातिगत जनगणना भी करवाइए। ओबीसी का अपमान मत कीजिए। मोदी न तो अडाणी की बात कर पाते हैं, न ही ओबीसी के बारे में बात करते हैं। राहुल ने कहा कि पिछले दिनों बीजेपी के नेता अंग्रेजी के खिलाफ भाषण दे रहे थे। मैंने उनसे पूछा कि आपके बच्चे कहां पढ़ते हैं? उनके बच्चे अंग्रेजी मीडियम में पढ़ते हैं। बीजेपी नेता चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी में पढ़ें और गरीब का बच्चा अंग्रेजी न सीखे। ये दो हिंदुस्तान बनाना चाहते हैं।

एनआईए ने खालिस्तानी आतंकी पन्नू की अमृतसर व चंडीगढ़ स्थित संपत्तियों को किया जब्त

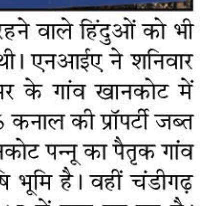

चंडीगढ़, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को पंजाब में बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की चंडीगढ़ व अमृतसर में मौजूद संपत्ति को जब्त कर लिया है। एनआईए ने इन संपत्तियों को सील करते हुए अपना बोर्ड लगा दिया है। भारत सरकार ने 2019 में आतंकी गतिविधियां चलाने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत पन्नू के संगठन पर बैन लगाया था। पन्नू प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस का मुखिया है। वह कनाडा और दूसरे देशों से लगातार भारत विरोधी बातें करता रहता है। हाल ही में कनाडा-भारत विवाद में उसने कनाडा में रहने वाले हिंदुओं को भी धमकी दी थी। एनआईए ने शनिवार को अमृतसर के गांव खानकोट में पन्नू की 46 कनाल की प्रॉपर्टी जब्त की है। खानकोट पन्नू का पैतृक गांव है। यह कृषि भूमि है। वहीं चंडीगढ़ के सेक्टर 15 में पन्नू का घर है। पहले 2020 में इन्हें अटैच किया गया था। अब एनआईए ने इन्हें जब्त कर लिया है। अब इस संपत्ति की मालिक सरकार बन गई है।

राजस्थान में चुनाव प्रचार से गायब वसुंधरा सीएम गहलोत के साथ दिखाई दी

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में इन दिनों चुनावी सरगर्मी तेज है। आने वाले दिनों में मरुधारा में चुनाव होने हैं, इस लेकर सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी पार्टी बीजेपी एक दूसरे पर हमले का कोई भी मौका नहीं छोड़ती है। हालांकि इस बीच एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, इस तस्वीर ने सभी को चौंका दिया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और बीजेपी की कद्दावर नेता और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे साथ में नजर आ रहीं हैं। सीएम गहलोत और वसुंधरा राजे की ये मुलाकात कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के उद्घाटन के मौके पर हुई। वहां विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी और एलओपी राजेंद्र राठौड़ सहित अन्य लोग भी मौजूद थे। ये तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसके बाद चुनाव से ठीक पहले राजस्थान में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। बता दें कि राजस्थान में विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार भी जोरों पर है। आने वाले दिनों में पीएम मोदी की रैली होनी है, लेकिन बीजेपी की लोकप्रिय चेहरा, दो बार की मुख्यमंत्री और पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे की इसमें सक्रियता क्यों दिखाई नहीं दे रही है। इस सवाल का जवाब देने की स्थिति में राजस्थान बीजेपी में कोई नहीं है। यह भी साफ नहीं है कि बीजेपी ने वसुंधरा राजे को चुनाव से दूर कर रखा है या वसुंधरा राजे खुद ही चुनाव से दूर हैं। वसुंधरा ने अब तक बीजेपी की परिवर्तन यात्राओं और विधानसभा चुनाव से जुड़े किसी भी मसले पर एक ट्वीट तक नहीं किया है। यह सवाल इसलिए चर्चा में है क्योंकि वसुंधरा राजे अपने इलाके झालावाड़ में भी नहीं पहुंची थीं। ये सवाल अब बीजेपी के प्रचार में आने वाले नेताओं से पूछने का सिललिला तेज हो गया है। इस लेकर जब राजस्थान में बीजेपी के चुनाव प्रबंधन समिति के मुखिया नारायण पंचारिया से सवाल पूछा गया था कि राजे राजस्थान के चुनाव प्रचार में क्यों नहीं दिखाई दे रहीं है, तब उनका जवाब था कि क्या जेपी नड्डा और अमित शाह जी दिखाई दे रहे हैं। वसुंधरा जी भी राष्ट्रीय स्तर की नेता हैं और बड़े चुनाव प्रचार में आएगी। इस बार राजस्थान के रण में बीजेपी और कांग्रेस दोनों के बीच आमने-सामने की लड़ाई है। पिछले चुनाव के आंकड़ों को देखने पर 5 प्रतिशत से कम अंतर से जीती गई सीटें चुनावी परिणाम को प्रभावित कर सकती हैं। 2018 में हुए चुनाव में लगभग 30 प्रतिशत सीटें ऐसी थीं, जिनमें जीत का अंतर 5 प्रतिशत से भी कम था।

राज्यपाल ने सीएम मान से आरडीएफ उपयोग की रिपोर्ट मांगी

-पीएम मोदी के दृष्टिकोण के लिए फंड उपयोग आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर दिया जोर

- 5637 करोड़ रुपए के ग्रामीण विकास फंड पर सुको के फैसले को बताया अहम

चंडीगढ़(ईएमएस)। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा 5637 करोड़ रुपए के ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) संबंधी प्राप्त पत्र का जवाब देते हुए आरडीएफ मामले से जुड़ी पेचीदगियों को उजागर करते हुए पंजाब के लोगों की सेवा करने की अपनी वचनबद्धता को दोहराया। मुख्यमंत्री को लिखे जवाबी पत्र में राज्यपाल ने पंजाब के लोगों की सेवा करने के अपने कर्तव्य के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री के पास आरडीएफ का मुद्दा उठाने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दखल देने के अनुरोध को स्वीकार किया। इसके साथ ही राज्यपाल ने यह भी कहा कि ये मामला फिलहाल विचाराधीन है और मुख्यमंत्री ने इस मामले में उन्हें शामिल करने से पहले ही माननीय सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच बनाई थी। इसके चलते राज्यपाल ने कानून की उचित प्रक्रिया का सम्मान करने और मामले पर न्यायिक फैसले की प्रतीक्षा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोई अन्य कार्रवाई करने से पहले न्यायिक प्रक्रिया के नतीजे का इंतजार करना उचित होगा। इसके अलावा राज्य के वित्तीय हालात को लेकर राज्यपाल ने बताया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान पंजाब पर 50,000 करोड़ रुपए का कर्ज बढ़ा है। आरडीएफ मुद्दे के हल के लिए आगे बढ़ते हुए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को इस बड़ी कर्ज की रकम के उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी देने के लिए कहा है। राज्यपाल का मानना है कि यह जानकारी प्रधानमंत्री के सामने केस को प्रभावशाली ढंग से पेश करने के योग्य बनाएगी साथ ही फंड का उपयोग पंजाब के लोगों और उनकी भलाई के लिए विवरण प्रस्तुत करने में सहायक होगी।

हिन्दू दान का उपयोग हिन्दू समाज के हित के लिए ही हो : मिलिंद परांदे

उदयपुर, (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांदे ने कहा है कि हिंदू समाज द्वारा दान किये धन का उपयोग हिन्दू समाज के हित में ही होना चाहिए, अहिन्दू कार्य के लिए नहीं। परांदे शनिवार को उदयपुर में प्रेस से मुखातिब थे। शौर्य यात्रा के तहत उदयपुर आये परांदे ने हिंदू मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से बाहर कर समाज को सौंपने के विहिप के अभियान पर कहा कि कर्नाटक और मध्य प्रदेश ने इसकी घोषणा की है। क्रियान्वयन की प्रक्रिया के सवाल पर उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, वरिष्ठ अधिवक्ता और विषय विशेषज्ञ का एक थिंक टैंक बनाया गया है, जो मंदिरों को समाज के नियंत्रण में आने के बाद संचालन करने की व्यवस्था को सुगम करने के लिए प्रक्रिया का मॉड्यूल तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि किसी एक राज्य में मॉडल लागू होने के बाद ही स्थितियां स्पष्ट हो पाएंगी कि समाज के पास मंदिर आने के बाद उनका संचालन किस विधि से सरल हो सकेगा। थिंक टैंक तीन विषयों पर स्पष्ट हैं, जिसमें पहले यह विषय रहेगा कि हिंदू धन का उपयोग हिंदू हित कार्यों के लिए ही हो, दूसरा विषय यह है कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता मंदिर संचालन में हो तथा तीसरा विषय यह रहेगा कि किसी भी तरह के न्यायिक विवाद को कैसे सुलझाया जाएगा। हिंदू धर्म पर विवादित बयानों से सुर्खियां बटोरने के सवालों पर उन्होंने कहा कि मौजूदा मुद्दा तमिलनाडु का है, जहां सनातन पर आए विवादित बयान पर हिंदू समाज ने तीव्र प्रतिक्रिया दी है। देश भर में कई जगह मामले भी दर्ज हुए हैं। विश्व हिंदू परिषद तमिलनाडु में बड़ा जागरण अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि अब समाज को यह सोचना होगा कि वह सत्ता किसके हाथों में सौंपना चाहता है। समाज को यह भी जानना चाहिए कि हिंदू हित में ही देश का हित है।

सनातन धर्म के खिलाफ बयानबाजी कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने वालों को समाज को ही जवाब देना होगा। पाकिस्तान में हिंदू समाज की स्थिति के सवाल पर उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों के कारण की भारत सरकार सीएए लेकर आई। पाकिस्तान में हिंदुओं को सुरक्षा और सम्मान नहीं है। इसी कारण वहां से छोड़कर जैसलमेर के आसपास शरण लिए करीब साढ़े तीन हजार लोगों को विश्व हिंदू परिषद में अभियान चला कर नागरिकता दिलवाई है। इनमें ज्यादातर एससी-एसटी वर्ग के थे। परांदे ने कहा कि भारत में जय भीम जय भीम कहने वालों को पाकिस्तान के आचरण से सत्य को समझना चाहिए। परांदे ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद ने इसी जन्माष्टमी पर अपने 60वें वर्ष में प्रवेश किया है। इस 60वें वर्ष में संगठन का लक्ष्य एक लाख गांव तक पहुंचने और मौजूदा 72 लाख हितचिंतकों की संख्या को एक करोड़ तक ले जाने का है। पूरे देश में शौर्य यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है, जिनके माध्यम से सरकारी नियंत्रण से मंदिरों की मुक्ति, हर राज्य में धर्मांतरण विरोधी कानून तथा गौ रक्षा कानून बनाने की मांग की जा रही है। नवंबर में दीपावली से 15 दिन पहले तथा दीपावली के 15 दिन बाद तक पूरे देश में संत प्रवास करेंगे और सामाजिक समरसता, धर्मांतरण व कुटुंब प्रबोधन को लेकर अलख जगायेंगे। विश्व हिंदू परिषद की भावना यह है कि हिंदू समाज के सामने आ रही चुनौतियों का सामना करने के लिए हिंदू समाज स्वयं सशक्त हो। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष जनवरी में अयोध्या में होने वाले श्री राम मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में श्री राम जन्मभूमि न्यास जो भी जिम्मेदारी विश्व हिंदू परिषद को सौंपेगा, उसे परिषद निभाएगा।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एक से 31 अक्टूबर तक चलेगा

जालौन, (हि.स.)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की बैठक आयोजित हुई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एनडी शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागों की समन्वयता के साथ संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम अभियान व जन जागरूकता कार्यक्रम के बारे में आम जनमानस को जागरूक करने के साथ-साथ वेक्टर वार्न डिजीज सहित अन्य संचारी रोगों की स्थिति, बचाव, उपचार के बारे में जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के लिए चलाये जा रहे अभियान एवं प्रयासों आदि में जनपद की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों एवं चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय बनाकर अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लोगो को जागरूक करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी भीमजी उपाध्याय, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एनडी शर्मा, सीएमएस मेडिकल प्रशान्त निरंजन, समाज कल्याण अधिकारी सत्यम त्रिपाठी, बेसिक शिक्षा अधिकारी चन्द्र प्रकाश सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने नवरात्रि का उत्साह कई गुना बढ़ा दिया : प्रधानमंत्री

वाराणसी/नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) ने इस बार नवरात्रि के लिए उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। यह महिलाओं के लिए विकास के नए मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में नारी शक्ति वंदन-अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को मंजूरी के बाद काशी की पवित्र धरती पर पहुंचे मोदी ने देश की मातृ शक्ति को बधाई दी। उन्होंने कहा, इस कानून से देश के लिए महिला विकास के नए रास्ते खुलेंगे। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ेगी। मैं इस उपलब्धि के लिए आपको और देश की माताओं-बहनों को काशी की पवित्र धरती से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, संयोग से कुछ ही समय में दुर्गा पूजा का उत्सव भी शुरू होने वाला है। बनारस में जगह-जगह दुर्गा पंडाल की तैयारी चल रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने इस बार नवरात्रि के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व बाकी दुनिया के लिए एक आधुनिक व्यवस्था हो सकती है, लेकिन हम वो हैं जो मां पार्वती और मां गंगा को प्रणाम करते आये हैं। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि महिला आरक्षण विधेयक तीन दशकों से रुका हुआ था, लेकिन इस बार, कई दल जो हमेशा विधेयक का विरोध करते थे, उन्होंने आपकी (महिलाओं) वजह से दोनों सदनों में इसका समर्थन किया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम रिकॉर्ड वोटों से संसद में पारित हुआ है। आपके आशीर्वाद से इसका सौभाग्य आपकी काशी के इस सांसद को मिला है।" उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक व्यापक विजन वाला कानून है। इस कानून की ताकत तब बढ़ेगी, जब समाज से लेकर परिवार तक, हर स्तर पर महिलाओं के लिए आगे बढ़ने के अवसर बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि देश अमृतकाल में इसी तरह आगे बढ़ता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी रानी लक्ष्मीबाई की जन्मस्थली है। स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई की भूमिका से लेकर मिशन चंद्रयान का नेतृत्व करने वाली महिला वैज्ञानिकों तक, हमने महिलाओं की क्षमताओं को देखा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाये गये कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बनारस में 2 लाख 30 हजार से ज्यादा महिलाओं को उज्वला योजना का लाभ मिला है। इस योजना की लाभार्थी महिलाओं को अब सरकार से प्रति सिलेंडर 400 रुपये की सब्सिडी भी मिल रही है। बनारस में पीएम आवास योजना के तहत 75,000 घर बनाकर गरीबों को दिए गए हैं। इनमें से अधिकतर घर माताओं, बहनों के नाम पर है।

हिन्दी को उसका वास्तविक स्थान और अधिकार मिले : डॉ. उन्मेश सिन्हा

मुरादाबाद, (हि.स.)। दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के तत्वाधान में हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद के अध्यक्ष अशोक कुमार सक्सेना व संचालन महासचिव अभय कुमार सिंह ने किया। मुख्य अतिथि एल्डर कमेटी के सदस्य महेश चंद्र त्यागी, मुख्य वक्ता हिन्दू कॉलेज में हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ. उन्मेश सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन आवरण अग्रवाल श्रेष्ठ एडवोकेट ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. उन्मेश सिन्हा ने कहा कि हिन्दी भाषा को उसका वास्तविक स्थान और अधिकार न मिलने के बहुत से कारण हैं। अतः हिन्दी भाषा को उसका वास्तविक स्थान और अधिकार मिलना चाहिए। इस अवसर पर रमेश आर्य, अभिषेक भटनागर, अनुराग सक्सैना, अजहर अब्बास नकवी, अजय पाल, अशरफ, कमाल अहमद आदि लोग रहे।

उपजाऊ जमीन बेचने को तैयार नहीं किसान, एकजुट होकर बनाई रणनीति

जालौन, (हि.स.)। ग्राम कुसमिलिया में शुक्रवार को राधा कृष्ण मंदिर में किसानों की खुली मीटिंग में सैंकड़ों किसान एकत्रित हुए। उन्होंने अपनी उपजाऊ भूमि को सरकार को न बेचने की रणनीति बनाई। साथ ही उन्होंने कहा कि भूमि से हम अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। इसलिए हम अपनी उपजाऊ भूमि किसी को नहीं बेचेंगे। किसानों का कहना है जिस भूमि के अधिग्रहण की बात है, वह ज्यादात उपजाऊ हैं। जिसमें गेहूं व मटर आदि फसलें होती हैं। इस जमीन को कॉरिडोर में इतने कम सर्किल रेट में नहीं देंगे। हमारे पास सिर्फ जमीन ही है। इससे हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। हम तीन गांव डकोर, कुसमिलिया और टिमरों इतने कम दामों में अपनी जमीन नहीं देंगे।

हम सरकार को बताना चाहते हैं कि हमारी जमीन बहुत उपजाऊ है। इसका सर्किल रेट कई वर्षों से बढ़ाया नहीं गया है। हम सभी किसान विकास कार्यों में बाधक नहीं हैं। हम सब किसान अपना वॉजिब सर्किल रेट पर अपनी जमीन दे सकते हैं। इस मीटिंग के दौरान लगभग डेढ़ सौ किसान एकत्रित हुए।

बकाया भुगतान नहीं होने पर किसानों ने घेरा गन्ना भवन

मेरठ, (हि.स.)। गन्ने का बकाया भुगतान नहीं होने पर शनिवार को किसानों के सब्र का बांध टूट गया। किसानों ने पांडव नगर स्थित गन्ना भवन का घेराव किया। किसानों ने गन्ना अधिकारियों से साफ कहा कि अब गन्ने का भुगतान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। गन्ना किसान समिति के अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान इकट्ठा होकर पांडव नगर स्थित गन्ना भवन पहुंचे। किसानों ने उप गन्ना आयुक्त और जिला गन्ना अधिकारी का घेराव करके जमकर हंगामा किया। किसानों ने कहा कि किनौनी चीनी मिल द्वारा बकाया 300 करोड़ रुपये किसानों को नहीं दिए जा रहे हैं। बकाया पैसा नहीं मिलने से किसान आर्थिक संकट में घिरे हैं। किनौनी चीनी मिल द्वारा किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान समय से नहीं किया जाता। प्रत्येक वर्ष किसानों को आर्थिक संकट से जूझना पड़ता है। किसानों के बच्चों की स्कूल फीस भी समय से नहीं जाती हैं। पैराई सत्र 2022-23 में किनौनी चीनी मिल पर लगभग 300 करोड़ का भुगतान बकाया है।

किसानों ने गन्ना अधिकारियों से चीनी मिल पर बकाया रकम का भुगतान कराने की मांग की। गन्ना अधिकारियों ने किसानों से कहा कि गन्ना विभाग की ओर से चीनी मिल के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति जिलाधिकारी को भेजी गई है। किसानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अधिकारियों को दिया। किसानों ने कहा कि अगर शीघ्र गन्ना भुगतान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर मनोज प्रधान, मोहित, सतीश कुमार, सुरेंद्र सिंह, सुनील, कुंवरपाल, मनोज शर्मा, राजेश शर्मा, सत्यपाल, मोनू, संजय, राजवीर, सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे।

गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति इको फ्रेंडली पंडाल का करेगा निर्माण

रांची, (हि. स.)। रांची के गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति मोरहाबादी की ओर से इस वर्ष भव्य पूजा पंडाल का निर्माण किया जायेगा। समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने शनिवार को बताया कि पूजा पंडाल पूरी तरह से इको फ्रेंडली होगा। पंडाल के अंदर लोगों को विभिन्न प्रकार के पेड़, पौधे और सब्जियों के लत्तर दिखेंगे। इन लत्तरों में करेला, नेनुआ, कद्दू आदि लटके होंगे। पूजा के आयोजन पर इस बार लगभग 21 लाख रुपये खर्च किये जायेंगे। पंडाल को पूरी तरह से प्राचीन मंदिर का स्वरूप पूजा पंडाल को पूरी तरह से प्राचीन मंदिर का स्वरूप दिया जा रहा है। मंदिर की बनावट ऐसी होगी कि बहुत पुराना होने के कारण इसमें पेड़े-पौधे उग आये है। यह पूजा पंडाल पूरी तरह से इको फ्रेंडली होगा। पूजा पंडाल का निर्माण पश्चिम बंगाल के कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। दो माह से कारीगर पंडाल बनाने में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि पूजा समिति की ओर से इस बार आकर्षक लाइटिंग भी की जायेगी। सड़क किनारे जगह-जगह तोरण द्वार बनाने के साथ-साथ लाइटों की लड़ी भी लगायी जायेगी। लाइटिंग टीआरआइ से लेकर टैगोर हिल तक की जायेगी।

खेती-किसानी में विज्ञान, अच्छी लाह से महिलाओं का जीवन हुआ आसान

खूंटी, (हि.स.)। कल तक जिन महिलाओं का जीवन घर की चहार-दीवारी के अंदर कैद थी और उनकी खुद की पहचान से वंचित थी, आज वही महिलाएं वनोपज उद्यमी के रूप में अपनी अलग पहचान बना रहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की ये महिला किसान लाह की खेती के जरिये बेहतर आजीविका की ओर अग्रसर हो रही हैं। लाह की खेती से महिलाएं न सिर्फ अपने गांव में ही रहकर अच्छी आमदनी अर्जित कर रहीं हैं, बल्कि राज्य में लाह उत्पादन में झारखंड को एक अलग पहचान दे रही हैं। ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के जरिये सखी मंडल की ग्रामीण महिलाओं को लाह की वैज्ञानिक खेती से जोड़कर आधुनिक कृषि तकनीक के माध्यम से उनकी आय में बढ़ोतरी के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। लाह की खेती से जीवन में बदलाव का उदाहरण हैं रनिया प्रखंड की डाहू पंचायत के सेमरटोली गांव की जोसफिना कंडुलना। जोसफिना बताती हैं कि वह 2016 में झारखंड लाइवलीहूड प्रोमोशन सोसाइटी(जेएसएलपीएस) के माध्यम से सखी मंडल से जुड़ी और 2020 में महिला समूह के माध्यम से वैज्ञानिक रूप से लाह की खेती का प्रशिक्षण प्राप्त किया और लाह की खेती करना शुरू किया। वर्तमान में जोसफिना अपने पेड़ों के अलावा दूसरों के पेड़ों पर भी लाह का खेती कर रही है।

जोसफिना ने बताया कि वह साल में दो बार लाख की खेती करती है वैशाखी और केतकी। इससे वह हर साल लगभग दो लाख की कमाई करती है। लाह खेती करते-करते वह क्षेत्र में लाख विशेषज्ञ के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। अब जोसफिना का चयन आजीविका वन मित्र के रूप में हो गई है।

जोसफिना बताती है कि उसके साथ अन्य 50 महिला किसान भी वैज्ञानिक तरीके से लाह की खेती कर रही हैं। आजीविका वन मित्र से दीदी को साल में लगभग 15 से 18 हजार रुपये की अलग आमदनी भी हो रही है। इस आय वृद्धि से जोसफिना अपने बच्चों को अच्छे विद्यालय में पढ़ा रही है। जोसफिना बताती हैं कि अब डाहू गांव ही नहीं, अन्य गांवों की महिलाएं भी लाह की खेती में रुचि दिखा रही हैं और अच्छी आमदनी प्राप्त कर अपनी जीवन शैली में सुधार ला रही हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ईडी के समन के खिलाफ पहुंचे झारखंड हाई कोर्ट, दायर की रिट याचिका

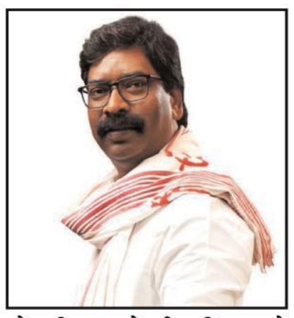

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के समन के खिलाफ शनिवार को झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की हैं। बीते शुक्रवार की शाम पांच बजे ही मुख्यमंत्री की ओर से ईडी के अधिवक्ता को याचिका की प्रति मुहैया करा दी गई है। मुख्यमंत्री ने ईडी के समन मामले में दायर रिट याचिका में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाई कोर्ट जाने की छूट दिए गए को आधार बनाया है। साथ ही ईडी की उनके खिलाफ किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई न करने का आदेश पारित करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने ईडी पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की साजिश करने सहित पीएमएलए 2002 की धारा 50 और 63 की वैधता को चुनौती दी है। मुख्यमंत्री का कहना है कि पीएमएलए किया प्रावधान संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकार का हनन करता है। ईडी को पीएमएलए की इन धाराओं के तहत किसी के बयान दर्ज करने के दौरान उसकी गिरफ्तारी करने का अधिकार है।

दरअसल, 23 सितंबर को ईडी ने पूछताछ के लिए चौथा समन जारी कर उन्हें उपस्थित होने को कहा है।हालांकि, डीएसपी प्रमोद मिश्रा एवं सरफुद्दीन खान के मामले में ईडी के समन को चुनौती वाली याचिका पर हाई कोर्ट ने इनकी पूछताछ के लिए ईडी में उपस्थिति दर्ज कराने पर गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया था।

बाबूलाल मरांडी ने ईडी के बुलावे पर सोरेन पर कसा तंज

रांची, (हि.स.)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए बुलाने पर तंज कसा है। सोशल मीडिया पर मरांडी ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तारी का डर सता रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की सैकड़ों एकड़ जमीन हड़पने एवं मनी लांड्रिंग केस में पूछताछ के लिए उन्हें बुलाया जा रहा है। सोरेन गिरफ्तारी के भय से ईडी का सामना करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली तो अब गिरफ्तारी से बचाने के लिए हाई कोर्ट की शरण में जाएंगे। बाबूलाल ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह डर अच्छा है।गलत करने वाले हर व्यक्ति को कानून का डरना चाहिए। काश कानून का यह डर हेमंत को पहले आ गया होता तो झारखंड में लूट-खसोट और आतंक का नंगा नाच देखने को नहीं मिलता। न ही देश-दुनिया में झारखंड की इतनी बदनामी होती।

बिहार के चौसा थर्मल पॉवर प्लांट में लगातार तीसरे दिन कम ठप

पटना/बक्सर, (हि.स.)। जिले के चौसा थर्मल पावर प्लांट में काम करने वाले मजदूर बीते 21 सितम्बर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। शनिवार को तीसरे दिन भी प्लांट परिसर में मजदूर काम ठप कर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि फरवरी में निर्माण कार्य पूरा कर ट्रायल शुरू करना है। मजदूरों की मांग है कि बोर्ड रेट के अनुसार मजदूरी और आठ घंटे की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। देश की दूसरी बड़ी बिजली उत्पादन परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत कार्य ठप है। इससे कंपनी के अधिकारियों में बेचैनी बढ़ गई है। शनिवार की सुबह से मजदूर वर्कर्स कॉलोनी में ही प्रदर्शन शुरू कर दिए। प्रदर्शनकारी मजदूरों का कहना है कि कंपनी के अधिकारी जब तक लिखित आश्वासन नहीं देते हैं तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इंटक जिला मजदूर संघ के अध्यक्ष गौरव राय ने कहा कि मजदूरों का निबंधन नहीं किया गया है। निबंधन हो गया होता तो उन्हें बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसे, पेंशन, बोर्ड रेट के अनुसार मजदूरी और आठ घंटे की ड्यूटी करनी होती लेकिन उन्हें कोई मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि पावर प्लांट के मजदूरों ने शिकायत भी की है लेकिन कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 12 घंटे की ड्यूटी करने के बाद 8 घंटे का पेमेंट दिया जाता है।

660-660 मेगावॉट की बन रही 2 यूनिट – चौसा थर्मल पावर प्लांट से 1320 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा। इसको लेकर 660-660 मेगावॉट के दो यूनिट बनाई जा रही है। खास बात यह है कि यहां कोयला और पानी से बिजली उत्पादन किया जाएगा।सतलज जल विद्युत निगम के अधिकारियों के मुताबिक, चौसा पावर प्लांट 1283 एकड़ जमीन पर बनाई जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य लगभग 80 फीसदी पूरा हो चुका है। इस साल के अंत तक थर्मल पावर प्लांट को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। जनवरी-फरवरी में ट्रायल पूरा होने के बाद उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। नए वित्तीय वर्ष से बिहार को प्लांट से उत्पादित बिजली का 85 प्रतिशत उपलब्ध कराया जाएगा।

अपने जन्मभूमि पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर

बेगूसराय, (हि.स.)। अपनी कलम से राष्ट्रीयता से लेकर श्रृंगार रस तक का भाव जगाने वाले राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115 वीं जयंती पर आज कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें श्रद्धा पूर्वक याद कर रहा है। इस मौके पर राष्ट्रकवि के जन्मभूमि बेगूसराय में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रम की शुरूआत दिनकर कला भवन परिसर में स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद स्वर्ण जयंती पुस्तकालय परिसर में माल्यार्पण किया गया। मौके पर डीएम रोशन कुशवाहा, एसपी योगेन्द्र कुमार एवं महापौर पिंकी देवी सहित प्रशासनिक अधिकारी, साहित्यकार और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर डीएम रोशन कुशवाहा ने कहा कि हमारे जिला बेगूसराय के सिमरिया में पैदा हुए राष्ट्रकवि दिनकर हिंदी साहित्य के आधार स्तंभ हैं। दिनकर की प्रासंगिकता आज के समय में भी महत्वपूर्ण है। उनकी रचनाएं आजादी के समय और आजादी के बाद देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती रही है। हम सब उनके कृतज्ञ हैं, उन्होंने जो साहित्य दिया, उससे प्रेरणा लेते रहें, रचनाओं को अमर रखें। एसपी योगेन्द्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं ने आजादी से पहले देश के युवाओं में जोश भरा। आजादी के संघर्ष में उनकी कविताओं से उपजी ऊर्जा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी कविताएं और रचनाएं आज भी प्रासंगिक हैं। युवाओं को पढ़नी चाहिए, प्रेरित होनी चाहिए। दिनकर की रचनाएं इसी प्रकार भविष्य में भी उत्साहित करती रहेगी। दूसरी ओर सुबह से ही एक ओर सोशल मीडिया पर राष्ट्रकवि को याद किया जा रहा है। अहले सुबह से ही हजारों लोग राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी रचनाओं, कविताओं के माध्यम से उन्हें याद कर नमन कर रहे हैं। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालय सहित अन्य संघ-संगठनों द्वारा भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

बेगूसराय में शिवलिंग तोड़े जाने पर बवाल, एनएच जाम, स्थिति तनावपूर्ण

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के बेगूसराय में शिवलिंग तोड़े जाने के बाद बवाल हो गया है। घटना लाखो सहायक थाना क्षेत्र के खातोपुर चौक के समीप की है। शिवलिंग तोड़े जाने से आक्रोशित लोगों ने आरोपित के दुकान में तोड़फोड़ किया तथा उसके गिरफ्तारी की मांग को लेकर एनएच-31 फोरलेन को जामकर यातायात ठप कर दिया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है खातोपुर चौक के समीप 1944 से ही मंदिर में शिवलिंग स्थापित है। शिव मंदिर के आसपास मुस्लिम समुदाय की बड़ी आबादी है तथा बगल में ही मुर्गा एवं मीट आदि की दुकान है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मुस्लिम समुदाय के लोग मंदिर में बैठकर दारू पीते हैं। मुर्गा और मांस का अवशेष मंदिर परिसर में फेंक कर बराबर अपवित्र करते रहते हैं। जिसका कई बार विरोध किया गया लेकिन कोई कुछ सुनने को तैयार नहीं है। लोगों का आरोप है कि रात भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मंदिर में बैठकर दारू पिया और शिवलिंग को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। विरोध करने पर गाली गलौज की गई। आरोपी को चिन्हित कर लिया गया है। इसके बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। समाचार भेजे जाने तक एनएच को जाम कर लोग आरोपित की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं, स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। आसपास की सभी दुकानें बंद है। लोगों का कहना है कि आरोपित की गिरफ्तारी तक यातायात ठप रहेगा। पुलिस मौके पर पहुंच कर लोगों को समझने का प्रयास कर रही है लेकिन आम लोगों का आक्रोश शांत नहीं हो रहा है। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि रात करीब 11:05 बजे सूचना मिली की मंदिर के शिवलिंग का एक भाग टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही लाखो थानाध्यक्ष सशस्त्र बल के साथ दस मिनट के अंदर शिव मंदिर पहुंची और सूचना का सत्यापन किया। शिवलिंग को यथावत करने का प्रयास किया जा रहा है। आस-पास के सीसीटीवी की जांच पड़ताल की जा रही है। विधि-व्यवस्था के दृष्टिकोण से आवश्यक अग्रिम कार्रवाई, एफआईआर एवं अनुसंधान किया जा रहा है।

संपादकीय

कांग्रेस का श्वेतपत्र

उधार के चम्मच से जो उठाई मिठाई, चाशनी फिसल कर मुंह को चस्पां कर गई। उधार के तीरों से खेलती सियासत ने सरकारी खजाने को कितना घायल किया है, इसका मुआयना कांग्रेस सरकार कर रही है। करीब ढाई दशकों के बाद किसी सरकार ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर श्वेतपत्र लाने की जहमत उठाई, तो मालूम हुआ कि घाटे की परिस्थितियों में भी उधार की फिजूलखर्ची में बड़ा काम हुआ है। जाहिर है कांग्रेस का श्वेतपत्र अपनी वित्तीय मजबूरियों में पिछली जयराम सरकार की खामियों को विधानसभा पटल पर ले आया है। आते ही खाली खजाने की हालत पर सुक्खू सरकार ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में जिस समिति का गठन किया था, उससे 48 पन्नों के श्वेतपत्र में पूर्ववर्ती जयराम सरकार की वित्तीय अनियमितताओं को समेट दिया है। अभी तक ऋण उठाने, फिजूल खर्ची का दरबार सजाने और भुगतान का दायित्व छोड़ जाने के आंकड़ों में जयराम सरकार से कांग्रेस का श्वेतपत्र पूछ रहा है। आगे चलकर यह भी बताना होगा कि वित्तीय व्यवस्था के वर्तमान दलदल से मौजूदा सरकार कैसे बाहर निकलेगी। बहरहाल श्वेतपत्र के दस्तावेज बता रहे हैं कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की देनदारियों की नसीहत में वर्तमान कांग्रेस सरकार को कुल 92774 करोड़ चुकाने हैं, जबकि इसमें भी 76603 करोड़ का ऋण एकत्रित हो चुका है। पिछली सरकार ने सत्ता के अंतिम वर्ष 16621 करोड़ के ऋण से लुभावनी पूडियां तली हैं, तो इसका हर्जाना कौन चुकाएगा। हैरानी यह है कि इस ऋण से वे तमाम मांगपत्र रंगे हैं, जो कर्मचारियों की उम्मीदों को यह एहसास कराते हैं कि कल हो न हो, सत्ता अपने मिशन रिपीट की सीढियों के लिए सरकारी खजाने में झाड़ू लगाएगी। मुकेश अग्निहोत्री की समिति की जांच में आई पूर्व सरकार के डबल इंजन पर भी आरोप हैं। योजना आयोग के भंग होने से हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य को तीन हजार करोड़ की चपत तथा राजस्व घाटा के अनुदान को लगातार कम कर देने से, वित्त आयोग की ओर से पहाड़ी राज्य के प्रति उदासीनता बढ़ी है। रेवेन्यु डिफिसिट ग्रांट 11431 करोड़ से घट कर मात्र 3257 करोड़ रह गई है। श्वेतपत्र जीएसटी मुआवजे की समाप्ति से आई शून्यता पर भी अंगुली उठा रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री केंद्र की घोषणाओं को थोथा करार देकर पूछते हैं कि मंडी एयरपोर्ट के एक हजार करोड़, कांगड़ा हवाई अड्डे के 400 करोड़ और ज्वालामुखी मंदिर विकास के बीस करोड़ आखिर आए क्यों नहीं। सुक्खू सरकार के टेढ़े प्रश्नों की आंच में पूर्व सरकार की इन्वेस्टर मीट, जनमंच आयोजन तथा अमृत महोत्सव समारोहों के आयोजन पर खर्च हुए 67 करोड़ आ गए हैं। सत्ता के अंतिम वर्ष की सियासी खुशहाली के लिए खुशफहमी का आलम कमोबेश हर सरकार से फिजूलखर्ची कराता है, लेकिन यहां डिनोटिफाई हुए संस्थानों के साथ कुल नौ सो नए संस्थानों एवं दफ्तरों के खुलने पर आई आपत्तियां, अब जोर शोर से वकालत कर रही हैं। जाहिर है ऐसे तीखे मोड़ पर सदन की भेंट भाजपा का दिन चढ़ गया और विपक्ष ने बाहिष्कार की फिरौती में सरकार के श्वेतपत्र को अनसुना कर दिया। आर्थिक विपन्नता तथा वित्तीय विवशता से जूझ रहे हिमाचल में सियासी तौर पर फिजूलखर्ची के चिट्ठे हर दौर में रहे हैं। अगर आज तेरह बोर्ड निगम, निकम्मे होकर भी सरकारी तिजोरी से माल चुरा रहे हैं, तो यह वर्षों का पाप है। भाजपा हो या कांग्रेस, सत्ता में आते ही घी शक्कर परोसते-परोसते, उधार के चश्मे से प्रदेश चलाती रही हैं। अनावश्यक कार्यालय, स्कूल, कालेज और चिकित्सा संस्थान ही नहीं, सरकारी कर्मचारियों की संख्या में भी आबादी के अनुपात में राष्ट्रीय आंकड़ों से कहीं अधिक नियुक्तियां हिमाचल में होती हैं। अब तो सत्ता के लाभकारी पदों पर शान से नियुक्तियां करके कोई भी सरकार सियासत को अधिकतम प्रश्रय देने लगी है। बेहतर होगा हिमाचल में सरकार का आकार व व्यय घटाने के उपायों के साथ-साथ फिजूलखर्ची रोकने के समाधान भी सामने लाए जाएं। निस्संदेह श्वेतपत्र से प्रदेश के आर्थिक हालात पर टिप्पणी हुई है। अब इससे बाहर निकलने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति व कठोर कदमों की जरूरत है। केंद्र सरकार भी सियासी मुखौटा पहनकर पहाड़ के दर्द को अनदेखा नहीं कर सकती, लेकिन यह होने लगा है।

कांग्रेस का श्वेतपत्र अपनी वित्तीय मजबूरियों में पिछली जयराम सरकार की खामियों को विधानसभा पटल पर ले आया है। आते ही खाली खजाने की हालत पर सुक्खू सरकार ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में जिस समिति का गठन किया था, उससे 48 पन्नों के श्वेतपत्र में पूर्ववर्ती जयराम सरकार की वित्तीय अनियमितताओं को समेट दिया है। अभी तक ऋण उठाने, फिजूल खर्ची का दरबार सजाने और भुगतान का दायित्व छोड़ जाने के आंकड़ों में जयराम सरकार से कांग्रेस का श्वेतपत्र पूछ रहा है। आगे चलकर यह भी बताना होगा कि वित्तीय व्यवस्था के वर्तमान दलदल से मौजूदा सरकार कैसे बाहर निकलेगी। बहरहाल श्वेतपत्र के दस्तावेज बता रहे हैं कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की देनदारियों की नसीहत में वर्तमान कांग्रेस सरकार को कुल 92774 करोड़ चुकाने हैं, जबकि इसमें भी 76603 करोड़ का ऋण एकत्रित हो चुका है। पिछली सरकार ने सत्ता के अंतिम वर्ष 16621 करोड़ के ऋण से लुभावनी पूडियां तली हैं, तो इसका हर्जाना कौन चुकाएगा। हैरानी यह है कि इस ऋण से वे तमाम मांगपत्र रंगे हैं, जो कर्मचारियों की उम्मीदों को यह एहसास कराते हैं कि कल हो न हो, सत्ता अपने मिशन रिपीट की सीढियों के लिए सरकारी खजाने में झाड़ू लगाएगी। मुकेश अग्निहोत्री की समिति की जांच में आई पूर्व सरकार के डबल इंजन पर भी आरोप हैं। योजना आयोग के भंग होने से हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य को तीन हजार करोड़ की चपत तथा राजस्व घाटा के अनुदान को लगातार कम कर देने से, वित्त आयोग की ओर से पहाड़ी राज्य के प्रति उदासीनता बढ़ी है।

कुछ अलग

सर्वसम्मत संसद

क्या भारतीय राजनीति बदल रही है? क्या महिला आरक्षण और सशक्तिकरण सरीखे अन्य मुद्दों पर भी राजनीतिक सर्वसम्मति हो सकती है? महिला आरक्षण पर सर्वसम्मति और एकजुटता विचार के स्तर पर है अथवा वोट की मजबूरी है? महिला आरक्षण बिल के कानून बनने के बाद यह व्यवस्था अक्षरशः लागू होगी या आरक्षित वर्ग के साथ टालमटोल किया जाता रहेगा? यदि वाजपेयी सरकार के चार प्रयासों और यूपीए की मनमोहन सरकार के दौरान संसदीय अनुभवों को याद करें, तो उनकी तुलना में 'नारी शक्ति वंदन' बिल संसद के दोनों सदनों में लगभग सर्वसम्मति से पारित हुआ है। लोकसभा में 454 वोट बिल के पक्ष में और ओवैसी तथा उनकी पार्टी के एक और सांसद, यानी मात्र 2 वोट, बिल के विरोध में गए। राज्यसभा में उपस्थित सभी 215 सांसदों ने बिल का समर्थन किया। हालांकि उच्च सदन की कुल संख्या 245 सांसदों की होती है। यह राजनीतिक अभिव्यक्ति और परिपक्वता विषयगत है, लेकिन धुर विरोधियों ने भाजपा सरकार के बिल को सर्वसम्मत समर्थन दिया, यह महत्त्वपूर्ण राजनीति है। संसद के दोनों सदनों में कुछ ऊंचे स्वर भी सुनाई दिए, कुछ विरोध भी देखा गया, अपने तार्किक पक्ष भी रखे गए, लेकिन हंगामे, अभद्र टिप्पणियों, असंतोष, अराजकता, नौटंकी और मार्शल द्वारा सांसदों को सदन से बाहर करने तक की नौबत नहीं आई। कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, सपा, बसपा, जनता दल-यू आदि के सांसदों ने ओबीसी महिलाओं के लिए भी आरक्षण की मांग की। जातीय जनगणना के सवाल भी किए गए, आरक्षण के लागू होने का समय भी पूछा गया, राजनीतिक विचार पर अपने सरोकार पेश किए गए, लेकिन मत-विभाजन की बारी आई, तो बिल के समर्थन में वोट दिए। महिला सशक्तिकरण और मातृशक्ति को विकास, सत्ता, नीति-निर्धारण की मुख्यधारा से जोडने की अनिवार्यता और बाध्यता के सामने समूचे विपक्ष को अपने हथियार डालने पड़े, क्योंकि अब महिलाओं के जनादेश ही निर्णायक साबित हो रहे हैं। 2014 के बाद ज्यादातर चुनावों में महिलाओं ने, पुरुष की तुलना में, अधिक वोट दिए हैं।

कृषि पर्यटन स्थायी पर्यटन का एक उभरता हुआ रूप है जो पर्यटन अनुभवों के साथ कृषि गतिविधियों को जोड़ता है

कृषि पर्यटन की आय और रोजगार के दायरे

अमरीक सिंह ठाकुर

ग्रामीण विकास और आर्थिक विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में, कृषि पर्यटन में किसानों, उद्यमियों और स्थानीय समुदायों के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा करने की क्षमता है। इस नीति दस्तावेज का उद्देश्य कृषि पर्यटन क्षेत्र के भीतर क्षमता, दायरे, सेवाओं के प्रकार, कृषि गतिविधियों, आय क्षमता, उद्यमिता के अवसरों और रोजगार सृजन को रेखांकित करना है। आय और रोजगार के मामले में कृषि पर्यटन की वैश्विक स्थिति देशों और क्षेत्रों में भिन्न होती है। जबकि पूरी दुनिया के लिए विशिष्ट आय और रोजगार के आंकड़े प्रदान करना चुनौतीपूर्ण है।

भारत में एक समृद्ध कृषि विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराएं हैं, जो इसे कृषि पर्यटन के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाती हैं। कृषि पर्यटन पर्यटन का एक उभरता हुआ स्थायी और अभिनव रूप है जिसमें पर्यटकों को कृषि गतिविधियों का अनुभव करना और भाग लेना, ग्रामीण जीवन में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना और प्रामाणिक खेत-आधारित अनुभवों का आनंद लेना शामिल है। ग्रामीण विकास और आर्थिक विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में, कृषि पर्यटन में किसानों, उद्यमियों और स्थानीय समुदायों के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा करने की क्षमता है। इस नीति दस्तावेज का उद्देश्य कृषि पर्यटन क्षेत्र के भीतर क्षमता, दायरे, सेवाओं के प्रकार, कृषि गतिविधियों, आय क्षमता, उद्यमिता के अवसरों और रोजगार सृजन को रेखांकित करना है। आय और रोजगार के मामले में कृषि पर्यटन की वैश्विक स्थिति देशों और क्षेत्रों में भिन्न होती है। जबकि पूरी दुनिया के लिए विशिष्ट आय और रोजगार के आंकड़े प्रदान करना चुनौतीपूर्ण है। मैं आपको कुछ सामान्य अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता हूं। कृषि पर्यटन स्थायी पर्यटन का एक उभरता हुआ रूप है जो पर्यटन अनुभवों के साथ कृषि गतिविधियों को जोड़ता है। इसने दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की है क्योंकि यात्री प्रामाणिक और इमर्सिव अनुभवों की तलाश करते हैं, और किसान व ग्रामीण समुदाय वैकल्पिक आय स्रोतों की तलाश में हैं। कृषि पर्यटन की क्षमता और दायरा कृषि पर्यटन का उद्देश्य प्रामाणिक और इमर्सिव अनुभवों की तलाश करने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक और कृषि विरासत का लाभ उठाना है। कृषि पर्यटन विभिन्न प्रकार की सेवाओं जो कृषि पर्यटन प्रतिष्ठान आगंतुकों को प्रदान कर सकते हैं। इसमें खेत में रहना, निर्देशित पर्यटन, खेती के अनुभव, कृषि कार्यशालाएं, खेत से मेज पाक अनुभव और सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल हो सकती हैं। सेवाओं की श्रेणी में विविधता लाकर, कृषि पर्यटन व्यापक दर्शकों को पूरा कर सकता है और आगंतुक संतुष्टि को बढ़ा सकता है। इन गतिविधियों में फसल कटाई, पशुपालन, कृषि-वानिकी, जैविक खेती व कृषि विधियां शामिल हो सकती हैं। इन गतिविधियों में पर्यटकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने से उन्हें खेती के तरीकों और ग्रामीण जीवन की गहरी समझ मिलेगी। कृषि पर्यटन में विभिन्न उद्यमिता अवसरों को रेखांकित करेगा जो कृषि पर्यटन प्रदान कर सकते हैं।

यह किसानों और ग्रामीण समुदायों को अपने कृषि पर्यटन उद्यमों की स्थापना और प्रबंधन के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और विपणन सहायता प्रदान करके, महत्वाकांक्षी कृषि पर्यटन उद्यमी सफल और टिकाऊ व्यवसाय बना सकते हैं। कृषि पर्यटन में आय सृजन विभिन्न स्रोतों से आ सकता है, जैसे आवास शुल्क, कृषि उपज की बिक्री, खेत से टेबल अनुभव, निर्देशित पर्यटन, कार्यशालाएं और मूल्य वर्धित उत्पाद। आय क्षमता कृषि पर्यटन संचालन के पैमाने, आगंतुक मांग के स्तर, दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावी विपणन रणनीतियों जैसे कारकों पर निर्भर करती है। आवास खेत-रहने के विकल्प या ग्रामीण आवास प्रदान करना। कृषि-प्रवास विकल्प या ग्रामीण आवास प्रदान करना कृषि पर्यटन में एक आकर्षक आय स्रोत हो सकता है। किसान अपनी मौजूदा संरचनाओं को बदल सकते हैं या एक प्रामाणिक ग्रामीण अनुभव की तलाश करने वाले पर्यटकों को पूरा करने के लिए नए आवास का निर्माण कर सकते हैं। खेत पर बाहरी गतिविधियों का आयोजन रोमांच चाहने वाले पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। किसान लंबी पैदल यात्रा ट्रेल्स, मछली पकडने के तालाब, घुड़सवारी या प्रकृति की सैर जैसी गतिविधियों की पेशकश कर सकते हैं। इन मनोरंजक गतिविधियों के लिए शुल्क लेना आय उत्पन्न कर सकता है और आगंतुकों के लिए मनोरंजन का एक अतिरिक्त स्रोत प्रदान कर सकता है। कृषि गतिविधियां कृषि पर्यटन में कृषि गतिविधियां आगंतुकों को आकर्षित करने और उन्हें ग्रामीण जीवन और कृषि का अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फसल की खेती आगंतुक फसल की खेती से संबंधित गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं, जैसे कि रोपण, कटाई, निराई या छंटाई। यह उन्हें खेती की प्रक्रिया का अनुभव करने और खेत पर उगाई जाने वाली विभिन्न फसलों के बारे में जानने की अनुमति देता है। पशुधन बातचीत पशुधन के साथ खेत उन गतिविधियों की पेशकश कर सकते हैं जहां आगंतुक गायों, भेड़, बकरियों, मुर्गियों या घोड़ों जैसे जानवरों के साथ बातचीत कर सकते हैं। इसमें जानवरों को खिलाना, गायों का दूध निकालना, भेड़ों को चराना या जानवरों की देखभाल के बारे में सीखना शामिल हो सकता है। खेत के काम आगंतुक दैनिक खेत के कामों में भाग ले सकते हैं, जैसे कि जानवरों को खिलाना, अस्तबल की सफाई करना या कृषि उपकरणों को बनाए रखना। यह उन्हें कृषि कार्यों में आवश्यक कड़ी मेहनत और समर्पण का स्वाद देता है। कृषि पर्यटन ऑपरेटरों के लिए इन गतिविधियों के दौरान आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उचित मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, खेतों पर आगंतुकों के लिए एक यादगार अनुभव बनाने के लिए गतिविधियों को आकर्षकस शैक्षिक और सुखद बनाया जाना चाहिए। कृषि पर्यटन क्षेत्र में नीति निर्माताओं, उद्यमियों और हितधारकों के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है। कृषि पर्यटन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा कर सकता हैं। टूर गाइड, आतिथ्य स्टाफ और गतिविधि प्रशिक्षकों के रूप में स्थानीय प्रतिभाओं को काम पर रखना। परिवहन, खाद्य आपूर्तिकर्ताओं और कारीगरों जैसे अन्य व्यवसायों का समर्थन करना। भारत में जैविक उपज की बढ़ती मांग है। कृषि पर्यटन जैविक खेती प्रथाओं को बढ़ावा दे सकता है और आगंतुकों को जैविक खेती तकनीकों के बारे में जानने, कृषि गतिविधियों में भाग लेने और जैविक उत्पादों को खरीदने का अवसर प्रदान कर सकता है। भारत की सांस्कृतिक विविधता कृषि पर्यटन में सांस्कृतिक विसर्जन के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करती है। आगंतुक पारंपरिक समारोहों, त्योहारों या हस्तशिल्प कार्यशालाओं में भाग ले सकते हैं जिससे उन्हें स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं के बारे में जानने की अनुमति मिलती है।

सनातन, एशिया और भारत

पृथ्वी के जिस भाग को आज हम एशिया कहते हैं, वह नाम ज्यादा पुराना नहीं है। भारतीयों के अतीत के इतिहास की प्रामाणिकता सिद्ध करने वाले वाल्मीकि रामायण और महाभारत में उल्लेखित है कि स्वयंभू मनु के पुत्र प्रियव्रत ने समग्र पृथ्वी को सात भागों में विभाजित कर दिया था, जिसे जम्बूद्वीप नाम दिया। इन सात भू-खंडों को जम्बूद्वीप, प्लावश, पुश्कर, व्रोंच, शक, शाल्मली तथा वुश नाम दिए। जम्बूद्वीप अन्य द्वीप के वेंद्रर में था और बड़ा भी था, इसलिए इस समूचे भू-भाग को जम्बूद्वीप कहा जाने लगा। वर्तमान में यही एशिया है। एशिया नाम इस भू-खंड को यूनानी नाविकों ने दिया। ग्रीक धातु असु का अर्थ होता है सूर्योदय। इन यूनानियों ने जम्बूद्वीप अर्थात बृहत्तर भारत वर्ष को पूर्व अर्थात सूर्योदय होने वाली दिशा में पाया और एशिया कहकर पुकारने लगे। संपूर्ण एशिया अनेक दृष्टियों से अपने में एक इकाई है। इसके प्राय: सभी देशों के आचार-विचार, रहन-सहन, पूजा-पद्धतियां और धर्म में बहुत वुछ समानता है। धर्म इस युग में आचरण का पर्याय था।

धर्म श्रद्धा से धारण किया जाता है और उपासना भत्तिभाव से पालन की जाने वाली विराया है। अर्थात सोच, भाषा, तर्व, श्रद्धा, एवं भत्ति के द्वारा राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक के व्यत्तित्व को निखारने की स्वतंत्रता संविधान हमें देता है। साथ ही संविधान ने यह भी माना है कि व्यत्ति की गरिमा इसी में है कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने वाली बंधुता को बढ़ाने के लिए वह दृढ़ संकल्पित रहे। पृथ्वी के जिस भाग को आज हम एशिया कहते हैं, वह नाम ज्यादा पुराना नहीं है। भारतीयों के अतीत के इतिहास की प्रामाणिकता सिद्ध करने वाले वाल्मीकि रामायण और महाभारत में उल्लेखित है कि स्वयंभू मनु के पुत्र प्रियव्रत ने समग्र पृथ्वी को सात भागों में विभाजित कर दिया था, जिसे जम्बूद्वीप नाम दिया। इन सात भू-खंडों को जम्बूद्वीप, प्लावश, पुश्कर, व्रोंच, शक, शाल्मली तथा वुश नाम दिए। जम्बूद्वीप अन्य द्वीप के वेंद्रर में था और बड़ा भी था, इसलिए इस समूचे भू-भाग को जम्बूद्वीप कहा जाने लगा। वर्तमान में यही एशिया है। एशिया नाम इस भू-खंड को यूनानी नाविकों ने दिया। ग्रीक धातु असु का अर्थ होता है सूर्योदय। इन यूनानियों ने जम्बूद्वीप अर्थात बृहत्तर भारत वर्ष को पूर्व अर्थात सूर्योदय होने वाली दिशा में पाया और एशिया कहकर पुकारने लगे। संपूर्ण एशिया अनेक दृष्टियों से अपने में एक इकाई है। इसके प्रायः सभी देशों के आचार-विचार, रहन-सहन, पूजा-पद्धतियां और धर्म में बहुत वुछ समानता है। धर्म इस युग में आचरण का पर्यांय था। इसका आदि रत्रोत भारत और यहां से गए वे लोग हैं, जो जम्बूद्वीप में जाकर बस गए थे। यही मूल भारतीय आर्यं थे, जो न केवल एशिया बल्कि यूरोप भी पहुंचे थे। उस कालखंड में यूरोप को हरिदेश कहा जाता था। इन्हीं लोगों ने यहां भारतीय सयता और संस्वृति के मूल्य स्थापित किए। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि एक समय भारत की जनसंख्या बहुत अधिक बढ़ गईं थी, इसलिए जो मूल भारतीय आर्यं पालायन कर यहां पहुंचे थे, उन्होंने उपनिवेश स्थापित कर अपनी सत्ता भी स्थापित की। यहां बसने वाली सभी संतानें मनु-शतरूपा और त्रषि कश्यप और उनकी दो पत्नियों दिति एवं अदिति की थीं। इनमें अदिति की कोख से उत्पन्न संतानें देव कहलाईं, जबकि दिति से पैदा संतानें असुर कहलाईं। कितु समय परिवर्तन और जलवायु की भिन्नता के चलते इन दूरांचलों में बसने वाले लोगों के वर्णो तथा शरीरजन्य कद-कांठी में बदलाव आते गए। यातायात की कमियों के चलते इन लोगों का भारत आना कम हो गया। अंततः भारत के ये मूल निवासी उसी परिवेश की जलवायु में ढलते चले गए। रहन-सहन और वाणी में परिवर्तन आ जाने से ये प्रवासी भारतीय विदेषी माने जाने लगे। मनु के अनुसार विराया लोप हो जाने से ही पौण्ड्र, औण्ड्र, द्रविड, कम्बोज, यवन, शक, वल्लभ, किरात, दरद, खस आदि जातियां बन गईं। इन्हीं में से जो ज्यादा पथ-भ्रष्ट हो गए, उन्हें म्लेच्छ कहा जाने लगा। कितु इतिहास साक्षी है कि तत्पश्चात भी इन देषों से हमारा कौटुम्बिक और सांस्वृतिक संबंध बहुत लंबे समय तक बने रहे। इसीलिए वर्तमान में हम देख रहे हैं, जहां भी पुरातात्विक उत्खनन होते हैं, वहां हिदू, संस्वृति और सयता के चिन्हों के साथ हिदू देवी-देवताओं के मंदिरों के अवषेश भी मिल जाते हैं। अतएव हम कह सकते हैं कि जिन देशों के आज जो वर्तमान नाम हैं, उन्हीं के प्राचीन नाम संस्वृतनिष्ठ हैं। जैसे बर्मा-ब्रrदेश, थाईंलैंड-श्यामदेश, इंडोचाइना- चंपा, कम्बोडिया-वंबुज (यह वही देश है, जहां दुनिया का सबसे बड़ा हिदू मंदिर अंगोरवाट है।) मलायामल य, इंडोनेशिया-द्वीपों का भारत, जावा-यवद्वीप, सुमात्रा-सुवर्णद्वीप, बरेनिया-वरुणद्वीप, बाली-बाली, अफगानिस्तान-गांधार, ईंरान- आर्यांना, ईंराक-सूमेरू, टकाकपादेष, अरब-और्ब और सीलोनश्रीलंका हैं। दुनिया में जहां भी सनातन संस्वृति सयता और आर्यो के इतिहास के प्रमाण व जनश्रुतियां विद्मान थीं, उन्हें वेदव्यास ने एकत्रित करके एक विस्तृत कथा का रूप देकर 'माहाभारत' जैसा बड़ा और महान ग्रंथ रच दिया। वेद व्यास ने ही त्रग्वेद की त्रचाओं और मंत्रों को संकलित ग्रंथ में पिरोने का काम किया था। इन दोनों ग्रंथों का ही प्रदेय है कि भारतीय संस्वृति और इतिहास उपजीव्यों के रूप में बारम्बार दुनिया की विभिन्न भाषाओं में लिखे जाते रहे, परिणामतः मूल भारतीय आर्यो की गौरव गाथा अक्षुण्ण बनी रही। इस सिलसिले में रविन्द्रनाथ ठावुर ने अपने लेख 'भारतवर्ष में इतिहास की धारा' में लिखा है कि 'वेद व्यास ने आर्यं-समाज में बिखरी हुईं जनश्रुतियों को एक किया। केवल जनश्रुति ही नहीं आर्यं-समाज में प्रचलित समस्त विश्वास, तर्ववित क और नैतिक मूल्यों को एकत्रित करके जातीय समग्रता की एक विराट मरूति को स्थापित किया। इसी को उन्होंने नाम दिया 'महाभारत'। इस नाम में ही तत्कालीन आर्यं जाति की ऐक्य- उपलब्धि का प्रयास विशेष रूप से प्रकाशित है। आधुनिक पाश्चात्य संज्ञा के अनुसार 'महाभारत' को हम इतिहास न कहें। यह किसी व्यत्ति विशेष द्वारा रचित इतिहास नहीं है, बल्कि यह एक जाति का स्वरचित, स्वाभाविक इति-वृत्तांत है। यदि कोईं बुद्धिमान व्यत्ति इन सब जनश्रुतियों को आग में गलाकर, उन्हें संशलिष्ट करके उनमें एक तथ्यमूलक इतिहास की रचना करता तो आर्यं-समाज के इतिहास का सत्य स्वरूप हम देख ही नहीं पाते। उस समय आर्यं-जाति का इतिहास आर्यो के स्मृति-पटल पर जिन रेखाओं से अंकित था, उनमें से वुछ स्पष्ट थीं, वुछ लुप्त, वुछ सुसंगत थीं, तो वुछ परस्पर विरोधी। महाभारत में इन सभी की प्रतिलिपियां एकत्रित और सुरक्षित हैं। लेकिन महाभारत में केवल जनश्रुतियों का ही बिना सोचे-समझे संकलन किया गया हो, ऐसी बात नहीं है। 'अतिशी कांच' के एक ओर व्याप्त सूर्यंलोक होता है और दूसरी ओर वेंद्रित किरणें। इसी तरह महाभारत की एक ओर व्यापक जनश्रुति राशि है और दूसरी ओर उन सबकी ध्रुवीवृत ज्योति। यह ज्योति है 'भगवद्गीता।' ज्ञान, कर्म और भत्ति का इसमें जो योग है, वही भारतीय इतिहास का चरम तत्व है।' तय है, इसी हिदू, संस्वृति और सयता की परिणति में भारतीय राष्ट्र का रूप-वैचित्र्य और रसगांभी यं मिला, जो आज भी विद्मान हैं।

देश दुनीया से

भीख मांगते पाकिस्तान की अवाम बेहाल

जी-20 के सफलतापूर्वक हुए आयोजन से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में इजाफा हुआ है, वहीं पड़ौसी मुल्क पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। पाकिस्तान लगातार रसातल की तरफ जा रहा है। पाकिस्तान की हालत नारकीय हो गई है। पाकिस्तान में पेट्रोल 320 रुपए से ऊपर है। आटे का भाव 150 रुपए तक पहुंच गया है। बिजली के बिल ने आम अवाम की कमर तोड़ कर रख दी है। डॉलर की कीमत 300 पाकिस्तानी रुपए से ऊपर पहुंच गई है। पाकिस्तान में महंगाई 28 फीसदी से ज्यादा पहुंच चुकी है। लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान दूसरे देशों से भीख मांग रहा है। कंगाल पाकिस्तान की आवाम सडक़ पर है। डॉलर की कालाबाजारी हो रही है। आम घरेलू उपभोक्ता को प्रति यूनिट 100 रुपए से भी ऊपर बिजली का बिल चुकाना पड़ रहा है। बिजली का बिल नहीं चुकाए जाने की स्थिति में लोग आत्महत्या कर रहे हैं। बिजली बिल में यह बढ़ोतरी आईएमएफ की कर्जे के बदले कठोर शर्तों के कारण हुई है, जिसे पाक सरकार मानने को मजबूर है। दरअसल आईएमएफ ने कर्ज के साथ उसकी अदायगी के लिए यह शर्त रखी थी जिसमें अब समूचा पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला रहा है। पाकिस्तान की एयरलाइंस के दिवालिया होने की वजह से इंटरनेशनल बेइज्जती हो रही है। कुछ दिन पहले सउदी अरब और यूएई में ईंधन के पैसे नहीं चुकाने की वजह से विमानों को रोक लिया गया था। इसके बाद एयरलाइंस अधिकारियों के लिखित आश्वासन के बाद ही विमानों को उड़ान भरने की उम्मीद मिली है। बेरोजगारी का आलम यह है कि फैक्ट्रियां, उत्पाद और व्यवसाय लगभग चौपट हो चुके हैं। विदेशी निवेश शून्य हो चुका है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण पाकिस्तान अपराध की गिरफ्त में आता जा रहा है। बेरोजगारी का आलम यह है कि लाखों युवाओं ने देश छोडऩे के लिए आवेदन कर रखा है, किन्तु पाकिस्तान की सरकार उन्हें मंजूरी नहीं दे रही है। फाकाकशी के कारण भिखारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात बन गए हैं। सेना ने पाक सत्ता में हस्तक्षेप शुरू कर दिया है। सेना ने डॉलर की कालाबाजारी रोकने के लिए कई स्थानों पर कार्रवाई की। इससे डॉलर का रेट कुछ रुपए नीचे आ गया। पाकिस्तान में आई गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसके पासपोर्ट की साख नीचे से चौथे नम्बर पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में सरेआम विद्रोह के स्वर गूंज रहे है। बलूचिस्तान के निवासी कारगिल का रास्ता खोले जाने की मांग कर रहे हैं ताकि भारत से व्यापारिक लेन-देन शुरू हो सके। इसके अलावा बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर बलूचिस्तान के लाखों लोगों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। पाक सेना को हालात को नियंत्रण करने के लिए भेजा गया है। कुछ ऐसी ही हालत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की है। पाकिस्तान की भयावह होती स्थिति का सच पाक मीडिया भी नहीं दिखा रहा है। मीडिया पर पाक सरकार का अंकुश है। सोशल मीडिया पर दबे-छिपे तरीके से पाकिस्तान के हालात उजागर हो रहे हैं। मौजूदा हालत में पाक नागरिक यह कहने लगे हैं कि उन्होंने पाकिस्तान में शामिल होकर कौनसा अपराध कर दिया। पाक सरकार के खिलाफ लोगों को अब किसी तरह की कानूनी कार्रवाई का डर नहीं है। लोग खुलकर अपने आक्रोश का इजहार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की साख इतनी बदतर हो चुकी है कि संयुक्त अरब अमीरात के प्रिंस ने जी-20 में शिरकत के लिए पाकिस्तान में 6 घंटे रुकने की घोषणा की थी, किन्तु वे भी इससे पलट गए। इस्लामिक देशों के बूते भारत को धमकाने वाले पाकिस्तान से सभी देशों ने मुंह मोड़ लिया है।

बिजली के बिल ने आम अवाम की कमर तोड़ कर रख दी है। डॉलर की कीमत 300 पाकिस्तानी रुपए से ऊपर पहुंच गई है। पाकिस्तान में महंगाई 28 फीसदी से ज्यादा पहुंच चुकी है। लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान दूसरे देशों से भीख मांग रहा है। कंगाल पाकिस्तान की आवाम सडक़ पर है। डॉलर की कालाबाजारी हो रही है। आम घरेलू उपभोक्ता को प्रति यूनिट 100 रुपए से भी ऊपर बिजली का बिल चुकाना पड़ रहा है। बिजली का बिल नहीं चुकाए जाने की स्थिति में लोग आत्महत्या कर रहे हैं। बिजली बिल में यह बढ़ोतरी आईएमएफ की कर्जे के बदले कठोर शर्तों के कारण हुई है, जिसे पाक सरकार मानने को मजबूर है। दरअसल आईएमएफ ने कर्ज के साथ उसकी अदायगी के लिए यह शर्त रखी थी जिसमें अब समूचा पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला रहा है।

दृष्टिकोण

छिलकों की छाबड़ी : जब विदेश में जाए...गाय

कई बरसों से कहा जा रहा है कि पूरा विश्व हमारी तरफ देख रहा है। हम विश्वगुरु हो गए हैं। दुनिया भर में हमारी योजनाओं के करोड़ों विद्यार्थी हैं। इंसानों को छोड़िए, जानवरों से हमारा प्यार बढ़ता जा रहा है। यह गर्व की बात है कि पूरी दुनिया में सिर्फ हमारा ही देश है जहां गाय को, गाय माता कहा जाता है। उनकी खूब सेवा करने की बात होती है। वह बात दीगर है कि वे शहर गांवों, कस्बों की राहों, गलियों में रंभाती घूमती रहती हैं। उनके मालिक दूध निकाल कर, उन्हें सडक़ के हवाले कर देते हैं। उन्हें कचरा, पालीथिन खाने और घूटने के लिए छोड़ देते हैं। उनके कानों में लगे टैग बताते हैं कि उन्हें कजऱ् लेकर खरीदा गया है और उनका बीमा भी हुआ है। ....माफ करें, बात कहीं से कहीं जा रही है। कई क्षेत्रों में गायों की खूब सेवा भी की जाती है। उन्हें सुगम संगीत सुनवाया जाता है। वह बात अलग है कि संगीत सिर्फ इसलिए सुनवाया जाता है ताकि वह दोगुना दूध दें। लेकिन जिनकी वजह से गाय के बछड़े या बछड़ी होती हैं, उन्हें पिता तो क्या कहना, सम्मान से भी नहीं देखा और रखा जाता। बताते हैं कि प्राकृतिक जन्म संस्कृति को धत्ता बताते हुए अब ऐसी तकनीक विकसित कर ली गई है कि बढिय़ा दुधारू गाय से सिर्फ बच्छियां ही पैदा हों। यह बात ज़्यादा अलग नहीं कि समझदार इंसान, इंसानी बच्ची के भ्रूण को आज भी गर्भ में खत्म करने को तैयार हैं। वहां भी इंसान 'सामाजिक पशु' चाहता है। हालांकि भैंसें भी हमारे देश में ही बहुत दूध देती हैं लेकिन उन्हें मासी भी नहीं कहा जाता। गाय माता का हाल भी सब जानते हैं। कितने झगड़े तकरार हुए, लोग मारे और मरवाए, सुरक्षा परेशान रही और राजनीति मनपसंद नृत्य करती रही। फिर भी गाय परेशान है और बातों के कानून बराबर बनाए जा रहे हैं। अब बात को सीधे उड़ाकर कई समंदर पार ले चलते हैं, आस्ट्रेलिया। वहां गायों के माध्यम से मानसिक तौर पर बीमार लोगों का इलाज किया जा रहा है। हमारे यहां उन्हें मानसिक रूप से सताया जाता रहा है। वहां 'काऊ कडलिंग सेंटर' बनाए जा रहे हैं। हम तो उनकी ठीक से सेवा नहीं कर पाते, उनका बीमा तो क्या अपना भी नहीं करवाते। वहां गाय को एक चिकित्सक के रूप में लिया जा रहा है। कुछ बीमारियां अवसाद ऐसे होते हैं जिनमें एक इंसान का सानिध्य और व्यवहार दूसरे इंसान को ठीक नहीं कर पाता, वहां जानवर का निस्वार्थ साथ और नैसर्गिक प्रतिबद्धता स्वस्थ कर देती है। संभवतः गाय वहां ऐसा कर पा रही है क्योंकि वहां यह कार्य पेशेवर तरीके से किया जा रहा है, धार्मिक शैली में नहीं। ऐसी गाय चिकित्सा पद्धति, यहां भी लाने की ज़रूरत है क्योंकि यहां विकसित इंसानी पद्धति के अंतर्गत इंसान की सोहबत में इंसान बिगड़ रहे हैं। सद्भाव और प्रेम बढ़ाऊ आयोजनों में तलवारें भेंट की जा रही हैं। राजनीति ने प्रकृति का विवाह ज़बरदस्ती कुबुद्धिजीवी विकास के साथ कर दिया है। घर में प्लास्टिक के फूल पौधे सजाए जा रहे हैं।

कनाडा में भारतीयों का 3 लाख करोड़ का योगदान: हर साल 2 लाख छात्र वहां पढ़ने जाते; चुनाव से पहले ट्रूडो की रेटिंग भी घट रही

ओटावा।
भारत की डिप्लोमैटिक स्ट्राइक के बाद कनाडा की ट्रूडो सरकार और वहां के आर्थिक विशेषज्ञ चिंता में हैं। इसका बड़ा कारण कनाडा में रहने वाले 20 लाख भारतीयों का इकोनॉमी के हर सेक्टर में दबदबा है। भारतवंशी यहां की अर्थव्यवस्था में हर साल लगभग 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का योगदान देते हैं। हर साल भारत से करीब 2 लाख छात्र कनाडा जाते हैं। इनकी फीस के तौर पर लगभग 75 हजार करोड़ रुपए कनाडा को मिलते हैं। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों में सबसे ज्यादा संख्या भारतीयों की है। ये कनाडा की इकोनॉमी में फुटकर काम, हॉस्पिटैलिटी और रिटेल सेक्टर में काम करते हैं।

चीन के प्रोफेशनल्स की जगह भारतीयों को तरजीह देता कनाडा - कनाडा ने हाल में अमेरिका के वीजा धारक भारतीयों को ओपन वर्क परमिट जारी किया था। कनाडा का ड्रीम प्रोजेक्ट टोरंटो-वाटरलू आईटी कॉरिडोर को अमेरिका की सिलिकॉन वैली की तर्ज पर विकसित करना है। ये भारतीयों के दम पर ही है। ओपन वर्क परमिट पर काम इसी साल शुरू होगा। कनाडा ने चीन के प्रोफेशनल्स की जगह भारतीयों को इसमें तरजीह दी थी। भारतीय रवैए से कनाडा के पीएम ट्रूडो सख्त बयान देने से बच रहे हैं। सर्वे में ट्रूडो को 31 प्रतिशत, जबकि प्रतिद्वंद्वी पियरे को 40 प्रतिशत रेटिंग मिली। खालिस्तान नेता जगमीत की रेटिंग 22 प्रतिशत रह गई है। कनाडा में 2025 में चुनाव हैं। उधर, कनाडा ने दावा किया है कि निज्जर मामले में आरोप से पहले खुफिया एजेंसियों ने भारतीय अफसरों की निगरानी की थी।

हिंदुओं को धमकी वाले वीडियो पर कनाडा जागा - हिंदुओं के खिलाफ हेट स्पीच वाले वीडियो पर कनाडा सरकार ने सख्ती दिखाई है। कनाडा के नागरिक सुरक्षा मंत्रालय ने कहा है कि हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वालों और धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले बयान देने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों के साथ आए कुकी अलगाववादी संगठन कुकी अलगाववादी संगठनों ने कनाडा में सक्रिय खालिस्तान समर्थकों के साथ हाथ मिला लिया है। चिन-कुकी अलगाववादी संगठन नॉर्थ अमेरिकन मणिपुर ट्राइबल एसोसिएशन (नम्ता) के अध्यक्ष लियेन्लल्थांग गंगते ने कनाडा के सरे शहर में खालिस्तान समर्थकों की एक सभा में हिस्सा लिया। गंगते ने सभा में मणिपुर के पर्वतीय क्षेत्रों को मिलाकर जालेन-गम अलग बनाने का पृथकतावादी मुद्दा उठाया। कनाडा में प्रवासियों में सबसे ज्यादा भारतीय प्रॉपर्टी में निवेश करते हैं। चीन दूसरे नंबर पर है। भारतीय हर साल वैंकूवर, ग्रेटर टोरंटो, ब्रैम्पटन, मिसिसागा और ब्रिटिश कोलंबिया, ओंटारियो में लगभग 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- कनाडाई पीएम ट्रूडो के आरोपों से चिंतित अमेरिका, जांच बेहद जरूरी

वाशिंगटन। भारत-कनाडा के बीच इन दिनों विवाद जारी है। दोनों देशों के विवाद के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी मामले में टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के कारण अमेरिका काफी चिंतित है। मामले में जांच बेहद आवश्यक है। बता दें, हाल ही ट्रूडो ने भारत पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने के आरोप लगाए थे। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों के कारण चितिंत हैं। हम मामले में कनाडाई सहयोगियों से बातचीत कर रहे हैं। सिर्फ बातचीत ही नहीं बल्कि करीब से मामले पर नजर भी बनाए हुए हैं, समन्वय कर रहे हैं। मामले में कनाडाई जांच एक निष्कर्ष पर पहुंचे, यह बेहद जरूरी है। वहीं, भारत-कनाडा राजनयिक विवाद पर व्हाइट हाउस ने कहा है कि पीएम ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर अमेरिका भारत के साथ संपर्क में है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव करीन जीन-पियरे ने कहा कि अमेरिका कनाडाई सरकार के साथ भी नियमित संपर्क में है। व्हाइट हाउस में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, हमने भारत सरकार से बातचीत की है। हम इस मुद्दे को अपनी निजी राजनयिक बातचीत में शामिल नहीं करेंगे। लेकिन, भारत सरकार में हमारे सहयोगियों के साथ बातचीत हुई है। उन्होंने आगे कहा, जाहिर तौर पर हम इस मुद्दे को लेकर गहराई से चिंतित हैं। इसलिए, हम कनाडाई सरकार और कनाडाई भागीदारों के साथ नियमित संपर्क में हैं। अमेरिकी अखबार ने व्हाइट हाउस के हवाले से हाल में ही लिखा था कि कनाडाई पीएम के आरोपों से सप्ताह भर पहले भी कनाडाई अधिकारियों ने फाइव आई अलायंस से निज्जर की हत्या के मामले में साझा सार्वजनिक अलोचना की मांग की थी, लेकिन ट्रूडो की इस मांग को सभी देशों ने खारिज कर दिया था। कनाडा के सरकारी प्रसारक (सीबीसी) ने लिखा कि फाइव आई सहयोगियों ने कनाडा-भारत विवाद में शामिल होने में बहुत कम रुचि दिखाई। मौजूदा मुद्दे पर कनाडा के सत्ताधारी गठबंधन में भी दरारें हैं। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के नेता भारत से संबंध बनाए रखने के पक्ष में हैं। ट्रूडो के आपात प्रतिक्रिया मंत्री हरजीत सज्जन कहते हैं, कनाडा को भारत से रिश्ते तल्ख बनाने की जरूरत नहीं। देश की प्रथम हिंदू कैबिनेट मंत्री अनीता आनंद भी विवेक से काम लेने के पक्ष में हैं। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को आरोप लगाए थे कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार का हाथ हो सकता है। ट्रूडो ने कहा था कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने के कारण है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की है। कनाडाई एजेंसियां निज्जर की हत्या में भारत की साजिश की संभावनाओं की जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने जोर दिया कि कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता अस्वीकार्य है।

चट्टान और धूल के टुकड़ों को लेकर लौट रहा नासा का कैप्सूल

वॉशिंगटन। एस्टेरॉयड के सैंपल को पुनः प्राप्त करने और उन्हें अमेरिकी धरती पर वापस लाने का नासा का पहला मिशन रविवार को यूटा रेगिस्तान में उतरने के साथ एक खतरनाक समापन तक पहुंचने की उम्मीद है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि सामग्री संभवतः इस तरह के मिशन द्वारा अब तक प्राप्त की गई सबसे अधिक सामग्री मानवता को हमारे सौर मंडल के गठन और पृथ्वी कैसे रहने योग्य बनी, इस पर बेहतर समझ प्रदान करेगी। बता दें कि यह संभवतः इस तरह के मिशन द्वारा अब तक प्राप्त की गई सबसे अधिक सामग्री होगी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा साल 2016 में लांच किए गए ओसिरिस-रेक्स ने लगभग तीन साल पहले बेन्नू नामक एस्टेरॉयड से सैंपल लिया था। रविवार को सुबह लगभग 9:00 बजे पश्चिमी राज्य में एक सैन्य परीक्षण स्थल पर टचडाउन निर्धारित है। लगभग चार घंटे पहले, पृथ्वी से लगभग 67,000 मील (108,000 किलोमीटर) दूर ओसिरिस-रेक्स जांच सैंपल युक्त कैप्सूल को छोड़ देगा। नासा ने कहा है कि अंतिम टचडाउन 13 मिनट तक चलता है। कैप्सूल लगभग 27,000 मील (43,000 किलोमीटर) प्रति घंटे की गति से वायुमंडल में प्रवेश करता है और अधिकतम तापमान 5,000 डिग्री फारेनहाइट (2,800 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच जाता है। यदि सब कुछ ठीक रहा, तब दो लगातार पैराशूट कैप्सूल को रेगिस्तान के फर्श पर सॉफ्ट लैंडिंग के लिए लाएंगे, जहां इसे पहले से तैनात कर्मचारियों द्वारा पुनः प्राप्त किया जाएगा। ओसिरिस-रेक्स प्रोजेक्ट मैनेजर रिच बर्न्स ने पिछले माह कहा था कि 50 वर्ग मील (650 वर्ग किलोमीटर) के लक्ष्य क्षेत्र को मारना 'बास्केटबॉल कोर्ट की लंबाई में एक डार्ट फेंकने और बुल्सआई को मारने जैसा है।

निक्की हेली बोलीं- चीन जंग की तैयारी कर रहा

कहा- वो अमेरिका और दुनिया के लिए खतरा; चीनी सेना कई मामलों में हमसे आगे

न्यू हैम्पशायर।
अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवार बनने की रेस में शामिल निक्की हेली ने चीन को अमेरिका और पूरी दुनिया के अस्तित्व के लिए खतरा बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है। चीन पिछले 50 साल से अमेरिका को हराने के लिए साजिशें रच रहा है और कई मायनों में चीनी सेना की क्षमता अमेरिका सेना के बराबर है। हेली ने ये बातें न्यू हैम्पशायर में इकोनॉमी पर स्पीच देते हुए कहीं। निक्की ने कहा- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का एक मकसद साफ है, वो एक बड़ी और एडवांस मिलिट्री बनाना चाहते हैं, जो अमेरिका को डराने के काबिल हो। इसके जरिए वो एशिया और उसके बाहर भी अपना दबदबा बढ़ाना चाहते हैं। चीन की सेना कुछ मामलों में हमारे बराबर है, तो कुछ मामलों में वो हमसे भी आगे हैं।

निक्की बोलीं- चीन ने अमेरिका से नौकरियां छीनीं - चीन के नेता इतने कॉन्फिडेंट हैं कि वो हमारे एयरस्पेस में अपने स्पाई बैलून भेज रहे हैं। साथ ही वो क्यूबा के पास जासूसी के लिए बेस भी बना रहे हैं। कम्युनिस्ट पार्टी युद्ध की तैयारी कर रही है और चीन के नेता जीतने का इरादा रखते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में चीन ने अमेरिका से नौकरियां छीन ली हैं।

उसने अमेरिका के ट्रेड सीक्रेट लेकर अहम उद्योगों को अपने कब्जे में ले लिया है। इन उद्योगों में मेडिसिन से लेकर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी तक शामिल हैं। इसी के चलते चीन रिकॉर्ड समय में आर्थिक रूप से पिछड़े हुए देश से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन गया है।

निक्की ने राष्ट्रपति बनने पर टैक्स में कटौती का वादा किया - इसके बाद निक्की हेली ने अपना इकोनॉमिक प्लान शेयर किया। उन्होंने बताया कि अगर वो राष्ट्रपति बनती हैं तो अमेरिका में लोगों का जीवन बेहतर करने के लिए क्या बदलाव लाएंगी। उन्होंने टैक्स में कटौती, नौकरशाहों के कार्यकाल की सीमा तय करने और गैरजरूरी बिलों को हटाने की बात कही।

इससे पहले भारतीय मूल के एक और कैंडिडेट विवेक रामास्वामी ने चीन से आर्थिक आजादी की बात कही थी। उन्होंने कहा था- मैं भारत सहित दूसरे देशों के साथ रिश्ते और बेहतर करना चाहता हूं, जिससे चीन पर हमारी निर्भरता कम हो सके।

रामास्वामी ने कहा था- चीन से आर्थिक आजादी देश के लिए जरूरी - एक रिपोर्ट के अनुसार, रामास्वामी ने गुरुवार को कहा कि वो भारत, इजराइल, ब्राजील और चिली के साथ ट्रेड रिलेशन्स बनाकर चीन के साथ वित्तीय संबंधों में कटौती करना चाहते हैं। रामास्वामी ने कहा था- सोवियत संघ तो 1990 में खत्म हो गया था। अब वो नहीं बल्कि चीन हमारा सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी है।

रामास्वामी ने चीन पर फार्मास्युटिकल निर्भरता को दूर करने के लिए इजराइल के साथ-साथ भारत पर भी भरोसा किया। इसके अलावा लिथियम हासिल करने के लिए उन्होंने ब्राजील और चिली के साथ भारत को भी शामिल किया, जो सेमीकंडक्टर्स के लिए आवश्यक है।

कौन हैं निक्की हेली और विवेक रामास्वामी - यूएन में राजदूत और दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर रह चुकीं निक्की अमेरिका में ही 1972 में जन्मीं थीं। उनका असली नाम नम्रता निक्की रंधावा है। पिता अजीत सिंह रंधावा पत्नी राज कौर के साथ 1960 में अमृतसर से अमेरिका जाकर बस गए थे। 51 साल की निक्की ट्रम्प की धुर विरोधी रही हैं।

रामास्वामी का जन्म 9 अगस्त 1985 को ओहियो के सिनसिनाटी में हुआ। उनके पिता वी जी रामास्वामी इंजीनियर व पेटेंट एटार्नी थे। मां गीता मनोचिकित्सक थीं। अश्वेत स्कूल में 8वीं कक्षा में एक अन्य छात्र ने उन्हें सीढियों से धक्का दिया था, उनकी सर्जरी हुई थी। फिर सेंट जेवियर स्कूल में भेजा, जहां वे एकमात्र भारतवंशी थे।

विवेक ने हार्वर्ड से बायोलॉजी की डिग्री की, वहीं रिपब्लिकन क्लब में शामिल हुए। वे अभिव्यक्ति की आजादी, चीन पर निर्भरता घटाने के समर्थक हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की रेस में शामिल लोगों में 38 वर्षीय रामास्वामी सबसे कम उम्र के हैं।

अमेरिकी राष्टपति चुनाव में उम्मीदवारी की केस में रिपब्लिकन पार्टी से 3 भारतवंशी - अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए कैंडिडेट बनने की रेस में रिपब्लिकन पार्टी के 3 उम्मीदवार भारतवंशी हैं। इनमें विवेक रामास्वामी, निक्की हेली और हर्षवर्धन सिंह शामिल हैं। हालांकि, ट्रंप तमाम कानूनी चुनौतियों के बावजूद 2024 के लिए रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। वहीं रामास्वामी रिपब्लिकन्स की दूसरी पसंद हैं।

सात समंदर पार भी सुनाई दी नारी वंदन शक्ति बिल की गूंज

अमेरिकी फोरम ने महिला आरक्षण को बताया परिवर्तनकारी कदम

वाशिंगटन।
भारतीय संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित होने का अमेरिका में भी स्वागत किया गया है। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम ने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का विधेयक एक परिवर्तनकारी कदम है।

लैंगिक समानता की रक्षा में महत्वपूर्ण होगा विधेयक - यूएसआइएसपीएफ के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि दोनों सदनों से पारित विधेयक एक ऐसा ऐतिहासिक कदम है, जो संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को संवैधानिक रूप से सुनिश्चित करेगा और भारत में महिलाओं की भागीदारी के अधिकार और लैंगिक समानता की रक्षा में महत्वपूर्ण होगा।

संसद में महिलाओं की केवल 15 प्रतिशत है हिस्सेदारी - वर्तमान में, भारत के 95 करोड़ मतदाताओं में से लगभग आधी महिलाएं हैं, लेकिन संसद में उनकी हिस्सेदारी केवल 15 प्रतिशत और राज्य विधानसभाओं में 10 प्रतिशत है। इस विधेयक के पारित होने से अब महिलाओं की हिस्सेदारी लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत हो जाएगी।

संसद से कब पास हुआ महिला आरक्षण बिल - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के विशेष सत्र में 18 सितंबर को लोकसभा में दिए अपने पहले भाषण में महिला आरक्षण से संबंधित बिल को नारी शक्ति वंदन अधिनियम नाम दिया। उन्होंने इसे ऐतिहासिक कदम करार दिया। इसके बाद 19 सितंबर को केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बिल को लोकसभा में पेश किया, जिस पर 20 सितंबर को चर्चा की गई और विधेयक पारित हो गया।

इसके बाद, बिल को राज्यसभा में पेश किया गया, जहां 21 सितंबर को यह पारित हो गया। उच्च सदन में उपस्थित सभी 215 सांसदों ने बिल का समर्थन किया। लोकसभा में भी दो सदस्यों के अलावा, मौजूद सभी 454 सांसदों ने बिल का समर्थन किया था।

भारत, इस्राइल, यूएई और अमेरिका ने की संयुक्त अंतरिक्ष उद्यम की घोषणा, वेबसाइट भी लॉन्च

न्यूयॉर्क।
भारत, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के आई2यू2 समूह ने एक नए संयुक्त अंतरिक्ष उद्यम की घोषणा की है। इसका उद्देश्य नीति निर्माताओं, संस्थानों और उद्यमियों के लिए एक अद्वितीय अंतरिक्ष आधारित उपकरण विकसित करना है। साथ ही चार देशों के समूह ने सदस्य देशों के बीच सहयोग और दुनियाभर में साझेदारी बढ़ाने के लिए अपनी एक वेबसाइट भी लॉन्च की।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि आई2यू2 समूह के अंतरिक्ष के फोकस क्षेत्र के तहत भारत, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकारों, आर्टेमिस समझौते के सभी हस्ताक्षरकर्ताओं ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान एक नए संयुक्त अंतरिक्ष उद्यम की घोषणा की। मुख्य रूप से चार आई2यू2 भागीदार देशों के अंतरिक्ष-आधारित अवलोकन डाटा और क्षमताओं का उपयोग करना है।

इस परियोजना का उद्देश्य नीति निर्माताओं, संस्थानों और उद्यमियों के लिए एक अद्वितीय अंतरिक्ष-आधारित उपकरण बनाना है, जो पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन चुनौतियों पर उनके काम को सक्षम बनाता है और मानवता की भलाई के लिए अंतरिक्ष डाटा के अनुप्रयोगों में हमारे सहयोग को आगे बढ़ाता है। 1967 की बाहरी अंतरिक्ष संधि (ओएसटी) पर आधारित आर्टेमिस समझौते 21वीं सदी में नागरिक अंतरिक्ष अन्वेषण और उपयोग का मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किए गए सिद्धांतों का एक गैर-बाध्यकारी सेट है।

सिगरेट पर बैन लगा सकते हैं प्रधानमंत्री ऋषि सुनक

लंदन।
ब्रिटेन में अब सिगरेट पर बैन लग सकता है। सरकारी सूत्रों के हवाले से द गार्जियन ने बताया कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ऐसे तरीके पेश करने पर विचार कर रहे हैं, जिसके चलते आने वाली पीढ़ी कभी भी सिगरेट नहीं खरीद सकेगी। रिपोर्ट के मुताबिक सुनक न्यूजीलैंड में पिछले वर्ष जारी कानूनों के तर्ज पर धूम्रपान विरोधी ऐसे उपायों पर विचार कर रहे हैं, जिसमें 1 जनवरी, 2009 को या उसके बाद पैदा हुए किसी भी व्यक्ति को तंबाकू बेचने पर प्रतिबंध शामिल है।

सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सनक ऐसे उपाय पेश करने पर विचार कर रहे हैं जो अगली पीढ़ी को सिगरेट खरीदने से रोक देंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुनक न्यूजीलैंड में पिछले साल घोषित कानूनों के समान धूम्रपान विरोधी उपायों पर विचार कर रहे हैं, जिसमें 1 जनवरी, 2009 को या उसके बाद पैदा हुए किसी भी व्यक्ति को तंबाकू बेचने पर प्रतिबंध शामिल है।

2030 है लक्ष्य

ब्रिटिश सरकार के एक प्रवक्ता ने जवाब में कहा कि हम अधिक लोगों को धूम्रपान छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं और 2030 तक धूम्रपान मुक्त होने की अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करना चाहते हैं, यही कारण है कि हमने धूम्रपान की दरों को कम करने के लिए पहले ही कदम उठाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन उपायों में मुफ्त वेप किट, गर्भवती महिलाओं को सिगरेट छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक वाउचर योजना और अनिवार्य सिगरेट पैक डालने पर परामर्श शामिल है।

मई में की थी घोषणा

रिपोर्ट में कहा गया है कि विचाराधीन नीतियां अगले साल के संभावित चुनाव से पहले सुनक की टीम की नई उपभोक्ता-केंद्रित मुहिम का हिस्सा हैं। ब्रिटेन ने मई में घोषणा की थी कि वह ई-सिगरेट पर रोक लगाते हुए उस खामी को बंद कर देगा, जिसके तहत खुदरा विक्रेता बच्चों को वेप्स के मुफ्त सैंपल्स दे सकते हैं। जुलाई में इंग्लैंड और वेल्स की अलग-अलग परिषदों ने सरकार से पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों आधारों पर 2024 तक एकल-उपयोग वेप्स की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया।

भारत बोला- अवैध कब्जे वाले इलाके खाली करे पाकिस्तान

26/11 के दोषियों पर एक्शन ले; यूएन में पाक ने कहा- कश्मीर पर फैसले थोप रहा पड़ोसी

न्यूयॉर्क।
पाकिस्तान के केयरटेकर प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक काकर ने यूएन जनरल असेंबली में एक बार फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया है। इसके बाद यूएनएससी में भारत ने पाकिस्तान पर मंच का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। यूएन में भारत की फर्स्ट सेक्रेटरी पेटल गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान को इस मंच का दुरुपयोग करने की आदत हो गई है। वो इसका इस्तेमाल लगातार भारत को लेकर बेतुके और गलत प्रचार करने के लिए करता है। वो अपने देश के मसलों से ध्यान भटकाने के लिए बार-बार कश्मीर का मुद्दा उठाता है।

भारत बोला- सीमा पर आतंकवाद को शह देना बंद करे पाकिस्तान

पेटल ने राइट टु रिप्लाई के तहत पाकिस्तान को जवाब दिया। नाम लिए बिना कहा, सबसे पहले तो पाकिस्तान उन इलाकों को खाली करे, जिस पर उसने अवैध कब्जा कर रखा है। साथ ही उसे 26/11 मुंबई हमलों के दोषियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। पेटल ने कहा, पाकिस्तान आतंकवाद पर भी कार्रवाई करे और सीमा पर आतंकवाद को शह देना बंद करे। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के मानवाधिकार उल्लंघन पर रोक लगाई जाए। दुनिया के सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड वाला देश पाकिस्तान है।

पाकिस्तान बोला- हम अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण रिश्ते चाहते हैं

इससे पहले पाकिस्तान ने 78वें सेशन में एक बार फिर से कश्मीर का जिक्र किया। काकर ने कहा- हम अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण रिश्ते चाहते हैं। कश्मीर भारत के साथ बेहतर रिश्तों की कुंजी है और विकास के लिए शांति बहुत जरूरी है। पाकिस्तान ने आगे कहा- भारत ने रिजोल्यूशन का भी पालन नहीं किया है, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर में यूएन की निगरानी में जनमत संग्रह करवाकर अंतिम फैसला लिए जाने की बात है। अगस्त 2019 से भारत ने अवैध रूप से कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में करीब 9 लाख सैनिकों की तैनाती की है, जिससे वो अपना फैसला कश्मीर पर थोप सकें।

भारत बोला- हम पर उंगली उठाने से पहले अपना घर दुरुस्त करे पाक

भारत की फर्स्ट सेक्रेटरी गहलोत ने कहा- खासकर जब अल्पसंख्यकों और महिलाओं के अधिकारों की बात आती है, तो पाकिस्तान की हालत बहुत खराब है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर उंगली उठाने से पहले पाकिस्तान अपना घर दुरुस्त कर ले। उन्होंने कहा कि साउथ एशिया में शांति कायम करने के लिए पाकिस्तान को तीन कदम उठाने की जरूरत है। पहला कदम- सीमा पार आतंकवाद को रोकना और उसके बुनियादी ढांचे को तुरंत बंद करना होगा। दूसरा कदम- जबरन कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों को खाली करना होगा। तीसरा कदम- अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकना चाहिए। भारतीय डिप्लोमैट ने कहा- कश्मीर-लद्दाख हमारा अभिन्न अंग भारतीय डिप्लोमैट गहलोत ने कहा- यूनियन टेरेटरी जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ लद्दाख भी भारत के अभिन्न अंग हैं। पाकिस्तान को भारत के घरेलू मामलों के बारे में बयान देने का कोई अधिकार नहीं है। पाकिस्तान ने दुनिया में सबसे ज्यादा उन आतंकियों को पनाह दी है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों और महिलाओं पर जुर्म हो रहा पेटल गहलोत ने आगे कहा- पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का एक सबसे बड़ा उदाहरण अगस्त 2023 में जारनवाला में अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय के खिलाफ हुआ अत्याचार है। इसमें कुल 19 चर्चों को नष्ट कर दिया गया और 89 ईसाइयों के घर जला दिए गए थे।

पचीस सितंबर को जेल भरो आंदोलन चलाएंगी आशा वर्कर

जींद (हिंस)। आशा वर्कर्स यूनियन की बैठक स्थानीय मजदूर भवन में शनिवार को हुई। इसकी अध्यक्षता यूनियन की जिला प्रधान नीलम ने की जबकि संचालन कैशियर जगवंती ने किया। बैठक में पिछले 47 दिन से जारी आशा वर्करों की हड़ताल की समीक्षा की गई। बैठक में बताया कि सरकार के अधिकारियों ने हड़ताल के 46वें दिन आशा वर्करों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की और 25 सितंबर के जेल भरो के कार्यक्रम की रणनीति बनाई। जिला प्रधान नीलम ने बताया कि 22 सितंबर को हडताल के 46वें दिन आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल की वार्ता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक राज नारायण कौशिक के साथ हुई। बैठक सकारात्मक माहौल में हुई। सभी 10 मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने मिशन डायरेक्टर को आशा वर्कर्स द्वारा किए जा रहे तमाम कामों से अवगत कराया। जो आशा वर्करों से बेगार ली जा रही है, उसके संदर्भ में भी बातचीत रखी गई।

सनातन शास्त्र की रक्षा के लिए शस्त्र जरूरी, सनातन अमर है, मिटाने वाले मिट जाएंगे : हंसराम महाराज

शाहपुरा (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की ओर से देश भर में निकाली जा रही शौर्य जागरण यात्रा के शाहपुरा पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। रैली के रूप में धरती देवरा वाटिका ले जाया गया। इसका आयोजन अयोध्या में राम मंदिर निर्माण एवं रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व संपूर्ण देश में हो रहा है। दुर्गावाहिनी व मातृशक्ति सहित महिलाओं और पुरुषों ने पूजन कर आरती की। युवाओं द्वारा रथ की अगवानी की गई। शौर्य जागरण यात्रा का उद्देश्य हिंदू युवाओं में अपने पूर्वजों के प्रति गौरव का भाव जागृत हो अमर बलिदानों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर देश के लिए जीवन जीने का संकल्प लें। हिंदू धर्म और संस्कृति के प्रति श्रद्धा जागृत हो, उसके वैज्ञानिक महत्व को समझे, हिंदू हम सब एक है अर्थात सामाजिक समरसता के लिए संकल्पबद्ध हो। धरती देवरा वाटिका में हुई धर्मसभा में मुख्य वक्ता सनातन उदासीन आश्रम के महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने अपनी प्रखर वाणी से सनातन के खिलाफ काम करने वालों को विधर्मी कह दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सनातन शास्त्र की रक्षा के लिए शस्त्र जरूरी। हमारे देश में सनातन अजर अमर है, इसको मिटाने वाले मिट जायेगें। विहिप जिला अध्यक्ष जयेंद्र सिंह राणावत की अध्यक्षता एवं मोहन शरण जी शास्त्री निंबार्क आश्रम भीलवाड़ा, महंत सीताराम बाबा राम मन्दिर शाहपुरा के सानिध्य में हुई धर्मसभा में महामंडलेश्वर हंसराम महाराज को बजरंगदल कार्यकर्ताओं ने तलवार भेंट की जिसे संतो ने लहराते हुए शास्त्रों की रक्षा के लिए इसे जरूरी बताया। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने कहा कि हिंदू समाज को जाति धर्म के नाम पर बांटकर जो जहर घोला गया अब उसे मिटाकर सनातन धर्म की रक्षा के लिए हमें आगे आना होगा। राम ही सनातन है। सनातन का विरोध करने वाले राजनीतिज्ञ कथाएं, धार्मिक कार्यक्रम कराते है तो वो क्या सनातन नहीं है। वो क्या समझ करा रहे है। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने हिंदू राष्ट्र और सनातन धर्म की रक्षा के लिए सभी से आगे आने का आव्हान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जागरुक होने की जरुरत है। सनातन शास्त्रों की रक्षा के लिए शस्त्र जरूरी है। प्रत्येक घर में दोनों की पूजा होनी चाहिए। संतों को भी माला के साथ भाला रखने की जरूरत है। हमारा देश हिंदू राष्ट्र बनना चाहिए। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने कहा कि विहिप द्वारा आयोजित यह जागरण यात्रा पूरे भारत मे आयोजित की जा रही है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य सभी को साथ लेकर समाज को संगठित करना है। ताकि किसी भी विरोधी ताकत का प्रतिकार किया जा सके। पूर्व में भी सनातन संस्कृति को मिटाने के कई प्रयास हुए है, लेकिन संगठित समाज ने ऐसा होने नही दिया। यात्रा का उद्देश्य हर परिवार का जागरण करना है। महंत मोहन शरण ने कहा कि बजरंग दल की शौर्य यात्रा युवाओं के शौर्य और पराक्रम को जगाने की यात्रा है। कार्यक्रम विशाल वाहन रैली चोपहिया एवं दोपहिया वाहनों द्वारा निकाली गई। शहर के विभिन्न मार्गों से कार्यक्रम में पुष्प वर्षा की गई। आज सुबह शाहपुरा से प्रातः यात्रा जहाजपुर के लिए रवाना होकर पुरे शाहपुरा जिले में भ्रमण कर भीलवाड़ा पहुची।

पंजाब में आतंकी निज्जर के घर एनआईए ने संपत्ति जब्त करने का नोटिस चिपकाया

चंडीगढ़ (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कनाडा में मारे गए खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के पंजाब के जालंधर में स्थित आवास पर संपत्ति जब्त करने का नोटिस चस्पा कर दिया है। यह घर जालंधर जिला के गांव भारसिंहपुरा (फिल्लौर) में स्थित है। एनआईए की टीम ने शनिवार को यह नोटिस चिपकाया है। मोहाली स्थित एनआईए की विशेष अदालत से जारी हुए नोटिस में कहा गया है कि एनआईए ने हरदीप सिंह निज्जर की अचल संपत्ति को जब्त करने के लिए याचिका दी है। इस मामले में रिश्तेदार-नजदीकी 11 अक्तूबर को स्पेशल एनआईए कोर्ट मोहाली में पेश होकर अपना पक्ष रख सकता है। भारत द्वारा कनाडा को सौंपे डोजियर के मुताबिक निज्जर 1996 में फर्जी पासपोर्ट बनवाकर कनाडा भागा था। इसके बाद निज्जर ने एक महिला से शादी की, जिसने उसकी इमिग्रेशन को लेकर मदद की। निज्जर 25 मई 2007 को कनाडाई नागरिक बन गया। निज्जर 2012 में एक जत्थे के साथ पाकिस्तान गया था। यहां उसने हथियारों और धमाके की ट्रेनिंग ली। इसके बाद फिर कनाडा आ गया और आतंकी मनसूबे पूरे करने लिए अपने साथियों को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी।

महाराजा हरि सिंह की 128वीं जयंती पर कठुआ में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

कठुआ (हिंस)। डोगरा एकता मंच और युवा राजपूत सभा के बैनर तले महाराजा हरि सिंह की 128वीं जयंती के उपलक्ष पर शहर में विशाल रैली का आयोजन किया गया जबकि डोगरा एकता मंच के सदस्यों ने भाजपा द्वारा इस रैली को हाईजैक करने के आरोप लगाऐ है। शनिवार को महाराजा हरि सिंह के 128वें जन्म दिवस पर कठुआ शहर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें डोगरा एकता मंच, युवा राजपूत सभा, जिला बार एसोसिएशन कठुआ, एक्स सर्विसमैन वेलफेर सहित कई संस्थाओं ने महाराजा हरि सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। डोगरा एकता मंच और युवा राजपूत सभा के बैनर तले मुखर्जी चौक से रैली की शुरुआत की गई और शहर के शहीदी चौक, कॉलेज मार्ग से होते हुए परशुराम चौक पर पहुंची। उसके बाद एक निजी पैलेस में सभा को संबोधित किया गया। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे जिन्होंने निजी पैलेस में आयोजित समारोह के दौरान महाराजा हरि सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर एसएसपी कठुआ शिवदीप सिंह जम्वाल भी उपस्थित रहे। दूसरी और डोगरा एकता मंच के सदस्यों ने इस रैली को लेकर रोष वक्त किया। डोगरा एकता मंच के सदस्यों ने बताया कि अपनी राजनीति फायदे के लिए भाजपाइयों ने डोगरा एकता मंच का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि चंद लोग अपनी राजनीति के लिए अपने कर्तव्यों को भूल गए। उन्होंने कहा कि इससे साफ जाहिर हो रहा है कि डोगरों को तो ?ने का प्रयास किया गया है। जबकि महाराजा हरि सिंह के जन्म दिवस पर छुट्टी की मांग को लेकर सभी ने एकजुट होकर प्रयास किया था और छुट्टी मंजूर भी हुई थी। लेकिन 1 साल बीत जाने के बाद जिन संस्थाओं ने महाराजा हरि सिंह की छुट्टी के लिए संघर्ष किए थे, उन्हीं के बैनर का इस्तेमाल कर भाजपाइयों ने इस रैली को हाईजैक किया है।

मोदी सरकार जातिगत जनगणना से डर रही, महिला आरक्षण आज से ही लागू हो : राहुल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के नए मुख्यालय के शिलान्यास के बाद कार्यकर्ता सम्मेलन में शनिवार को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महिला आरक्षण लागू करने के समय और जातिगत जनगणना को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरे विपक्ष ने महिला आरक्षण का समर्थन किया। हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण आज से ही लागू हो लेकिन भाजपा दस साल बाद इसे लागू करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ओबीसी वर्ग को भागीदारी देना चाहते हैं लेकिन जातिगत जनगणना से क्यों डर रहे हैं? वे अडाणी से भी डरते हैं। चुनाव में जब बीजेपी वाले वोट मांगने आएं तो उनसे यह जरूर पूछना कि जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवा रहे हो? राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने देश का नाम बदलना चाहा। संसद का विशेष सत्र बुला लिया। इंडिया को भारत किया जबकि संविधान में साफ लिखा है कि इंडिया दैट इज भारत। यानी इंडिया ही भारत है। जब उन्हें लगा कि इससे कोई फायदा नहीं होगा और भारत की जनता इन सब चीजों का समर्थन नहीं करती तो वे महिला आरक्षण बिल ले आए। राहुल ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का पूरे विपक्ष ने समर्थन किया। भाजपा चाहती है कि महिला आरक्षण दस साल में लागू हो जबकि हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण आज से ही लागू हो। मैंने रिसर्च की तो पता चला कि हमारी संस्थाओं में ओबीसी, दलित, आदिवासी वर्ग की क्या भागीदारी है? आज के हिंदुस्तान को 90 लोग चलाते हैं। आज के हिंदुस्तान को प्रधानमंत्री 90 अफसरों के साथ चलाते हैं। वे हर मंत्रालय के सचिव हैं। प्रधानमंत्री ओबीसी की बात करते हैं लेकिन इन 90 अफसरों में सिर्फ तीन ओबीसी हैं। उनके पास हिंदुस्तान का सिर्फ पांच प्रतिशत बजट है। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान में हर वर्ग को सही प्रतिनिधित्व देने के लिए जातिगत जनगणना जरूरी है। इस जनगणना से पता चल जाएगा कि हिंदुस्तान में किस वर्ग के कितने लोग हैं। हम ओबीसी को भागीदारी देने की बात करते हैं लेकिन जब तक ओबीसी कितने हैं, यह पता नहीं लगेगा तो कैसे काम होगा? प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से क्यों डरते हैं? हमने ये जनगणना करवाई थी, आंकड़े आपके पास हैं, उन आंकड़ों को हिंदुस्तान की जनता के सामने रख दीजिए और अगली जनगणना में जातिगत जनगणना भी करवाइए। ओबीसी का अपमान मत कीजिए। मोदी न तो अडाणी की बात कर पाते हैं, न ही ओबीसी के बारे में बात करते हैं। राहुल ने कहा कि पिछले दिनों बीजेपी के नेता अंग्रेजी के खिलाफ भाषण दे रहे थे। मैंने उनसे पूछा कि आपके बच्चे कहां पढ़ते हैं? उनके बच्चे अंग्रेजी मीडियम में पढ़ते हैं। बीजेपी नेता चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी में पढ़ें और गरीब का बच्चा अंग्रेजी न सीखे। ये दो हिंदुस्तान बनाना चाहते हैं। चुनाव से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए राहुल गांधी ने कहा कि जंगल में शेर देखने के लिए कई घंटों की मेहनत करनी पड़ती है लेकिन मेरे सामने हजारों बब्बर शेर बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सरकार ने चिंरजीवी योजना जैसी हेल्थ स्कीम दी है। 500 रुपए में सिलेंडर दिया है। यह सभी काम कार्यकर्ता जनता को जाकर बताएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चुनाव में भाजपा हमारे खिलाफ एक नहीं दो-तीन कैंडिडेट खड़ा करती है। एक तो भाजपा का प्रत्याशी होता है, एक ईडी होती है और एक सीबीआई या अन्य एजेंसी होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष सत्र संसद की नई बिल्डिंग दिखाने के लिए बुलाया था। उन्होंने भाजपा के बड़े कार्यकर्ताओं, फिल्म अभिनेता-अभिनेत्रियों को बुलाया। यह संसद चर्चा करने की जगह है, एग्जीबिशन करने की जगह नहीं है। खड़गे ने कहा कि महिला आरक्षण बिल सबसे पहले कांग्रेस सरकार लाई थी। उस समय इन्हीं लोगों ने इसका विरोध किया था, जो अभी सरकार में हैं। ये लोग बहुत सयाने हैं। अगर कांग्रेस 2024 में सत्ता में आएगी तो वह तत्काल महिला आरक्षण लागू करेगी। इससे पूर्व राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से पहले भाषण देकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चौंका दिया। सभा में राहुल से पहले खड़गे को भाषण देने के लिए बुलाया गया था लेकिन राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष के नाते खड़गे का भाषण सबसे बाद में करवाने की गुजारिश की। इसके बाद खड़गे ने खुद आकर कहा कि राहुल गांधी पहले भाषण देना चाहते हैं। राहुल गांधी के बाद खड़गे का भाषण हुआ। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पहली बार सरकार विरोधी कोई लहर नहीं है। सरकार का काम शानदार है। फासिस्ट ताकतें चाहे कितना ही जोर लगा लें लेकिन कामयाब नहीं होंगे। किसी कीमत पर हमारी सरकार रिपीट हो, नेता और कार्यकर्ता यह संदेश लेकर जाएं।

बीएसएफ डीआईजी राठौर ने किया भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा का हेलीकॉप्टर से भ्रमण

बीकानेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सेक्टर मुख्यालय के उप महानिरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौर एक दिवसीय दौरे पर भारत-पाकिस्तान की बीकानेर और अनूपगढ़ जिले से लगती राष्ट्रीय सीमा की चौकियों का भ्रमण करते हुए, सुरक्षा व्यवस्था की जांच करने घड़साना स्थित 140वीं वाहिनी और खाजूवाला स्थित 114 वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय पहुंचे। राठौर ने यहां सैनिक सम्मेलन में जवानों को संबोधित किया। उन्होंने 36 वर्षीय सेवाकाल में आई कठिन परिस्थितियों एवं उपलब्धियां के बारे में बताया और जवानों का हौसला अफजाई की। साथ ही उन्होंने अच्छा काम करने वाले जवानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान की। राठौर ने कहा कि हर जवान एक एंबेसडर की तरह है। सीमा पर तमाम विषम और कठोर परिस्थितियों में डटे रहकर अपने कर्तव्य का पालन करते है जो कि आसान काम नही है। सीमा सुरक्षा बल देश की प्रथम रक्षा पंक्ति है तथा देश पर बाहर से आने वाले हर खतरे का सर्वप्रथम सामना करता है तथा आपके द्वारा किए कार्यो से सीमा सुरक्षा बल का नाम नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

पंजाब सरकार ने एशियाई खेलों में हिस्सा ले रहे 58 खिलाड़ियों को दिए 4.64 करोड़

चंडीगढ़ (हिंस)। चीन के शहर हांगझोऊ हो रहे एशियाई खेलों में भारत का 653 सदस्यीय दल हिस्सा ले रहा है, जिसमें 48 खिलाड़ी पंजाब के हैं। इसके अलावा अगले महीने 22 से 28 अक्तूबर तक हांगझोऊ में होने वाले पैरा एशियन गेम्स में 10 पंजाबी एथलीट भाग लेंगे। पंजाब सरकार ने अपनी नयी खेल नीति को लागू करते हुए 58 खिलाड़ियों की तैयारी के लिए 4.64 करोड़ रुपए की नकद राशि दी है। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने एशियाई खेलों के लिए भारतीय खेल दल को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि आने वाले दो हफ्ते यह खिलाड़ी पूरी लगन के साथ खेलते हुए देश का नाम रौशन करेंगे। मीत हेयर ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर बनाई नयी खेल नीति भी एशियाई खेलों से जमीनी स्तर पर लागू हो गई है और इन खेलों में हिस्सा लेने जा रहे पंजाब के 58 खिलाड़ियों, प्रति खिलाड़ी 8 लाख रुपए के हिसाब के साथ कुल 4.64 करोड़ रुपए दिए गए हैं। पहली बार खिलाड़ियों को तैयारी के लिए नकद इनाम राशि देने की शुरुआत की गई है। खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को हौसला अफजायी के लिए नकद इनाम राशि देने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतने वाले पंजाबी खिलाड़ियों को इनाम राशि के तौर पर क्रमवार एक करोड़ रुपए, 75 लाख और 50 लाख रुपए मिलेंगे। मंत्री ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे पंजाब के खिलाड़ियों के विवरण जारी करते हुए बताया कि हॉकी खेल में 10 खिलाड़ी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, गुरजंट सिंह, मनदीप सिंह, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक और सुखजीत सिंह, निशानेबाजी में 9 खिलाड़ी जोरावार सिंह संधू, गनीमत सेखों, अंगदवीर सिंह बाजवा, गुरजोत सिंह खंगूड़ा, परीनाज धालीवाल, राजेस्वरी कुमारी, सिफत कौर सम्रा, विजयवीर सिद्धू और अर्जुन सिंह चीमा, रोइंग में पांच खिलाड़ी चरनजीत सिंह, जसविन्दर सिंह, कुलविन्दर सिंह, सुखमीत सिंह और सतनाम सिंह, क्रिकेट में पांच खिलाड़ी कप्तान हरमनप्रीत कौर, कनिका अहूजा, अमनजोत कौर, अरशदीप सिंह और प्रभसिमरन सिंह, बास्केटबाल में पांच खिलाड़ी सहजप्रीत सिंह सेखों, प्रिंसपाल सिंह, मनमीत कौर, यशनीत कौर और अनमोलप्रीत कौर, एथलेटिक्स में चार खिलाड़ी तेजिन्दर पाल सिंह तूर, हरमिलन बैंस, मंजू रानी, और अकाशदीप सिंह, तीरंदाजी में तीन खिलाड़ी प्रनीत कौर, अवनीत कौर और सिमरनजीत कौर, तलवारबाजी में दो खिलाड़ी ईना अरोड़ा और अर्जुन, साइकिलिंग में दो खिलाड़ी हरशवीर सिंह सेखों और विश्वजीत सिंह, बैडमिंटन में एक खिलाड़ी ध्रुव कपिला, जूडो में एक खिलाड़ी अवतार सिंह, कुश्ती में एक खिलाड़ी नरिन्दर चीमा शामिल हैं। मीत हेयर ने आगे बताया कि पंजाब के 58 खिलाड़ियों में 10 पैरा खिलाड़ी भी शामिल हैं। इनमें पैरा पावर लिफ्टिंग में चार खिलाड़ी परमजीत कुमार, जसप्रीत कौर, मनप्रीत कौर और सीमा रानी, पैरा एथलेटिक्स में तीन खिलाड़ी मुहम्मद यासिर, मिथुन और जसप्रीत कौर सरां, पैरा बैडमिंटन में दो खिलाड़ी पलक कोहली और राज कुमार हैं और पैरा ताइक्वांडो में एक खिलाड़ी वीना अरोड़ा भारतीय खेल दल में पंजाब का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

हरियाणा में गठबंधन की नहीं जरूरत, कांग्रेस काफी मजबूत : हुड्डा

जींद (हिंस)। पूर्व सीएम तथा प्रतिपक्ष नेता भूपेंद्र सिह हुड्डा ने जींद में रविवार को पत्रकारों से बातीचत में इनेलो से गठबंधन को लेकर कहा कि कांग्रेस हरियाणा में काफी मजबूत है और गठबंधन की काई जरूरत नही है। किसानों के साथ भाजपा सरकार ने क्या नहीं किया। किसान, मजदूर, व्यापारी कर्मियों, शहरी, ग्रामीण किसी को नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि नूंह घटना सीएम की सोची समझी साजिश थी। मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो इसकी जांच होगी। बीरेंद्र सिंह की रैली मेरी आवाज सुनो के बारे मे कहा कि कौन किसकी आवाज सुने, वह उनकी समझ से परे है। अगामी आठ अक्तूबर को एसडी स्कूल में उनका जनमिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। पूर्व सीएम तथा प्रतिपक्ष नेता भूपेंद्र सिह हुड्डा रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

महिलाओं की सुरक्षा को यकीनी बनाए पुलिस : राकेश आर्य

पुलिस आयुक्त ने ली डीसीपी, एसीपी व थाना-चौकी प्रभारियों की मीटिंग

फरीदाबाद (हिंस)। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने शनिवार को सेक्टर-12 में सेंट्रल जॉन के पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग ली। बैठक में डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ सहित सेंट्रल जोन के सभी एसीपी, सभी थाना प्रबंधक, सभी चौकी प्रभारी, क्राइम ब्रांच व कार्यालय के सभी ब्राचं इंचार्ज और संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त ने सबसे पहले सेंट्रल जॉन के सभी थाना चौकियो की भौगोलिक परिस्थितियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। पुलिस आयुक्त ने महिला सुरक्षा के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि फरीदाबाद में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रबंध सुनिश्चित किए जाने चाहिए। पुलिस आयुक्त ने सभी थाना प्रबंधक, चौकी प्रभारी प्रभारी से उनके क्षेत्र में होने वाले अपराध व अपराधों के प्रकार तथा उनपर अंकुश लगाने के लिए की जाने वाली कार्रवाई के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बैठक के दौरान अनेक विषयों तथा आपराधिक आंकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा विस्तृत विचार विमर्श किया गया। जिनमें आपराधिक आंकड़ों के साथ-साथ स्थानीय एवं विशेष प्रावधानों के तहत आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम करना, लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द निपटारा, उदघोषित अपराधी, बेल जंपर, मोस्ट वांटेड तथा आपराधिक गिरोह में शामिल दोषियों की धरपकड़ के लिए की गई कार्यवाही, अवैध शराब की तस्करी तथा अवैध असला को पकडऩे के लिए चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई कार्रवाई की समीक्षा, क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था के हालात की समीक्षा, अपराध की दृष्टि से संवेदनशील एरिया में पुलिस की मौजूदगी एवं निगरानी इत्यादि विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि अनुसंधान के दौरान मामलें की हर पहलू से जांच करे। उन्होंने कहा कि संगीन किस्म के अपराधों से जुड़ी शिकायतों की गहनता से जांच करके त्वरित कार्रवाई की जाए। इसके अलावा नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने जिला के मोस्टवांटेड इनामी अपराधियों को पकडऩे के लिए गम्भीरता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने आर्म्स एक्ट , एनडीपीएस एक्ट व जघन्य किस्म के मामलों की गहनता से जांच करने व केस की तह तक जाने व सोर्स का पता लगाने के निर्देश दिए ताकि अपराधियों के नेटवर्क का पता चल सके व प्रभावी कार्रवाई कर अपराध की पुनरावृति को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जोन में फीडबैक सेल बनाए गए हैं जिनके माध्यम से पीड़ितों से उनकी शिकायत का फीडबैक लिया जाता है जिससे पुलिस सेवाओं के बारे में आमजन से जानकारी प्राप्त होती है और उसके आधार पर पुलिस सेवाओं में सुधार किया जा सकता है। इसके लिए पुलिस अधिकारी जनता के फीडबैक के आधार पर पुलिस सेवा में सुधार करना सुनिश्चित करें तथा पीड़ित की शिकायत को गंभीरता से सुनकर उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास करें।

पूजन व श्रृंगार के साथ धूमधाम से मनाई गई राधाष्टमी

जोधपुर (हिंस)। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी पर शनिवार को शहर में राधाष्टमी धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान कई कृष्ण मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम हुए। राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं पर विशेष श्रंगार व पूजन किया गया। रातानाडा स्थित कृष्ण मंदिर सहित शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में शनिवार को राधाष्टमी मनाई गई। रातानाडा स्थित कृष्ण मंदिर के पुजारी हरिभाई गोस्वामी बताया कि राधा रानी के जन्मोत्सव पर विशेष झांकी सजाई गई और राधा रानी का अलौकिक श्रंगार किया गया। सुबह कीर्तन सत्संग व राधा रानी की महाआरती के साथ 21 किलो पेडे का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। वहीं सूरज नगर स्थित हरि प्रेम सभागार में भी राधाष्टमी उत्सव मनाया गयसा। सुबह राधा रानी का पूजन व श्रृंगार किया गया। तनावड़ा फांटा स्थित श्री श्री राधा गोविंद जी मंदिर अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) में शनिवार को राधाष्टमी महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। सुबह मंगला आरती के पश्चात श्री श्री राधा गोविंद को विशेष फूलों की पोशाक अर्पित की गई एवं दर्शन के पश्चात गुरु पूजा एवं श्रीमद्भावगत कक्षा हुई। कार्यक्रम हरिनाम कीर्तन से आरंभ हुआ, तत्पश्चात श्री श्री राधा गोविंद का पंचामृत एवं पुष्प अभिषेक किया गया। राधा तत्व पर प्रवचन मंदिर अध्यक्ष सुंदरलाल प्रभु द्वारा तथा छप्पन भोग दर्शन एवं राजभोग आरती हुई। दोपहर में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। अमृत भजन मंडली की ओर से पालरोड स्थित राधा कृष्ण मंदिर में राधा उत्सव धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

बैंकों में त्योहारी सीजन में नकदी जुटाने की होड़: बचत खाते पर 7.5 प्रतिशत तक और एफडी पर 8.07 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे

नई दिल्ली।

त्योहारों में लोन डिमांड बढ़ने के बीच बैंकों में कैश की कमी है। इसके चलते बैंकों में जमाकर्ताओं को आकर्षित करने की होड़ मची है। बैंक अभी नया सेविंग्स अकाउंट खोलने पर 7.5 प्रतिशत तक ब्याज ऑफर कर रहे हैं। एफडी की दर 8.07 प्रतिशत तक पहुंच गई है। चुनिंदा रुपे डेबिट कार्ड पर कॉम्पलीमेंट्री लाउंज, प्रीमियम हेल्थ चेक-अप, ट्रैवल और पर्सनल एक्सिडेंट इंश्योरेंस कवरेज भी फ्री दिए जा रहे हैं। देश में बचत खाते पर औसतन 2.5-5 प्रतिशत ब्याज मिलता रहा है। पांच साल से एफडी की दर भी 7 प्रतिशत से ऊपर नहीं गई। लेकिन अभी बैंकिंग सिस्टम में कैश 6 महीनों के निचले स्तर पर आ गया है। इससे निपटने के लिए डिपॉजिट बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

बैंकिंग सेक्टर में अभी उपलब्ध कुछ आकर्षक ऑफर

मैक्सिमा सेविंग अकाउंट : उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक में नए खाते पर 7.5 प्रतिशत ब्याज। कम से कम 1 लाख रुपए से खाता खोलना होगा।

फेडरल बैंक : 13 महीने के एफडी पर सामान्य निवेशकों को 7.57 प्रतिशत और वरिष्ठ नागिरिकों को 8.07 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश।

एक्सिस बैंक : प्राइवेट सेक्टर का ये बैंक 7 दिन से लेकर 10 साल तक की एफडी पर सालाना 3.50 प्रतिशत से लेकर 8.05 प्रतिशत तक ब्याज दर का ऑफर दे रहा है।

सिलेक्ट डेबिट कार्ड : कुछ बैंक इस रुपे कार्ड के साथ प्रीमियम हेल्थ चेक-अप, ट्रैवल कूपन्स, पर्सनल एक्सिडेंट इंश्योरेंस जैसे ऑफर दे रहे हैं।

इस महीने खत्म हो रही एसबीआई वी केयर डिपॉजिट स्कीम - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की वी केयर डिपॉजिट स्कीम इस महीने यानी 30 सितंबर को खत्म हो रही है। इस स्कीम में सीनियर सिटीजंस को 5 साल या उससे ज्यादा समय के फिक्स्ड डिपॉजिट पर अतिरिक्त ब्याज दिया जाएगा। एसबीआई की इस स्कीम में सीनियर सिटीजन को 5 साल से कम के रिटेल टर्म डिपॉजिट पर आम पब्लिक के मुकाबले 0.50 प्रतिशत ज्यादा ब्याज मिलता है। वहीं वीकेयर डिपॉजिट स्कीम के तहत 5 साल या इससे ज्यादा की पर 1 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। हालांकि, मैच्योरिटी से पहले निकासी पर अतिरिक्त ब्याज नहीं दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

फोनपे लॉन्च करेगी ऐप स्टोरः एंड्रॉयड ऐप डेवलपर्स को इनवाइट किया, गूगल के दबदबे को चुनौती देगी कंपनी

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के निवेश वाली फोनपे एंड्रॉयड स्मार्टफोन यूजर्स के लिए ऐप स्टोर लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। फोनपे के ऐप स्टोर का नाम इंडस ऐपस्टोर होगा। कंपनी ने एंड्रॉयड ऐप डेवलपर्स को अपनी ऐप लिस्ट करने के लिए इनवाइट किया है। इसके जरिए कंपनी एंड्रॉयड ऐप डिस्ट्रिब्युशन में गूगल की मोनोपॉली (दबदबे) को चुनौती देना चाहती है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा, ऐप्स को जल्द ही लॉन्च होने वाले मेड-इन-इंडिया इंडस ऐपस्टोर पर लिस्ट किया जाएगा। यह 12 स्थानीय भाषाओं में होगा, जो पूरी तरह से भारतीय यूजर्स के हिसाब से कस्टमाइज होगा। ऐप डेवलपर्स को लुभाने के लिए फोनपे ने कहा कि इंडस डेवलपर प्लेटफार्म पर ऐप लिस्टिंग पहले साल के लिए फ्री होगी। इसके बाद हर साल मामूली फीस ली जाएगी। कंपनी ने अभी यह जानाकारी नहीं दी है कि एक साल के बाद डेवलपर से सालाना कितना फीस लेगी। कंपनी ने कहा कि ऐप डेवलपर्स से इन-ऐप पेमेंट के लिए कोई भी प्लेटफॉर्म फीस या कमीशन नहीं लिया जाएगा। डेवलपर्स अपनी पसंद के किसी भी पेमेंट गेटवे को अपने ऐप्स में देने के लिए स्वतंत्र रहेंगे। इंडस ऐपस्टोर के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर और को-फाउंडर आकाश डोंगरे ने कहा,भारत में 2026 तक स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या 1 अरब से ज्यादा पहुंचने की उम्मीद है। यह हमें नए जमाने का लोकलाइज्ड एंड्रॉयड ऐप स्टोर बनाने का बड़ा मौका देता है। इतना बड़ा कस्टमर मार्केट होने के बाद भी ऐप डेवलपर्स को हमेशा केवल एक के साथ काम करने के लिए मजबूर किया गया है।

सीएम की पत्नी ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ दर्ज किया 10 करोड़ रुपये की मानहानि का मुकदमा

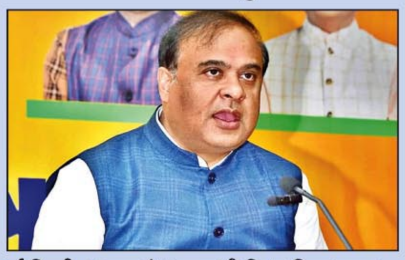

नई दिल्ली । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा ने खाद्य प्रसंस्करण परियोजना में अनियमितताओं के झूठे आरोपों को लेकर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के खिलाफ 10 करोड़ रुपये की मानहानि का मुकदमा दायर किया है। उनके वकील वरिष्ठ अधिवक्ता देवजीत सैकिया ने मीडिया को बताया कि मामला कामरूप मेट्रोपॉलिटन के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में दायर किया गया है और इसे 26 सितंबर को आगे बढ़ाया जाएगा। सैकिया ने कहा, मेरे मुवक्किल ने एक्स पर विभिन्न ट्वीट्स के लिए गौरव गोगोई के खिलाफ 10 करोड़ रुपये की मानहानि का दावा किया है। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमने सब्सिडी प्राप्त करने के लिए कभी कोई आवेदन नहीं किया। सैकिया ने आगे दावा किया कि सब्सिडी मांगने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है और इसके लिए उनके मुवक्किल की फर्म को इस साल 26 मई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसके बाद खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से एक ईमेल आया था। परियोजना के लिए मंजूरी 26 नवंबर, 2022 को दी गई थी। पिछले ईमेल में, हमें बताया गया था कि अगर हमने अपना प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया तो हमारा दावा समाप्त हो जाएगा। हम सब्सिडी मांगने के लिए किसी भी चीज का जवाब नहीं दे रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता ने दावा किया कि गोगोई ने सरमा और उनकी कंपनी प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स के बारे में सोशल मीडिया पर जो कुछ भी कहा, वह जानकारी तथ्यों पर आधारित नहीं थी। उन्होंने कहा, उन्होंने (गोगोई ने) अपना होमवर्क नहीं किया।

सितंबर 2024 तक लाइसेंस फ्री इंपोर्ट कर पाएंगे आईटी ट्रेडर्स : लैपटॉप, टैबलेट और कंप्यूटर के इंपोर्ट पर फिलहाल कोई प्रतिबंध या ड्यूटी नहीं

नई दिल्ली । लैपटॉप, टैबलेट और कंप्यूटर के इंपोर्ट के लिए फिलहाल लाइसेंस की जरूरत नहीं होगी। सरकार ने कहा है कि ट्रेडर्स इन आईटी प्रोडक्ट्स का लाइसेंस फ्री इंपोर्ट 30 सितंबर 2024 तक कर पाएंगे। यानी सरकार इन प्रोडक्ट से इंपोर्ट पर कोई क्वांटिटी कंट्रोल भी नहीं करेगी। इस फैसले से डेल, एपल, सैमसंग और आसुस जैसे ग्लोबल मैन्युफैक्चरर को फायदा मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार इन आईटी प्रोडक्ट्स के इंपोर्ट पर कोई तत्काल प्रतिबंध भी नहीं लगाने वाली है। अक्टूबर 2024 तक किसी भी इंपोर्टर के लिए बाहर से पूरी तरह से असेंबल किए हुए आईटी प्रोडक्ट के इंपोर्ट पर एक्स्ट्रा ड्यूटी भी नहीं देनी होगी।

26 सितंबर को रोलआउट होगा माइक्रोसॉफ्ट विंडो एआई असिस्टेंट

1 नवंबर से अवेलेबल होगा ऐप, डेटा प्रोसेसिंग और स्प्रेडशीट एनालिसिस होगा आसान

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प 26 सितंबर को विंडोज और ऑफिस के लिए एआई असिस्टेंट रोलआउट करने जा रहा है। कंपनी ने इसका नाम माइक्रोसॉफ्ट को-पायलट दिया है। इस प्रोडक्ट के जरिए यूजर वेब बेस्ड डेटा और कंपनी के इंटरनल डेटा को प्रोसेस कर पाएंगे। इसका इस्तेमाल स्प्रेडशीट एनालिसिस करने, स्लाइड-शो बनाने और बिजनेस में आने वाले चैलेंज का अनुमान लगाने के लिए किया जा सकेगा। कंपनी ने कहा है कि ऑफिस एआई ऐप 1 नवंबर से सबके लिए अवेलेबल हो जाएगा।

यूजर्स को हर महीने देने होंगे 2,485 रुपए

माइक्रोसॉफ्ट ने इस ऑफिस प्रोडक्ट को मार्च में पेश किया था। इसे 600 यूजर्स पर टेस्ट किया गया है। कंपनी ने कहा है कि इस प्रोडक्ट के लिए हर यूजर को हर महीने 30 डॉलर यानी करीब 2,485 रुपए देने होंगे। यह फीस मौजूदा बिजनेस कस्टमर्स से भी चार्ज की जाएगी।

अलग-अलग ऑपरेटिंग सिस्टम और डिवाइस पर काम करेगा एआई असिस्टेंट

न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के को-पायलट-ब्रांडेड एआई असिस्टेंट अलग-अलग ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लिकेशन और डिवाइस पर काम करेगा।

सत्य नडेला ने कहा कि लोगों के लिए एआई भी मैजिक बना हुआ है। इसलिए जरूरी है कि रिसर्च, प्रोडक्टिविटी, ऑपरेटिंग सिस्टम डिवाइसेस जैसे अलग-अलग कैटेगरी एक साथ आकर काम और डेवलप करें।

एआई से फ्रेश कंटेंट बनाने के तकनीक पर 1 लाख करोड़ इन्वेस्ट कर रहा है माइक्रोसॉफ्ट

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले कुछ सालों से माइक्रोसॉफ्ट बड़े डेटा बेस के जरिए फ्रेश कंटेंट बनाने

के लिए अपने प्रोडक्ट्स में बदलाव कर रहा है। ये बदलाव विंडोज, ऑफिस, बिंग सर्च, सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर, और कंज्यूमर एंड फाइनेंस सॉल्यूशंस में किया जा रहा है। यह इनिशिएटिव, की टेक्नोलॉजी पर काम करती है। इसमें कंपनी ने 13 बिलियन डॉलर यानी करीब 1 लाख 8 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया है।

मई में लॉन्च किया था विंडो प्रोडक्ट असिस्टेंट

मई में माइक्रोसॉफ्ट ने कस्टमर्स के लिए एक विंडो प्रोडक्ट असिस्टेंट लॉन्च किया था। इसके जरिए यूजर टैक्स्ट को कॉपी-पेस्ट, री-राइटिंग, समरी तैयार करने और कंटेंट को एक्सप्लेन करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा यूजर्स को-पायलट से बिंग एआई चैट की तरह सवाल जवाब भी कर सकते हैं। इस असिस्टेंट फीचर को यूजर्स स्क्रीन के टास्कबार से एक्सेस कर सकते हैं।

भविष्य में सेमीकंडक्टर की मांग बढ़कर पांच लाख करोड़ रुपये पर पहुंचेगी, बोले अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली । अमेरिकी चिप निर्माता माइक्रोन ने गुजरात के साणंद औद्योगिक क्षेत्र में 2.75 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर परीक्षण और पैकेजिंग संयंत्र के पहले चरण के निर्माण को हरी झंडी दिखाने के लिए एक ग्राउंडब्रेकिंग समारोह आयोजित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि कहा कि अगले छह महीनों में अहमदाबाद और साणंद के बीच एक हाई-स्पीड ट्रेन चलना शुरू हो जाएगी। सेमीकंडक्टर कंपनी माइक्रॉन के संयंत्र के शिलान्यास समारोह में वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें साणंद में भी रुकेंगी। रेल मंत्री ने कहा कहा, अहमदाबाद से साणंद के बीच एक विश्व स्तरीय ट्रेन शुरू होगी। हाई-स्पीड ट्रेन बहुत जल्द, अगले छह महीनों में शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 सितंबर को जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में बात करते हुए, वैष्णव, जिनके पास संचार और आईटी विभाग भी है, ने कहा, अगले कुछ वर्षों में सेमीकंडक्टर की मांग बढ़कर 5 लाख करोड़ रुपये होने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण डिजाइन और मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर के साथ देश के भविष्य का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर स्पेस में गुजरात ने बाजी मारी है। माइक्रोन ने जून में गुजरात में 2.75 अरब डॉलर (करीब 22,540 करोड़ रुपये) के निवेश से सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की थी। कंपनी ने साणंद में नई असेंबली और परीक्षण सुविधा के चरणबद्ध निर्माण के लिए टाटा प्रोजेक्ट्स को शामिल किया है।

डेल्टा कॉर्प को 11,139 करोड़ रुपए का जीएसटी नोटिसः कंपनी पर टैक्स जमा नहीं करने का आरोप

नई दिल्ली।

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस ने देश की सबसे बड़ी कसिनो चेन डेल्टा कॉर्प को 11,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी डिमांड नोटिस दिया है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, कंपनी को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस हैदराबाद से छ्जीएसटी एक्ट 2017 और गोवा स्जीएसटी 2017 की सेक्शन 74 (5) के तहत बकाया टैक्स पेमेंट और जुर्माने के पेमेंट करने के लिए यह नोटिस मिला है।

जुलाई 2017 से मार्च 2022 की अवधि के लिए जीएसटी का कम भुगतान किया

हालांकि, कंपनी ने इसे अदालत में चुनौती देने की बात कही है। आरोप है कि कंपनी ने जुलाई 2017 से मार्च 2022 की अवधि के लिए जीएसटी का कम भुगतान किया है। कंपनी को ब्याज और जुर्माने के साथ टोटल 11,139 करोड़ रुपए का टैक्स पेमेंट करने की सलाह दी गई है, ऐसा न करने पर कंपनी को धारा 74(1) के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

ये राशि उस अवधि के दौरान कैसीनो में खेले गए सभी गेम्स के ग्रॉस बेटिंग वैल्यू पर बेस्ड

नोटिस में कहा गया है कि ये राशि उस अवधि के दौरान कैसीनो में खेले गए सभी गेम्स के ग्रॉस बेटिंग वैल्यू पर बेस्ड है। ग्रॉस गेमिंग रेवेन्यू के बजाय ग्रॉस बेटिंग वैल्यू पर जीएसटी की मांग इस इंडस्ट्री को परेशान करती रही है। इस संबंध में इंडस्ट्री सरकार से पहले ही कई बार बात कर चुकी है, मगर ये मसला अभी भी सुलझा नहीं है।

इस मसले पर डेल्टा कॉर्प कानूनी सलाह ले रही है। अब तक उसे जो सुझाव मिला है, उसके मुताबिक जीएसटी नोटिस मनमाना और कानून के विपरीत है। कंपनी ऐसे टैक्स डिमांड को चुनौती देने के लिए सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेगी।

एसबीआई को काम आई चॉकलेट-स्ट्रैटजीः कर्जदारों ने चुकाए 2 करोड़, बैंक समय पर ईएमआई न देने वालों को घर भेज रहा चॉकलेट

नई दिल्ली।

लोन की ईएमआई देने में लापरवाही करने वाले कर्जदारों के घर चॉकलेट भेजने का भारतीय स्टेट बैंक का प्लान काम कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चॉकलेट-स्ट्रैटजी के बाद बैंक को करीब 2 करोड़ रुपए की पर्सनल और बिजनेस लोन की ईएमआई मिली है। हाल ही में एसबीआई ने ईएमआई नहीं देने वाले ग्राहकों के घर चॉकलेट भेजना शुरू किया था। तब बैंक ने कहा था, कई ग्राहक बैंक की ओर से पेमेंट की याद दिलाने वाले कॉल का कोई जवाब नहीं देते हैं। इसलिए उनके घर पर बिना उन्हें सूचित किए चॉकलेट लेकर जाना एक अच्छा ऑप्शन है।

फिनटेक कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहे

ग्राहकों को चॉकलेट भेजने के प्लान पर एसबीआई के रिस्क, कंप्लायंस एंड स्ट्रेस एसेट के मैनेजिंग डायरेक्टर अश्विनी कुमार तिवारी ने कहा था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का यूज करने वाली दो फिनटेक कंपनियों के साथ मिलकर कर्जदारों को उनकी जिम्मेदारी याद दिला रहे हैं। हालांकि, उन्होंने दोनों फिनटेक कंपनियों का नाम

बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा अभी इसे 15 दिन पहले लागू किया गया है। सफल होने पर हम औपचारिक रूप से इसकी घोषणा करेंगे। एसबीआई ने 4 अगस्त के नतीजे जारी किए थे। जून तिमाही में बैंक को सालाना आधार पर 178.24 प्रतिशत बढ़कर 16,884 करोड़ का नेट प्रॉफिट हुआ था। एक साल पहले बैंक को 6,068 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। 2023 की जून क्वार्टर में बैंक का रिटेल लोन 16.46 प्रतिशत बढ़ कर 12.04 लाख करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले इसी क्वार्टर में यह अमाउंट 10.34 लाख करोड़ रुपए था। यह लोन पर्सनल, ऑटो, और होम लोन के रूप में लिया गया है।

इस हफ्ते सोना फिसला, चांदी के दाम बढ़े: सोना फिर 59 हजार पर आया, चांदी 73 हजार के पार निकली

नई दिल्ली।

इस हफ्ते सोने के दाम में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 18 सितंबर को सोना 59,320 रुपए पर था, जो अब, यानी 23 सितंबर को 59,134 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 186 रुपए की गिरावट आई है।

चांदी की कीमत में रही तेजी - इस हफ्ते चांदी में हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 72,115 रुपए पर थी, जो अब 73,175 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,060 रुपए बढ़ी है।

आने वाले दिनों में बढ़ सकते हैं दाम - एक्सपर्ट्स के अनुसार त्योहारों में सोने-चांदी की बीच मांग बढ़ेगी। इसके चलते दिवाली तक सोना 62,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 78-80 हजार रुपए प्रति किलो तक जा सकती है। 2023 के अंत तक सोना 65,000 रुपए का और चांदी 90,000 रुपए तक पहुंचने की संभावना है।

गोल्ड ईटीएफ में अगस्त में आया रिकॉर्ड निवेश - गोल्ड ईटीएफ (गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में बीते महीने यानी अगस्त में 1,028 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। ये गोल्ड ईटीएफ में 16 महीनों का रिकॉर्ड निवेश है। इससे पहले अप्रैल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण इसमें 1,100 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। इस साल अमेरिका में ब्याज दरें लगातार बढ़ने से रिस्क बढ़ने के चलते गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा है। म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में 2023 में अब तक 73.40 प्रतिशत निवेश सिर्फ अगस्त में आया। इस साल में अगस्त तक इसमें कुल 1,400 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। जुलाई में गोल्ड ईटीएफ में 456 करोड़ रुपए आए थे।

एटीएम से नहीं निकला कैश और अकाउंट से कट गए पैसे, घबराएं नहीं करना होगा बस इतना सा काम

नई दिल्ली ।

डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए कई लोग कैशलेस पेमेंट करना काफी पसंद करते हैं। परंतु कई बार हमें कैश की जरूरत पड़ती है। ऐसे में एटीएम का होना बहुत जरूरी होता है। यह कैश निकालने के लिए काफी आसान है। इस से आप कहीं भी बड़ी आसानी से कैश निकाल सकते हैं। कई बार एटीएम से कैश निकालने में हमें काफी परेशानी का सामना करना होता है।

इसके अलावा एटीएम कार्ड के जरिये फ्रॉड भी होते हैं। ऐसे में आपको एटीएम का इस्तेमाल करते समय काफी सावधानी की जरूरत है। क्या आपके साथ ऐसा कभी हुआ है कि एटीएम से कैश नहीं निकला है और अकाउंट से डिडक्ट हो गया है। अगर आपके साथ ऐसा होता है तो आपको क्या करना चाहिए हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिससे आपके डिडक्ट अमाउंट वापस आ जाएगा।

एसएमएस से मिलेगी जानकारी

जब खराब तकनीक की वजह से एटीएम से कैश नहीं निकलते हैं तो आपके पास मैसेज आ जाता है। इस मैसेज में आपको बताया जाता है कि आपके अकाउंट से पैसे कट चुके हैं। ऐसी स्थिति में हमें काफी चिंता हो जाती है। कई बार डिडक्ट किये गए राशि आपके अकाउंट में वापस आ जाते हैं।

वहीं, फ्रॉड के कारण भी आपके अकाउंट से पैसे निकाल सकते हैं। कई लोग एटीएम मशीन से छेड़छाड़ करते हैं और बाद में वह अकाउंट से पैसे निकाल लेते हैं।

क्या करें

अगर आपके साथ कभी भी ऐसा होता है तो आपको सबसे पहले बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क करना चाहिए। आप अपनी समस्या को नोट भी करवा सकते हैं। कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव एक शिकायत दर्ज करता है और हमें शिकायत ट्रैकिंग रिकॉर्ड देता है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार इस तरह के परेशानी में बैंक को 7 दिन के भीतर शिकायत का समाधान करना होता है और अकाउंट होल्डर के अकाउंट में पैसे जमा करने होते हैं।

मुआवजा का प्रावधान

अगर बैंक अकाउंट होल्डर के अकाउंट में पैसे जमा नहीं करते हैं तो बैंक आपको मुआवजा देती है। आरबीआई के निर्देशों के अनुसार बैंक को 5 दिन के भीतर शिकायत का समाधान करना होता है। अगर बैंक 5 दिन के भीतर समाधान नहीं करता है तो बैंक को 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मुआवजा देना होता है। इसके अलावा ग्राहक पर भी शिकायत दर्ज कर सकता है।

2022-23 के लिए रिफंड का तेजी से निपटान करने के लिए आयकर विभाग ने की अपील

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शनिवार को करदाताओं से पिछले वर्षों की बकाया मांगों के बारे में आयकर विभाग मिली सूचना का जवाब देने को कहा है ताकि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रिफंड का तेजी से निपटान किया जा सके। कुछ करदाताओं द्वारा सोशल मीडिया पर आयकर विभाग से पूर्व में की गई कर मांगों के बारे में सूचना मिलने के बीच विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह करदाताओं के अनुकूल कदम है जहां करदाताओं को नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप अवसर प्रदान किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में अर्जित आय के लिए 7.09 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। इनमें से 6.96 करोड़ आईटीआर का सत्यापन किया जा चुका है, जिनमें से 6.46 करोड़ रिटर्न को प्रोसेस किया जा चुका है, जिसमें 2.75 करोड़ रिफंड रिटर्न शामिल हैं। विभाग ने कहा, हालांकि, कुछ मामले ऐसे हैं जिनमें करदाताओं का रिफंड बकाया है, लेकिन पिछली मांगें बकाया हैं। आयकर अधिनियम, 245 की धारा 1 1961 करदाताओं को मौजूदा मांग के खिलाफ रिफंड को समायोजित करने से पहले एक प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान करती है। करदाता को मांग की स्थिति से सहमत, असहमत या स्पष्ट करना आवश्यक है। इसमें कहा गया है, पिछले वर्षों में मौजूदा मांग वाले करदाताओं को सूचित किया जा रहा है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और लंबित मांगों की सफाई या सुलह करने और समय पर रिफंड जारी करने की सुविधा के लिए इस तरह की सूचनाओं का जवाब दें। आयकर विभाग ने कहा कि वह आयकर रिटर्न (आईटीआर) की प्रक्रिया को पूरा करने और रिफंड को तेजी से जारी करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

विवादित शो बिग बॉस की फिर हो रही वापसी

-शो के 17वें सीजन को लेकर फैंस में एक्साइटमेंट

मुंबई (ईएमएस) । बालीवुड के दबंग भाईजान सलमान खान का विवादित शो बिग बॉस एक बार फिर वापसी करने वाला है। हाल ही में बिग बॉस 17 का प्रोमो जारी किया गया था, जिसमें सलमान खान बताते हुए नजर आए थे कि इस बार कंटेस्टेंट्स को दिल, दिमाग और दम तीनों से काम लेना पड़ेगा। शो के 17वें सीजन को लेकर फैंस के बीच अभी से एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। अब बिग बॉस 17 में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट्स को लेकर अपडेट आ रही है। शो को लेकर कहा जा रहा है कि नए सीजन में यूट्यूबर्स को जरूर शामिल किया जाएगा।बिग बॉस ओटीटी 2 में एल्विश यादव, अभिषेक मल्हान और मनीषा रानी जैसे इन्फ्लुएंसर्स ने शो को पॉपुलैरिटी दोगुनी कर दी थी। ऐसे में अब बिग बॉस 17 में शामिल होने के लिए एक बेहद फेमल सोशल मीडिया स्टार का नाम शामिल आ रहा है। बिग बॉस से जुड़ी अपडेट शेयर करने वाले एक फैन पेज के अनुसार, बिग बॉस 17 में यूट्यूबर अरमान मलिक शामिल हो सकते हैं। फिलहाल उनके बातचीत चल रही है, जो अपने अंतिम पड़ाव पर है। सब कुछ फाइनल हो गया तो अरमान मलिक, सलमान खान के शो में एंटरटेन करते हुए नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी शो के मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अरमान मलिक के प्रोफाइल की बात करें तो वो यूट्यूब की दुनिया का बड़ा नाम हैं। अरमान अपनी दो बीवियां पायल मलिक और कृतिका मलिक के कारण चर्चा में बने रहते हैं। कुछ महीनों पहले अरमान की पहली पत्नी पायल मलिक ने जुड़वा बच्चों का जन्म दिया था। वो पहले से एक बेटे चिरायु मलिक की मां है। अरमान की दूसरी पत्नी कृतिका भी एक बेटे की मां हैं।

किम ने शेयर की अपनी स्टनिंग तस्वीरें

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन ने अपनी कुछ स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। दरअसल, किम कार्दशियन की ये तस्वीरें किसी इवेंट की हैं, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इन तस्वीरों में किम बेबी पिंक कलर के शिमरी गाउन में बेहद स्टनिंग लग रही हैं। इस स्किनफिट गाउन में एक्ट्रेस का किलर फिगर देखने को मिल रहा है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग हील्स पेयर की हैं। न्यूड मेकअप और खुले बालों से किम ने अपने लुक को कंप्लीट किया है। बता दें, किम कार्दशियन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 364 मिलियन फॉलोअर्स हैं। बता दें कि हॉलीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन अपने लुक्स को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं।

वह सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड एंड ग्लैमरस फोटोज शेयर कर कहर बरपाती रहती हैं।

प्रियंका चोपड़ा के जेठ-जेठानी में तकरार, लगाया गंभीर आरोप

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के ससुराल में इन दिनों जेठ-जेठानी में भारी तकरार हो रही है, जिसकी वजह है वहां कलह मची पड़ी है। गौरतलब है कि पिछले दिनों ही प्रियंका के जेठ-जेठानी सोफी टर्नर और जो जोनास ने अपने अलग होने की खबर देकर सबको हैरान कर दिया। दोनों ने 6 सितंबर को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए पुष्टि की थी कि दोनों अलग हो रहे हैं। इस बीच सोफी टर्नर ने अलग रह रहे पति जो जोनास पर दोनों बेटियों को गलत तरीके से अपने पास रखने का आरोप लगाया है। उसने पति के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है। सोफी ने जो जोनास पर आरोप लगाया कि उन्होंने 3 वर्षीय वेला और उनकी 14 महीने की दूसरी बेटी का पासपोर्ट अपने पास रख लिया है। अभिनेत्री ने अपनी दोनों बेटियों की वापसी की मांग की है। अलग हो चुके अपने पति जो जोनास के खिलाफ गेम ऑफ थ्रोन्स एक्ट्रेस ने मैनहट्टन के एक कोर्ट में मुकदमा दायर करते हुए अपनी बेटियों के इंग्लैंड वापसी की डिमांड की है।

दायर मुकदमे में कहा है कि बेटियों के पिता जो जोनास ने उनकी इंग्लैंड वापसी पर रोक लगा दी है और दोनों के पासपोर्ट अपने पास रख लिए हैं। ये अंग्रेजी कानून के तहत मां के अधिकारों का उल्लंघन है। इंग्लैंड बच्चों का आदतन निवास है। सोफी ने जो पर बेटियों को बिना बताए गलत तरीके से अपने पास रखने का आरोप लगाते हुए दोनों बेटियों की तत्काल वापसी की मांग की है। एंटरटेनमेंट वीकली द्वारा प्राप्त दस्तावेजों में, यह पता चला कि 3 वर्षीय वेला और दूसरी बेटी के पास यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका की दो नागरिकता है।

निर्देशक रवि जाधव और निर्माता विनोद भानुशाली ने दो नई फिल्मों के लिए मिलाए हाथ

निर्माता-निर्देशक जोड़ी, विनोद भानुशाली और रवि जाधव दो नई फिल्मों लिए साथ आए और दर्शकों को यादगार सिनेमाई अनुभव देने का वादा किया। 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के निमार्ता भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड के विनोद भानुशाली और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक रवि जाधव ने एक नहीं, बल्कि दो-दो फिल्में साथ करने की घोषणा की है। यह निमार्ता-निर्देशक जोड़ी, प्रतिभाशाली पंकज त्रिपाठी स्टारर अपने लेटेस्ट वेंचर "मैं अटल हूं" पर साथ काम कर रही है, जो दर्शकों को और यादगार सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है। विनोद भानुशाली कहते हैं, "अपनी कला के प्रति रवि की प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है। मैं भविष्य की कहानियों पर उनके साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। उनकी रचनात्मक दृष्टि और कहानी कहने की क्षमता दर्शकों के लिए सार्थक और मनोरंजक फिल्में लाने की हमारी प्रतिबद्धता के साथ पूरी तरह मेल खाती है।" रवि जाधव कहते हैं, "मैं विनोदजी का आभारी हूं, जिन्होंने लेखकों और निर्देशकों को आकर्षक कहानियां बुनने की हमेशा आजादी दी है। फिल्म मेकिंग प्रक्रिया में उनका विश्वास सशक्त है। मैं हमारे साझा नजरिए को सामने लाने के लिए उत्सुक हूं।" विनोद भानुशाली और रवि जाधव की इन रोमांचक आगामी फिल्मों के बारे में अधिक जानकारी के लिए हमारे साथ बने रहें, क्योंकि वे दर्शकों को कभी न भूलने वाली सिनेमाई यात्रा पर ले जाने का वादा करते हैं। इन प्रोजेक्ट से जुड़ी बाकी जानकारी का एलान भी जल्द किया जाएगा।

जवान के निर्देशक ने सुनाया मजेदार किस्सा

-शाहरुख से पहली मुलाकात में हो गए थे कंफ्यूज

मुंबई (ईएमएस) । बालीवुड की ब्लाकबस्टर फिल्म जवान के बाद लगातार दूसरी बड़ी हिट के साथ बॉलीवुड में अपनी बादशाहत बरकरार रखने वाले शाहरुख ने एटली निर्देशित फिल्म में दोहरी भूमिकाएं निभाई हैं। निर्देशक एटली, जिनकी हालिया रिलीज जवान बॉक्स-ऑफिस पर धूम मचा रही है, ने साझा किया है कि बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ उनकी पहली मुलाकात कैसी थी। एटली ने बताया कि जब वह शाहरुख से मिले, तो बॉलीवुड सुपरस्टार ने उनसे कहा कि वह एक एटली फिल्म करना चाहते हैं, इस फ्रेज ने खुद निर्देशक को भी कंफ्यूज कर दिया। निर्देशक ने बताया, जब हम पहली बार मिले तो शाहरुख सर ने मुझसे कहा कि मैं एटली फिल्म करना चाहता हूं। मैंने उनसे पूछा, सर, एटली फिल्म क्या है? मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना चाहता हूं, जिसमें एक मास डायरेक्टर के रूप में आपके सिग्नेचर हों। जब शाहरुख ने उन्हें बताया कि फिल्म पूरी तरह से उनकी होगी और उस पर उनके सिग्नेचर होंगे, तो इससे निर्देशक खुश हो गए। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे शाहरुख सर, नयनतारा मैम, विजय सेतुपति, दीपिका मैम से लेकर ऐसी अद्भुत टीम मिली, उन्होंने मुझे मेरी सीमा तक पहुंचाया और मुझे बेस्ट दिया। जवान का कैनवास जितना बड़ा है, इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है, क्योंकि फिल्म को बनाने में 4 साल लग गए। महामारी के चलते शूटिंग प्रभावित रही। साइन करने से पहले, निर्देशक ने स्ट्रीमिंग मीडियम पर आने के बाद अपनी हालिया ब्लॉकबस्टर रिलीज के एक स्पेशल ओटीटी कट का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा, मैं ओटीटी ऑडियंस के लिए कुछ खास और ज्यादा देने के लिए काम कर रहा हूं। ऐसा हो भी सकता है और नहीं भी। लेकिन, दर्शक वर्तमान में सिनेमाघरों में जो देख रहे हैं, उसमें मैं दो या तीन मिनट जोड़ने पर काम कर रहा हूं। यह ओटीटी दर्शकों के लिए मेरे लिए थोड़ा आश्चर्य की तरह होगा। निर्देशक ने साझा किया, मुझे मेरे परिवार से बहुत समर्थन मिला, मेरी पत्नी प्रिया मेरी रीढ़ हैं। और, दूसरे मिस्टर खान थे, उन्होंने मुझे इस फिल्म के निर्माण के दौरान पिछले 4 वर्षों में एक टीम के रूप में सामने आई सभी चुनौतियों से लड़ने की ताकत दी।

ओटीटी डेब्यू करने तैयार नरगिस फाखरी

बालीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कहा, वाराणसी की मेरी पहली यात्रा किसी रोमांच से कम नहीं थी। मैंने हमेशा शहर की पवित्रता और दुनिया के सबसे पुराने स्थानों में से एक के रूप में इसके स्थान के बारे में सुना था। एक भावुक यात्री के रूप में, जो नई जगहों की खोज करना पसंद करती है, वाराणसी मेरे लिए बहुत खास साबित हुई है। शाम की आरती समारोह से लेकर सुबह की शांत गंगा में नाव की सवारी तक, हमारी शूटिंग के दौरान घाटों पर सूर्योदय और सूर्यास्त देखना और राजसी पुराने मंदिरों की व्यक्तिगत प्रशंसा करना, मुझे शहर की संस्कृति और इतिहास से जोड़ती है। जैसा कि नरगिस फाखरी टटलूबाज के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। यह सीरीज दर्शकों को वाराणसी की प्राचीन सड़कों के माध्यम से नरगिस की यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है, जो टटलूबाज को सिर्फ एक शो ही नहीं बल्कि एक वास्तविक और समृद्ध अनुभव बनाता है।

म्यूजिक वीडियो टाइम्म से मचा दिया हंगामा

मल्टी टैलेंटेड एक्ट्रेस रिताभरी चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट म्यूजिक वीडियो टाइम से हंगामा मचा दिया है। यह वीडियो अब रिलीज हो गया है। इस ट्रैक में सिंगर निकिता गांधी ने रिताभरी के साथ मिलकर काम किया। इस गाने ने एक कलाकार के रूप में रिताभरी की बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। निकिता ने कहा, ह्लइन दिनों हम जिस साउंडस्केप से घिरे हुए हैं, उसके लिए यह गाना वास्तव में एक ताजा रिकॉर्ड है! मुझे टाइम बेबी के बोल बहुत पसंद है। इंडस्ट्री में एक जैसी सोच वाले लोगों के साथ काम करना बेहद अच्छा लगता है। संबित और मैं बहुत समय से एक दूसरे को जानते हैं और रिताभरी के साथ गाने पर काम करना बेहद खुशी की बात थी। रिताभरी ने कहा, मैं निकिता गांधी के साथ अपने लेटेस्ट म्यूजिक वीडियो टाइम को शेयर कर के बहुत खुशी महसूस कर रही हूं। इस प्रोजेक्ट ने मुझे अपनी टैलेंट के एक नए आयाम को खोजने की अनुमति दी। इस प्रोजेक्ट के लिए मुझे गाने के बोल तैयार करने में योगदान देने का अवसर मिला। टाइम कोलैबोरेशन और कि- एटिविटी का एक प्रमाण है और मुझे आशा है कि यह आप सभी को बहुत पसंद आएगा।

यूपी के जसनील कुमार बने केबीसी 15 के दूसरे करोड़पति, जीत की राशि से बनाएंगे घर

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूपी के जसनील कुमार केबीसी 15 के दूसरे करोड़पति बन गए हैं। उन्होंने यह राशि घर बनाने पर खर्च करने की बात कही है। गौरतलब है कि क्विज बेस्ड रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 सोनी टीवी पर आ रहा है। शो को यूपी के जसनील कुमार के रूप में अपना दूसरा करोड़पति मिल गया है, जबकि पहले करोड़पति पंजाब के जसकरण सिंह थे। 36 वर्षीय जसनील उत्तर प्रदेश के अनवाक के रहने वाले हैं, जो आजमगढ़ जिले का एक छोटा सा गांव है। वह एक रिटेल गारमेंट स्टोर में काम करते हैं। उनके परिवार में माता, पिता, दादा, उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। उनके चार छोटे भाई और दो बहनें भी हैं। एपिसोड 29 में मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने जसनील से पूछा कि आपकी वर्तमान इच्छा एक अच्छा घर बनाने की है। क्या आपकी कोई और इच्छा है? इस पर जसनील ने कहा कि सर, जैसा मैंने आपको बताया, ऐसा नहीं है कि मैं अपने बारे में नहीं सोचता। मेरे सपने भी थे और इच्छाएं भी, जब मैं पढ़ रहा था तो मेरी इच्छा थी कि मेरे पास अच्छे कपड़े हों। मैं भी यात्रा करना चाहता था। बिग बी ने कहा, दोनों इच्छाएं पूरी हो गईं। मुंबई की यात्रा की। अच्छे कपड़े भी मिले। बता दें कि स्टूडियो के तेज एसी के कारण जसनील को ठंड लग रही थी। अमिताभ बच्चन ने अपनी पर्सनल जैकेट मंगवाई और उन्हें गिफ्ट कर दी। जसनील ने कहा, बड़े बेटे के तौर पर मुझे कई जिम्मेदारियां निभानी होंगी।

अगर मैं इस कमाई से कोशिश भी करूं तो इसमें मुझे पूरी जिंदगी लग सकती है। केबीसी एक ऐसा मंच है, जो रातों-रात मेरे परिवार की किस्मत बदलने में मेरी मदद कर सकता है। मैं जो भी पुरस्कार राशि जीतूंगा, उसका उपयोग मैं अपना घर बनाने के लिए करूंगा। इसके बाद बिग बी ने उनसे एक करोड़ रुपये के लिए सवाल पूछा। सवाल था, किसके द्वारा किए गए यज्ञ के बाद बचे सोने का उपयोग पांडवों ने अपने खजाने को फिर से भरने और अश्वमेध यज्ञ आयोजित करने के लिए किया था? दिए गए विकल्प थे - एः विकर्ण, बीः मरुत्ता, सीः कुबेर और डीः लिखिता। जसनील ने सही उत्तर दिया, जो मारुत्ता था, और एक करोड़ रुपये की बड़ी राशि जीती। उनके आंखों से खुशी के आंसू छलकने लगे। इसके बाद अमिताभ ने उनसे सात करोड़ रुपये के लिए आखिरी सवाल पूछा कि भारतीय मूल की लीना गाडे कौन सी रेस जीतने वाली पहली महिला रेस इंजीनियर हैं? दिए गए विकल्प थे- एः इंडियानापोलिस 500, बीः ले मैन्स के 24 घंटे, सीः सेब्रिंग के 12 घंटे और डीः मोनाको ग्रांड प्रिक्स। जस्निल ने सही उत्तर का अनुमान लगाया, जो विकल्प बी था - 24 घंटे ले मैन्स। हालांकि, वह उत्तर को लेकर निश्चित नहीं थे, और उनके पास कोई लाइफ लाइन नहीं बची थी, इसलिए उन्होंने शो छोड़ने का फैसला किया, और एक करोड़ रुपये घर ले गए।

राजवीर और पलोमा का नया गाना "रांगला" हुआ रिलीज

राजवीर देओल और पलोमा अपनी डेब्यू फिल्म दोनों के साथ बिग स्क्रीन्स पर दस्तक देने से बस कुछ ही दिन दूर हैं। ऐसे में लोगों में उत्साह भी साफ दिखने लगा है, जिसे और ज्यादा बढ़ाते हुए मेकर्स ने फिल्म से नए जमाने के रोमांस का एक और दिलचस्प गाना पेश किया है। रांगला नाम का यह गाना फिल्म की जान माना जा रहा है। यह प्रतिभा सिंह बघेल और शंकर महादेवन द्वारा गाया गया एल्बम का सबसे शानदार ट्रैक है। रांगला आपकी आत्मा को छू लेगा, इसका संगीत और गीत शंकर-एहसान-लॉय और इरशाद कामिल ने दिए हैं। इससे पहले सामने आए फिल्म के दो गाने जिसमें टाइटल ट्रैक और "अग्ग लगदी" शामिल है, दर्शकों को बहुत पसंद आए थे। और अब दोनों एल्बम का यह लेटेस्ट गाना इस साल का लव सॉन्ग बनने के लिए तैयार है। गाने के बारे में बात करते हुए, सूरज बड़जात्या कहते हैं, "अवनीश ने इस गाने पर बहुत काम किया है, मुझे लगता है कि यह एल्बम से उनका पसंदीदा गाना है, क्योंकि उन्होंने रांगला पर काफी मेहनत की है।" अवनीश कहते हैं, "रांगला बहुत खास है, यह दोनों के सार को खूबसूरती से बांधता है। यह एक लव गीत है, जिसकी निश्चित रूप से अपनी एक आत्मा है, और यही बात मुझे इसके बारे में सबसे ज्यादा पसंद है।" राजवीर कहते हैं, "यह एक ऐसा गाना है, जिसमें आप खो जाते हैं। यह वास्तव में दोनों की आत्मा है। रांगला आखिरी गाना था जिसे हमने शूट किया था, और यह फिल्म और फिल्म में हमारी यात्रा का बेहद सुंदर अंजाम था।" पालोमा कहती हैं, "रांगला फिल्म की जान है! रांगला की खूबसूरती यह है कि जब भी आप इसे सुनते हैं तो यह एक नया गाना बन जाता है। लीरिक्स, आवाज, धुन सभी में आपके दिलों को छू लेने की ताकत है। फिल्म में रांगला के आने का इंतजार कीजिए और आपको इस्के हर हिस्से से प्यार हो जाएगा।" दो अजनबियों और एक मंजिल की कहानी "दोनों" 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6562

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6561 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल- 7309

मुं	क	ल	व	ग	ब	ना	क	बें	ग	क
ब	वि	ल	मुं	चे	जी	ग	द	ह	ला	ड़
ई	स	ल	ल	र्म	छ	पु	आ	दि	ख	क
क	स	ज	य	पु	र	र	प	ल	ल्ली	क
क	क	दो	ग	ला	द	र	तू	ग	झ	क
दि	क	ल	प	बा	झ	पू	ना	ण	घ	को
ती	इ	ल	दा	सं	प	ल	श	बें	ला	ल
क	ता	म	ई	धा	ब	क	फ	ग	श	का
क	ह	चे	न्न	ई	क	स	री	लो	प	ता
अ	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	र	प	रु
क	चे	ल	प	है	द	रा	बा	द	प	क

शब्द जाल में 10 बड़े शहरों के नाम ढूंढिए. शहरों के नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

दिल्ली, मुंबई, जयपुर, बेंगलोर, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, नागपुर, पूना, हैदराबाद.

शब्दजाल - 7308 का हल

या	द	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वि	ल	क	या	दों	का	मौ	स	म	ड़
क	स	यो	ल	र्म	छ	स	या	दी	ख	क
क	या	ल	र	क	वी	स	र	ल	श	क
क	री	दो	ग	क	ज	र	ग	ग	झ	क
जी	जिं	ल	प	नु	स	उ	द्दा	ण	घ	या
ती	दा	ल	श	सं	प	म	र	कौ	ला	दों
क	बा	या	र	मे	रा	क	फ	ना	श	की
क	द	ल	प	न	क	स	रा	औ	प	क
क	र	ल	प	व	जी	या	ऐ	ओ	प	स
क	क	ल	प	या	द	स	व्य	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6262

6	5		3		4	1
1	29	7	33		39	
	4		5		6	7
	23		27	1	34	2
2	1	3		4		5
	29	6	37		33	
7			6	5		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6261 का हल

2	6	4	1	5	3	7
6	37	5	29	2	28	1
5	2	7	4	1	6	3
1	31	6	34	4	30	2
3	6	1	4	7	2	5
4	31	3	32	6	34	6
7	5	2	6	3	1	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

आयरलैंड एकदिवसीय क्रिकेट में नए रास्ते तलाश रहा है: लोर्कन टकर

नॉटिंघम।
आयरलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज लोर्कन टकर को लगता है कि 2027 पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की तलाश में टीम के लिए वनडे क्रिकेट में नए रास्ते तलाशने का समय रोमांचक है। डबलिन में जन्मे 27 वर्षीय टकर अपना 45वां वनडे मैच खेलने के लिए तैयार हैं, जब शनिवार को दूसरे मैच में आयरलैंड का सामना इंग्लैंड से होगा। क्रिकेट आयरलैंड ने टकर के हवाले से कहा,हम इस समय बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं, हम काफी आश्वस्त महसूस कर रहे हैं, और एक नए मैदान पर जाना और कुछ शुष्क परिस्थितियों को देखना बहुत अच्छा है। हम पूरी ताकत पर हैं, इसलिए हमारे पास अच्छे प्रदर्शन के लिए जरूरी सभी लोग मौजूद हैं। हम चार साल के नए चक्र की शुरुआत में हैं, इसलिए हमारे पास अगले विश्व कप की तैयारी के लिए काफी समय है। यह एक रोमांचक समय होगा क्योंकि हम अपने वनडे क्रिकेट में नए रास्ते तलाश रहे हैं। उन्होंने पिछले साल के पुरुष टी20 विश्व कप में 48 गेंदों पर नाबाद 71 रन बनाकर और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में आयरलैंड को 25/5 से बचाकर लगभग जीत दिलाकर सुर्खियां बटोरीं। टकर ने इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक भी लगाया था। जहां तक इंग्लैंड की बात है, हम उनकी टीम पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहते क्योंकि वे हमेशा अच्छी टीमें उतारते हैं। इस समय इंग्लिश क्रिकेट की ताकत और गहराई अविश्वसनीय है – वे सभी मजबूत खिलाड़ी हैं और शानदार क्रिकेट खेल रहे हैं। हम उनमें से कुछ से काफी परिचित हैं, लेकिन उनके पास कई नए चेहरे भी हैं जिनके खिलाफ हमने नहीं खेला है, इसलिए मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हमें खुद को ढालने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन हम ऐसा कर सकते हैं । टकर हाल ही में कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट किट्स फ्रेंचाइजी के लिए खेलकर लौटे हैं और उन्होंने टिम डेविड के प्रतिस्थापन के रूप में अनुबंध किया है। वहां अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह एक नया और रोमांचक अनुभव था। आपको ऐसे अनुभवी लोगों और अनुभवी क्रिकेटरों तक पहुंच मिलती है, और इन नए विचारों, नई राय को प्राप्त करना हमेशा ताज़ा होता है, खासकर अपने बारे में और अगले कुछ वर्षों में आपके खेल में कैसे सुधार और विकास हो सकता है। यह शानदार था। फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट बहुत रोमांचक है, और मुझे लगता है कि यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ संतुलन कैसे बनता है। मेरे जैसे खिलाड़ियों और हमारी टीम के खिलाड़ियों के लिए वहां बहुत सारे अवसर हैं, जो शानदार है। यह हर किसी को नए स्तर का अनुभव देता है जो पहले नहीं था। भारत में अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने के बारे में पूछे जाने पर टकर ने स्वीकार किया कि जून-जुलाई में जिम्बाब्वे में क्वालीफायर में आयरलैंड अच्छा नहीं खेला था। ईमानदारी से कहूँ तो, ऐसा लगता है कि बाकी सभी लोग उस पार्टी की तैयारी कर रहे हैं जिसमें हमें आमंत्रित नहीं किया गया है, जो कठिन है। पर अब जो है वो है। हमने जिम्बाब्वे में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। मुझे लगता है कि हमें इसे स्वीकार करना होगा और हम बस देखते रहेंगे। टकर ने कहा कि वे वनडे क्रिकेट को एक विशेष प्रारूप के रूप में क्यों देखते हैं। यह दिलचस्प है क्योंकि हर चार साल में केवल एक विश्व कप होता है – यही इसे विशेष बनाता है। टी20 क्रिकेट अक्सर बहुत ज्यादा चलता रहता है और हर दो साल में एक टी20 विश्व कप होता है – इसकी प्रकृति तेज़ होती है, और सामान्य तौर पर बहुत अधिक टी20 क्रिकेट खेला जाता है। इसलिए, मुझे लगता है कि एकदिवसीय क्रिकेट खेल पर एक अलग, अधिक सुविचारित दृष्टिकोण प्रदान करता है, इसीलिए यह इतना खास है।

न्यूज ब्रीफ

वीजा में देरी से पाक का प्री-वर्ल्डकप दुबई टूर कैंसिल: वहां कुछ दिन प्रैक्टिस करने वाली थी टीम; अब सीधे हैदराबाद आएगी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने भारतीय वीजा नहीं मिलने की वजह से दुबई के रास्ते भारत आने के प्लान को कैंसिल कर दिया है। अब पाकिस्तान की टीम सीधे हैदराबाद आएगी। क्रिकेट की वेबसाइट ने दावा किया है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप प्रैक्टिस मैच के लिए हैदराबाद पहुंचने की योजना दुबई के रास्ते तैयार की थी। टीम को दुबई में कुछ दिन रूकना था। उसके बाद हैदराबाद में होने वाले प्रैक्टिस मैच के लिए भारत आना था। पाकिस्तान को वर्ल्ड कप प्रैक्टिस मैच में 29 सितंबर को हैदराबाद में न्यूजीलैंड से भिड़ना है। वहीं दूसरा प्रैक्टिस इसी ग्राउंड पर 3 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत नीदरलैंड के खिलाफ करेगी वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत 5 अक्टूबर से भारत में होना है। पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होना है। पाकिस्तान अपने वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत 6 अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ करेगी। वहीं 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना है। 12-13 के बाद पाकिस्तान ने बाइलैटरल सीरीज के लिए नहीं किया है भारत का दौरा पाकिस्तान टीम ने टीम इंडिया के साथ वनडे और टी-20 की बाइलैटरल सीरीज के लिए 2012-13 में भारत का दौरा किया था। उसके बाद दोनों टीमों ने बाइलैटरल सीरीज के लिए एक-दूसरे देश के दौरा नहीं किया है। 25 दिसंबर 2012 और 6 जनवरी 2013 के बीच भारतीय दौरे पर आई पाकिस्तान ने तीन वनडे और 2 टी-20 मैचों की सीरीज खेली थी। हालांकि, पाकिस्तान टीम 2016 में वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारतीय दौरे पर आई थी।

बर्नाडाइन बेजुइडेनहाउट न्यूजीलैंड के दक्षिण अफ्रीका के महिला दौरे से बाहर

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड की महिला विकेटकीपर बल्लेबाज बर्नाडाइन बेजुइडेनहौट पोस्ट-वायरल पेरिकार्डिटिस से पीड़ित होने के बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर हो गई हैं। इज़ी गेज़, जिन्हें न्यूज़ीलैंड की एकदिवसीय टीम में नामित किया गया था, अब दौरे के टी20 चरण में बर्नाडाइन की जगह लेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा कि 30 वर्षीय बर्नाडाइन का जोहान्सबर्ग में टीम डॉक्टर द्वारा मूल्यांकन किया गया और विशेषज्ञ स्कैन किया गया जिससे स्थिति का पता चला। डॉक्टर ने सिफारिश की है कि बर्नाडाइन को पूरी तरह से ठीक होने तक 4-6 सप्ताह तक शारीरिक गतिविधि सीमित करनी होगी। हम वास्तव में बर्नी के लिए महसूस कर रहे हैं। वह वास्तव में हमारी टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है इसलिए हम सभी निराश हैं कि वह इस दौरे में हिस्सा नहीं ले पाएगी। वह एक मजबूत व्यक्तित्व वाली हैं और हम जानते हैं कि वह अपनी रिकवरी के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होंगी और हम जितना संभव हो सके उनका समर्थन करेंगे। मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, हम यहां दक्षिण अफ्रीका में डॉक्टरों के बहुत आभारी हैं जिन्होंने बर्नी की बहुत अच्छी देखभाल की और चुनौतीपूर्ण दिनों में उसका समर्थन किया। एनजेडसी ने कहा कि उन्हें उड़ान भरने की मंजूरी दे दी गई है और वह दक्षिण अफ्रीका में अपने परिवार के साथ थोड़े समय के प्रवास के बाद अगले सप्ताह न्यूजीलैंड लौट आएंगी। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय श्रृंखला के लिए पोचेफस्ट्रूम, पीटरमैरिट्सबर्ग और डरबन में तीन एकदिवसीय मैच खेलने हैं, जो 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2022-25 अभियान का हिस्सा है।

इंजमाम-उल-हक ने क्यों कहा, वे कुलदीप यादव का चयन नहीं कर सकते

कराची । 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान ने अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन इंजमाम-उल-हक ने टीम की घोषणा की। साल भर से घर पर बैठे तेज गेंदबाज हसन अली की टीम में वापसी हुई। इस दौरान सवालों की बौछार कर की। इसी बीच एक मौका ऐसा भी आया, जब भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव का जिक्र हुआ और पूरा हॉल ठहाकों से गूंजने लगा। प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकार ने मोहम्मद नवाज के चयन पर सवाल उठाकर भारत के कुलदीप यादव से उनकी तुलना कर दी। एशिया कप के दौरान दोनों के आंकड़े सामने रख दिए, जिसके जवाब में इंजमाम-उल-हक ने तंज कसते हुए कहा कि अब वे कुलदीप यादव को तब सिलेक्ट नहीं कर सकते क्योंकि वह दूसरे टीम के प्लेयर हैं, इसके बाद जो बेहतर प्लेयर उपलब्ध हैं, उन्हीं में से टीम चुननी होगी।

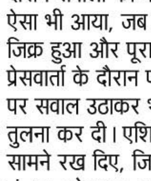

क्या एशियाड में मेडल की सेंचुरी लगाएगा भारत

एथलेटिक्स, कबड्डी और क्रिकेट ने बढ़ाई उम्मीदें ; दिग्गज बोले– इस बार सौ पार

नई दिल्ली ।
एशियन गेम्स के 19वें सीजन की शुरुआत हो रही है। भारत ने 18 बार एशियाड में हिस्सा लिया, लेकिन देश कभी भी 100 मेडल के आंकड़े को छू नहीं सका। मेडल काउंट के लिहाज से भारत ने 73 साल का बेस्ट परफॉर्मेंस 2018 में किया। तब इंडोनेशिया के जकार्ता एशियाड में देश को 70 मेडल मिले थे। ओलिंपिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने इस बार एशियन गेम्स में 100 मेडल का टारगेट रखा है। भारत ने गेम्स में 655 एथलीट्स उतारे हैं, जिनसे इन मेडल की उम्मीद है। इस स्टोरी में हम एक्सपर्ट ओपिनियन और खिलाड़ियों के हालिया फॉर्म के आधार पर जानेंगे कि भारत मेडल की सेंचुरी लगा पाएगा या नहीं।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने इस बार सौ पार का नारा दिया – पीटी उषा ने मनी कंट्रोल में कहा था, मुझे उम्मीद है कि भारत एशियन गेम्स 2022 में अपनी ओवरऑल परफॉर्मेंस को 2018 के मुकाबले सुधारेगा। एथलेटिक्स में हमें वर्ल्ड लेवल पर मेडल मिलना शुरू हो गए हैं, इस बार उनसे और भी ज्यादा उम्मीदें हैं। अब तो क्रिकेट टीम भी शामिल हो रही हैं। इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी उषा ने एथलीट्स को इंस्पायर करने के लिए इस बार सौ पार का नारा भी दिया। पूर्व स्प्रिंटर पीटी उषा ने एशियन गेम्स में 4 गोल्ड और 7 सिल्वर मेडल जीते थे।

अंजू बॉबी जॉर्ज को 100 मेडल की उम्मीद – पूर्व एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा– भारत 70, 80 से 100 मेडल तक जीत सकता है। एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल मिलेंगे। शूटिंग और बॉक्सिंग में भी पिछली बार से ज्यादा मेडल जीतने की उम्मीदें हैं। खिलाड़ी अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं, वह देश की सफलता को बढ़ाएंगे। अंजू बॉबी जॉर्ज ने एशियन गेम्स में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता है। उन्होंने लॉन्ग जम्प और ट्रिपल जम्प इवेंट में देश का प्रतिनिधित्व किया था।

इन 10 खेलों में मेडल पक्के

1. जेवलिन थ्रो – नीरज चोपड़ा से इस बार फिर गोल्ड मेडल की उम्मीद है। उन्होंने 2018 एशियन गेम्स में गोल्ड जीता था। पिछले दिनों डायमंड लीग फाइनल में उन्होंने सिल्वर जीता था। इस बार उनके सामने पाकिस्तान के अरशद नसीम की चुनौती रहेगी। नीरज का इवेंट 4 अक्टूबर को होगा। कितने मेडल की उम्मीद – 1 गोल्ड।

2. कबड्डी – भारत की मेंस और विमेंस कबड्डी टीम पूरी दुनिया में सबसे बेस्ट है। एशियाड में पुरुष टीम ने 8 में से 7 गोल्ड मेडल जीते हैं, वहीं पिछली बार ही टीम को ब्रॉन्ज से संतोष करना पड़ा था। विमेंस टीम के नाम भी 3 में से 2 गोल्ड हैं, पिछले सीजन टीम को सिल्वर मेडल मिला था। दोनों टीमों को ईरान ने हराया था, लेकिन इस बार टीमें बेहतर तैयारी के साथ गोल्ड मेडल जीतने की दावेदार हैं। कितने मेडल की उम्मीद– 2 गोल्ड।

3. क्रिकेट – एशियन गेम्स में 9 साल बाद क्रिकेट की वापसी हुई है और बीसीसीआई ने मेंस और विमेंस दोनों ही कैटेगरी में अपनी टीमें भेजी हैं। विमेंस टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, वहीं मेंस टीम अपने अभियान की शुरुआत 3 अक्टूबर को करेगी। पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी टीमों के सामने भारत को दोनों ही कैटेगरी में गोल्ड की उम्मीद है। कितने मेडल की उम्मीद– 2 गोल्ड।

4. हॉकी - भारत की मेंस और विमेंस दोनों ही टीमों से इस बार गोल्ड मेडल की उम्मीद है। मेंस टीम ने पिछले दिनों एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी में मलेशिया को हराकर खिताब जीता था। वहीं विमेंस टीम ने पिछले दिनों ट्राई सीरीज में स्पेन और इंग्लैंड जैसी टीमों को हराया था। इस खेल में भारत ने 4 गोल्ड, 11 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। कितने मेडल की उम्मीद– 2 गोल्ड या सिल्वर।

5. रेसलिंग – विमेंस में 6 और मेंस कैटेगरी में भारत ने 12 रेसलर्स को मैदान में उतारा है। दीपक पूनिया, बजरंग पूनिया, सोनम मलिक और अंतिम पंघल से इस बार गोल्ड की उम्मीदें हैं। वहीं बाकी रेसलर्स भी सिल्वर या ब्रॉन्ज जीतने के दावेदार माने जा रहे हैं। पिछली बार बजरंग और विनेश ने देश को 2 गोल्ड दिलाए थे। इस इवेंट में देश ने अब तक 11 गोल्ड, 14 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। कितने मेडल की उम्मीद– 2 से 4 गोल्ड और 1 से 3 ब्रॉन्ज-सिल्वर।

6. बॉक्सिंग – वर्ल्ड चैम्पियन निखत जरीन, लवलिना बोरगोहेन और शिवा थापा जैसे प्लेयर्स इस बार बॉक्सिंग में देश की सबसे बड़ी उम्मीद है। पिछली बार अमित पंघल ने देश को गोल्ड दिलाया था। इस बार निखत, लवलिना और थापा से उम्मीदें हैं। बॉक्सिंग में देश ने अब तक 9 गोल्ड, 16 सिल्वर और 32 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। कितने मेडल की उम्मीद– 3 गोल्ड और 2 ब्रॉन्ज-सिल्वर।

खेल और खिलाड़ियों को लेकर लोगों की धारणा में बदलाव आया है : मुख्यमंत्री योगी

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले साढ़े 9 वर्ष के दौरान दुनिया की सबसे प्राचीन सांस्कृतिक आध्यात्मिक नगरी अविनाशी काशी में समग्र विकास हुआ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में काशी ने जिन ऊंचाइयों को छुआ है, उसे देश ही नहीं पूरी दुनिया देख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर अनेक उपहारों के साथ काशी आए हैं। पहली बार उत्तर प्रदेश में बीसीसीआई द्वारा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण हो रहा है। खेल और खिलाड़ियों को लेकर लोगों की धारणा में बदलाव आया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश के दिग्गज पूर्व खिलाड़ियों का मुख्यमंत्री ने काशी की धरती पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि जी-20 की अभूतपूर्व सफलता के उपरांत अनेक उपलब्धियों के साथ प्रधानमंत्री का आज उनकी अपनी काशी में आगमन हुआ है। इस अवसर पर यूपी सरकार और काशी वासियों की ओर से उनका हृदय से स्वागत अभिनंदन करता हूं। जी-20 के दौरान ग्लोबल लीडर्स ने भारत के सामर्थ्य और शक्ति को नजदीक से देखा है। यही नहीं वसुधैव कुटुम्बकम के अनुरूप ग्लोबल लीडर्स की उपस्थिति में भारत की 140 करोड़ जनता ने देश को वैश्विक ताकत के रूप में उभरते हुए अनुभव किया है। मुख्यमंत्री ने पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी सुनील गावस्कर, कपिल देव, जी. विश्वनाथ, सचिन तेंदूलकर, रवि शास्त्री, दिलीप वेंगसरकर, मदन लाल, गोपाल शर्मा, नीतू डेविड, शुभांगी कुलकर्णी का काशी में स्वागत करते हुए कहा कि इन सभी ने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाई प्रदान करने और क्रिकेट के जुनून को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने बीसीसीआई चेयरमैन रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का अभिनंदन करते हुए कहा कि इन सभी ने वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम निर्माण में विशेष रुचि दिखाई है।

वनडे विश्व कप 2023 के विजेता को आईसीसी देगा 33 करोड़ रुपये

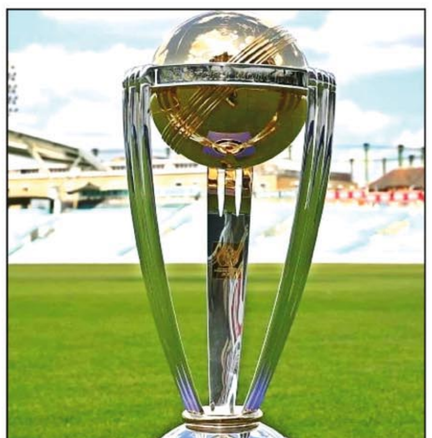

दुबई ।
वनडे विश्व कप विजेता को आईसीसी 33 करोड़ से अधिक की राशि देगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की कि आगामी 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के विजेता को 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ट्रॉफी उठाने के अलावा 4 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी 33,18,30,800 करोड़ रुपये मिलेंगे। आईसीसी ने बताया कि टूर्नामेंट के लिए कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर है, जो प्रतियोगिता के 2015 और 2019 संस्करणों में दी गई थी। 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के उपविजेता को 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जबकि हारने वाले सेमीफाइनलिस्टों में से प्रत्येक को 800,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। टूर्नामेंट में जीते गए प्रत्येक लीग मैच के लिए पुरस्कार दिए जाएंगे, जो हाल ही में आईसीसी टूर्नामेंटों में एक आदर्श बन गया है। 45-मैचों के ग्रुप चरण में प्रत्येक मैच के विजेता को 40,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं करने वाली छह टीमों को 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान मिलेगा।

बता दें कि 2023 एकदिवसीय विश्व कप में, टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। 48 मैचों का यह आयोजन 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक दस स्थानों पर खेला जाएगा। 2023 विश्व कप, प्रतियोगिता का 13वां संस्करण, 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत चैंपियन इंग्लैंड के न्यूजीलैंड से भिड़ने के साथ शुरू होगा। 1983 और 2011 का चैंपियन रहा मेजबान भारत अपने अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम में पांच बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। यह पहली बार है जब भारत पूरी तरह से पुरुष वनडे विश्व कप की मेजबानी कर रहा है। जबकि 1996 का चैंपियन श्रीलंका 7 अक्टूबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

अरुणाचल के खिलाड़ियों की एशियाड में भाग लेने की संभावनाएं खत्म, वीजा बना समस्या

नई दिल्ली ।
चीन की हरकत के बाद अरुणाचल प्रदेश की तीन महिला वूशु खिलाड़ियों के हांगझोऊ एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावनाएं खत्म हो गई हैं। चीन ने अरुणाचल प्रदेश की तेगा ओनिलु, लामगु मेपुंग और वांगसू न्येमान को नत्थी वीजा जारी किया है।

भारत सरकार नत्थी वीजा को मान्यता नहीं देती है, जिसके चलते इन तीनों को ही एशियाई खेलों में नहीं भेजा जा सकता है। हांगझोऊ में एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) और एशियाई खेल आयोजन समिति ने भी गुरुवार को यह स्पष्ट कर दिया कि इन तीनों खिलाड़ियों को चीन सरकार के नियमों के तहत एशियाई खेलों के लिए वीजा जारी किया जा चुका है, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया है।

दो माह में दूसरी बार रुके तीनों खिलाड़ी – दो माह के अंतराल में यह दूसरा मौका है, जब इन तीनों खिलाड़ियों को चीन की हरकत की वजह से अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन से दूर रहना पड़ेगा। इससे पहले 26 जुलाई को भारत सरकार ने चेंगदू (चीन) में हुए विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में भाग लेने जा रही पूरी वूशु टीम को दिल्ली एयरपोर्ट से वापस बुला लिया था। उस दौरान भी चीन ने इन तीनों खिलाड़ियों को नत्थी वीजा जारी किया था, जिसके विरोध में भारत सरकार ने पूरी वूशु टीम इन खेलों में भाग लेने से रोक दी थी।

कूटनीतिक कोशिशें भी नहीं आईं काम – एशियाई खेलों के लिए इन तीनों खिलाड़ियों को नत्थी वीजा जारी किए जाने के बाद भारत सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर भी इन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में भेजने की कोशिश की, लेकिन गुरुवार की रात तक यह कोशिशें सफल नहीं रहीं। सूत्र बताते हैं कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने केंद्र सरकार से खिलाड़ियों की पुरजोर पैरवी की। खिलाड़ी गुरुवार को केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू से भी मिले थे।

रंधीर ने कहा चीनी अधिकारियों के समक्ष रखा मामला – ओसीए के कार्यकारी अध्यक्ष रंधीर सिंह ने हांगझोऊ में कहा कि वे इस मुद्दे को मजबूती से चीनी अधिकारियों के समक्ष रख रहे हैं। उनकी इस मुद्दे पर बृहस्पतिवार को कार्यकारी समूह के समक्ष रखा, साथ ही समहू की बैठक में भी इस मामले को रखा गया। ओसीए के महानिदेशक विनोद तिवारी ने कहा कि हम इस मामले का हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले पर आयोजन समिति से भी बात की जा रही है। वहीं ओसीए की एथिक्स कमेटी के चेयरमैन वेई जी झांग ने चीन की ओर से खिलाड़ियों को वीजा जारी किया जा चुका है। उन्हें नहीं लगता है कि यह ओसीए की समस्या है।

तीनों फॉर्मेट में नंबर–1 बना भारत

ऑस्ट्रेलिया को हराकर वनडे रैंकिंग में पहले पर आया; टी-20, टेस्ट में पहले से टॉप पर

नई दिल्ली ।
टीम इंडिया ने पहली बार क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में एक साथ नंबर-1 रैंक अचीव की है। भारतीय टीम ने वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। इस जीत से टीम इंडिया पाकिस्तान को पीछे छोड़कर वनडे रैंकिंग में भी नंबर-1 बन गई। टीम टेस्ट और टी-20 की टीम रैंकिंग में पहले से नंबर-1 है। भारत तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनने वाली दूसरी ही टीम बनी। भारत से पहले साउथ अफ्रीका टीम अगस्त 2012 में ग्रीम स्मिथ की कप्तानी में तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनी थी।

भारत और पाकिस्तान में एक पॉइंट का अंतर – मोहाली में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद आईसीसी की वनडे रैंकिंग में टीम इंडिया के 116 पॉइंट्स हो गए। टीम ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया, जिनके 115 पॉइंट्स हैं। भारत से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया को 2 पॉइंट्स का नुकसान हुआ, टीम अब 111 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है। भारत के खिलाफ सीरीज के आखिरी 2 वनडे जीतने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया टीम अब नंबर-1 पर नहीं आ सकेगी, लेकिन इस स्थिति में पाकिस्तान नंबर-1 बन जाएगी और भारत नंबर-2 पर आ जाएगी।

दो में से एक वनडे जीतने पर भी टॉप पर रहेगा भारत – भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 24 सितंबर को इंदौर और तीसरा मुकाबला 27 सितंबर को राजकोट में खेला जाएगा। आखिरी 2 में से एक भी मुकाबला जीतने पर टीम इंडिया वनडे रैंकिंग में नंबर-1 पर ही रहेगी। इस सिचुएशन में भारत के 116 और पाकिस्तान के 115 पॉइंट्स होंगे। अगर भारत आखिरी दोनों वनडे जीतने में कामयाब हो जाता है, तो टीम पहले नंबर पर अपनी स्थिति और मजबूत कर लेगी। 3-0 से वनडे सीरीज जीतने पर भारत के 118 पॉइंट्स होंगे, जबकि पाकिस्तान 115 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर ही रहेगा। इस कंडीशन में ऑस्ट्रेलिया 109 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर रहेगा।

टेस्ट और टी-20 में पहले से नंबर-1 है भारत – टीम इंडिया वनडे के साथ टेस्ट और टी-20 दोनों फॉर्मेट में पहले से नंबर-1 पर ही है। टी-20 में टीम के 264 पॉइंट्स है, इस फॉर्मेट में 261 पॉइंट्स के साथ इंग्लैंड दूसरे नंबर पर है। टेस्ट में टीम इंडिया 118 पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर है। इस फॉर्मेट की आईसीसी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया टीम के भी 118 पॉइंट्स हैं, लेकिन टीम डेसिमल काउंटिंग में भारत से पीछे होने के कारण दूसरे नंबर पर है।

फरवरी में आईसीसी की गलती से नंबर-1 बनी थी भारतीय टीम – टीम इंडिया इस साल फरवरी में तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बन चुकी है, लेकिन वह आईसीसी की गलती से हुआ था। काउंसिल ने चंद घंटों में अपनी गलती सुधार ली थी। टीम इंडिया ऑफिशियली पहली बार ही तीनों फॉर्मेट में एक साथ नंबर-1 बनी है। साउथ अफ्रीका टीम अगस्त 2012 में तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनी थी। तब ग्रीम स्मिथ की टीम के कप्तान थे, टीम ने टेस्ट में नंबर-1 बनने के साथ यह अचीवमेंट हासिल की थी।

टेढ़े-मेढ़े दांतों से ऐसे पाएं छुटकारा...

खुश होने पर हंसी अपने आप ही हमारे चेहरे पर दस्तक देती है। कभी-कभी यह हंसी आउट ऑफ कंट्रोल हो जाती है और हंसते समय दांत बाहर आ जाते हैं लेकिन उस समय बहुत बुरा लगता है जब हमारे टेढ़े-मेढ़े दांतों पर सबकी नजर पड़ती है। टेढ़े-मेढ़े दांत पर्सनैलिटी पर काफी नेगटिव इम्पैक्ट डालती है। फीचर कितने भी शार्प क्यों न हो खराब और टेढ़े दांत सब पर पानी फेर देते हैं।

इसके अलावा टेढ़े दांतों की वजह से बोल-चाल के कुछ शब्दों, जिसका उच्चारण करते समय हमें दांतों का सहारा लेना पड़ता है, में रूकावट आती है। वहीं ऐसे दांतों को साफ करने में भी परेशानी होती हैं क्योंकि ब्रश ठीक ढंग से एडजैस्ट नहीं हो पाता। जाहिर सी बात है कि अगर दांतों पर ढंग से ब्रश नहीं होगा तो गंदगी जमा होगी जो बाद में दांतों के खराब होने का कारण बनती है। इसलिए टेढ़े-मेढ़े दांतो से छुटकारा पाना बहुत जरूरी है।

तार लगाकर सीधा करना

दांतों में फिक्स्ड ब्रेसिज या तार लगाकर इन्हें सीधा किया जाता है। तार टेम्परी या पर्मानेट, दोनों तरह से ही लगाई जाती है। स्थाई तौर पर तार लगाने से दांतों पर दबाव डाला जाता है, जिससे दांत सही जगह पर सेट हो जाएं। इलाज के बाद मरीज को च्युइंगम, टॉफी और चॉकलेट जैसी चीजें नहीं खानी चाहिए तथा मीठे और ज्यादा ठंडे खाद्य पदार्थो का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए। वैसे तो किसी भी उम्र में आप टेढ़े दांतों का इलाज करवा सकते हैं लेकिन अगर इसका इलाज जल्दी हो तो बेस्ट है क्योंकि कम उम्र में जबड़े मुलायम रहते हैं। इलाज के परिणाम शीघ्र सामने आते हैं।

ट्रीटमेंट के बाद

टेढ़े-मेढ़े दांतों के ट्रीटमेंट के बाद उसे ऐसे ही न छोड़ दें क्योंकि इसके बाद उनके सरकने और टेढ़े होने की आशंका बनी रहती है इसलिए समय समय पर डाक्टर से सलाह लेते रहें। बच्चे को हर छःमहीने के बाद डैंटिस्ट के पास लेकर जाएं ताकि उनकी आदतों जैसे कि अंगूठा चूसना, जीभ से बार-बार अपने ऊपरी दांतों को धकेलना, दांतों से होंठ अथवा गाल काटते रहना आदि आदतें जो दांतों को टेढ़ा-मेढ़ा करती है,को हटाया जा सकें।

मुंह से सांस लेना

अगर किसी बच्चे में मुंह से सांस लेने की आदत है तो भी इस आदत को दूर किया जाना चाहिए क्योंकि इस आदत की वजह से ऊपर वाले अगले दे दांत बाहर की तरफ आने लगते है। अगर बच्चे के दूध वाले दांत नहीं गिरे लेकिन पास की जगह पर पक्के दांत निकलने लगे हैं तो बच्चे को डैंटिस्ट के पास ले जाकर दूध के दांत निकलवाएं नहीं तो पक्के दांत वहीं फिक्स हो जाएंगे।

हर छह माह में चेक कराएं

अगर आप सोचते हैं कि डैंटिस्ट के पास जाकर टेढ़े-मेढ़े दांतों के बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं है। यह बिल्कुल गलत है। आप नियमित रूप से हर छः महीने बाद बच्चों को डैंटिस्ट के पास जाकर दांत चैक करवाते रहें। अगर कुछ प्रॉब्लम होगी तो वह साथ-साथ ठीक होती रहेगी।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

एड़ियों के दर्द में दवाई के साथ परहेज जरूरी

दिनभर की भागदौड़ से लोगों में एड़ी का दर्द होना आजकल एक सामान्य समस्या बन गई है। यह किसी दवाई या किसी एक उपाए से ठीक नही हो सकता है। इसके लिए दवाओं के साथ परहेज करना बहुत जरूरी है। एड़ियों का दर्द पुरुष हो या महिला किसी को भी हो सकता है। एड़ी में दर्द की प्रमुख वजह है अधिक ऊंची हील के जूते और सैंडल है। हड्डी के बढ़ने से भी एड़ियों में दर्द हो सकता है।

ज्यादा संवेदनशील होने की बीमारी...

दुनिया में कई लोगों को छोटी छोटी बातों से बहुत फर्क पड़ता है। ऐसे लोग कुछ खास चीजों जैसे रोशनी या तेज आवाज को लेकर बहुत संवेदनशील होते हैं। पहले उन्हें सिर्फ संवेदनशील कहा जाता था मगर अब अमरीका समेत कई देशों में हुए रिसर्च के बाद ऐसे लोगों के ज्यादा संवेदनशील होने को एक बीमारी बताया जा रहा है। इस बीमारी का नाम सेंसरी प्रॉसेसिंग डिसॉर्डर या एसपीडी है। कुछ लोग किसी के कदमों की आहट या शोर-गुल से परेशान हो जाते हैं। वे चीखने लगते हैं। कुछ लोग तेज रोशनी को बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसी परेशानी के शिकार लोगों में ज्यादातर बच्चे होते हैं। इस बीमारी का नाम पहले पहले अमरीका के डॉक्टर ज्यां आयर्स ने रखा था। उन्होंने 1960 में इसका नाम सेंसरी इंटीग्रेशन डिसॉर्डर रखा था। ज्यां आयर्स की छात्रा रही लूसी जेन मिलर ने ज्यां के इस बीमारी के बारे में रिसर्च को आगे बढ़ाया। उन्होंने इस बीमारी की तीव्रता नापने के लिए कुछ पैमाने भी ईजाद किए हैं।

सिर्च में पता चला है कि एसपीडी की जड़ें दिमाग में होती हैं। इस बीमारी के शिकार लोगों का दिमाग आम लोगों के दिमाग से अलग होता है। दिमाग के इस हिस्से की मदद से हम आवाज, रोशनी और छुअन को महसूस करते हैं। एसपीडी से पीड़ित लोगों के दिमाग का यही हिस्सा कम विकसित होता है। एक और बात साफ हुई है कि एसपीडी का सीधा ताल्लुक ऑटिज्म नाम की बीमारी से होता है क्योंकि 90 फीसद मरीजों में ऑटिज्म के लक्षण पाए गए।

वैसे किसी खास चीज से परेशानी नई बात नहीं। बहुत से बच्चे रोशनी या आग या शोर-गुल से घबराकर चीखने लगते हैं। एक सर्वे के मुताबिक सोलह फीसद बच्चे ऐसी परेशानी की शिकायत अपने माता-पिता से करते हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ उनकी यह दिक्कत दूर हो जाती है। लेकिन कुछ लोग अपने अहसास से बेहाल रहते हैं। असल में हमारे एहसास, हमें बाकी दुनिया से रूबरू कराते हैं। वो हमें दुनिया दिखाते हैं। आवाजें सुनाते हैं।

छुअन को महसूस कराते हैं। होता यह है कि हमारा दिमाग इन संकेतों को पकड़कर इसे हमें महसूस कराता है। कुछ लोगों को दूसरों को खुश या परेशान देखकर उनके सुख-दुख का एहसास हो जाता है। ऐसे लोगों को ऑर्किड कहा जा रहा है। उनको जरा सी बात चुभ जाती है। वे दुःख भरी खबर सुनकर रोने लगते हैं। कोई मजेदार सीरियल देखते वक्त उनकी हंसी है कि रुकती ही नहीं। उन्हें पार्टियों से ज्यादा किताबों का शौक होता है।

क्या है इलाज

एक सवाल वहीं का वहीं है, कि आखिर एसपीडी के शिकार लोग कहां फिट बैठते हैं? लोगों में सेंसिटिव प्रॉसेसिंग डिसऑर्डर का पता लगने के बाद अगला कदम उनके इलाज का होता है। इसका मकसद उनके अहसास कम करना नहीं होता बल्कि कोशिश यह होती है कि आम माहौल में वो कम तकलीफ के साथ रह सकें। जिंदगी में आगे बढ़ सकें। एसपीडी पीड़ितों का इलाज दवाओं के साथ ही साथ कंप्यूटर गेम वगैरह से भी किया जा रहा है। फिलहाल तो एसपीडी पर काम कर रहे रिसर्चर और इसके शिकार लोग, इसे एक बीमारी का दर्जा दिलाने, इसके बारे में लोगों को जागरूक करने में जुटे हैं।

भावों को गहराई से नापना

संवेदनशील लोग, भावों को ज्यादा गहराई से नापते है। बातों या चीजों को लेकर वे बहुत संवेदनशील होते है। दूसरों से उन्हें तुरंत हमदर्दी हो जाती है। ऐसे बेहद संवेदनशील लोग किसी भी हालात को आराम से समझते हैं। तब उस पर कोई प्रतिक्रिया देते हैं। वे आस-पास के माहौल को लेकर भी काफी चौकन्ने रहते हैं। उनके ऊपर दूसरों के मूड तक का असर पड़ता है। पता चला है कि दुनिया के बीस फीसद लोग ज्यादा संवेदनशील होते हैं। बच्चे दो तरह के होते हैं। एक तो वे जो हर माहौल में ढल जाते हैं। मजे करते हैं। दूसरे वो बच्चे, जिन्हें आगे बढ़ने के लिए एक खास माहौल चाहिए।

पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना...

कई बार आपने अपने सफेद रंग की शर्ट में अंडरआर्म्स की तरफ पीले रंग के दाग देखे होंगे। ऐसा कलर्ड स्वेट के कारण होता है। कलर्ड स्वेट मतलब रंग वाला पसीना। सामान्य तौर पर इंसान को पारदर्शी-रंगहीन पसीना निकलता है लेकिन कई लोगों को पीला या ऑरेंज रंग का पसीना निकलता है जिससे कपड़े में पसीने के दाग पड़ जाते हैं। रंग वाले पसीने के निकलने को विज्ञान में क्रोमहिड्रोसिस कहते हैं। इसमें पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना भी निकल सकता है।

क्रोमहिड्रोसिस एक अनूठी बीमारी है जिसमें कलर्ड स्वेट निकलता है। दो ग्लैंड, एक्रीन और एपोक्रीन, की वजह से पसीना निकलता है। एक्रीन ग्लैंड से रंगहीन और गंधहीन पसीना निकलता है जो शरीर का तापमान रेग्युलेट करता है। एपोक्रीन ग्लैंड से मोटा और दुधिया रंग का पसीना निकलता है। ऐसा बैक्टीरिया को शरीर से निकालने के कारण होता है। इस कारण ही पसीने से बदबू आती है।

क्रोमहिड्रोसिस, एपोकरीन ग्लैंड से निकलने वाले पसीने के कारण होता है। एपोक्रीन ग्लैंड योनि, कांख, स्तनों और चेहरे के स्कीन के तरफ होती हैं। क्रोमहिड्रोसिस चेहरे, कांख और स्तनों के तरफ निकलने वाले पसीने में होता है। लिपोफस्कीन पिगमेंट कलर्ड स्वेट के लिए जिम्मेदार होता है। यह पंगमेंट एपोक्रीन ग्लैंड में होता है जिसके कारण पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना निकलता है।

कितने सुरक्षित हैं कांटेक्ट लेंस ?

आज के दौर में एक बड़े पैमाने पर लोग कांटेक्ट लेंस का उपयोग करते हैं लेकिन इसी के साथ इनका रख रखाव करना भी एक अहम काम है जिसे न करने पर ये हमारी आंखों को भी हानि पहुंचा सकते हैं इसीलिए हर बार इस्तेमाल करने के बाद कांटेक्ट लैंस के केस को भी सफाई करना जरूरी होता है। अगर आप भी कांटेक्ट लेंस का प्रयोग करना चाहते हैं तो आपके लिए बेहद जरूरी है ये टिप्स

- कांटेक्ट लेंस का प्रिस्क्रिप्शन किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से ही लें। अच्छे परिणाम के लिए कांटेक्ट लेंस का आपकी आंखों पर फिट बैठना जरूरी है।
- रात में सोते समय, नहाते समय या स्विमिंग के दौरान कांटेक्ट लेंस पहनने से बचना चाहिए। डॉक्टर ने प्रिस्क्राइब किया है तो अलग बात है अन्यथा रात को कांटेक्ट लेंस पहनकर सोने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे आपके कॉर्निया को आवश्यक ऑक्सीजन प्राप्त नहीं हो पाती। फलस्वरूप संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जिससे आंखों की रोशनी तक जा सकती है।
- कांटेक्ट लेंस इस्तेमाल करने से पहले सुगंध रहित साबुन से हाथ साफ करें। कांटेक्ट लेंस को रातभर मल्टीपरपज सॉल्यूशन में डालने से पहले लेंस की सतह को अंगुली से रगड़कर अच्छी तरह साफ करें।
- लेंस को केस में रखने के लिए हर बार फ्रेश सॉल्यूशन का इस्तेमाल करें। इस्तेमाल किए हुए सॉल्यूशन को पुनः प्रयोग करने से उसमें बैक्टीरिया पनपने की आशंका पैदा हो जाती है।

बीमारियों में महंगी दवाइयों के स्थान पर आजमाएं चिरायता

जुलाई से लेकर सितंबर-अक्टूबर तक का समय बीमारियों के लिहाज से नाजुक होता है, इन दिनों बीमारियों से बचने के लिए महंगी दवाओं के स्थान पर घरेलू नुस्खे आजमाएं।

इन्हीं घरेलू नुस्खों में एक है अनमोल चिरायता। बरसों से हमारी दादी-नानी कड़वे चिरायते से बीमारियों को दूर भगाती रही हैं, आप भी जानें इसके बारे में...

दरअसल यह कड़वा चिरायता एक प्रकार की जड़ी बूटी है जो कुनैन की गोली से अधिक प्रभावी होती है। पहले इस चिरायते को घर में सूखा कर बनाया जाता था लेकिन आजकल यह बाजार में कुटकी चिरायते के रूप में उपलब्ध है।

घर में चिरायता बनाने की विधि

100 ग्राम सूखी तुलसी के पत्ते का चूर्ण, 100 ग्राम नीम की सूखी पत्तियों का चूर्ण, 100 ग्राम चिरायते की सूखी टहनी का चूर्ण लीजिए। इन तीनों को समान मात्रा में मिलाकर एक बड़े डिब्बे में भर कर रख लीजिए।

यह तैयार चूर्ण मलेरिया या अन्य बुखार होने की स्थिति में दिन में तीन बार दूध से सेवन करें। मात्र दो दिन में आश्चर्यजनक लाभ होगा।

बुखार न होने की स्थिति में इसका एक चम्मच सेवन प्रतिदिन करें। यह चूर्ण किसी भी प्रकार की बीमारी चाहे वह स्वाइन फ्लू ही क्यों ना हो, उसे शरीर से दूर रखता है। इसके सेवन से शरीर से सारे रोगाणु-कीटाणु झड़ जाते हैं। रक्त एवं त्वचा संबंधी समस्त विकार दूर होते हैं।

गर्भवती महिला और कमजोर पाचन शक्ति के लोग विशेषज्ञ से पूछ कर ही इसका सेवन करें। शरीर से हर तरह का विकार निकालता है।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है।

ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पैनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पैनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते है कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते है। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्वीकिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार होता है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

ग्रिल्ड आलू सैंडविच

सामग्री

10-12 ब्रेड स्लाइस, 1 बड़ा आलू (उबला हुआ), 1 बड़ी हरी मिर्च (बारिक कटी हुई),1 छोटा प्याज (बारीक कटा हुआ), आधा कप पनीर (कद्दूकस किया), आधा चम्मच चाट मसाला,1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, नमक स्वादानुसार, बटर

विधि

सबसे पहले एक कटोरी में उबले आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें कटी हुई मिर्च,प्याज, पनीर, चाट मसाला, नमक, लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब सभी ब्रेड स्लाइस में मक्खन को एक तरफ लगाते हुए, उसमें दूसरी तरफ आलू का तैयार मसाला बराबर मात्रा में रखते जाएं और उसके ऊपर से अन्य ब्रेड की स्लाइस से कवर कर दें। अब एक पैन में थोड़ा मक्खन डालें और सैंडविच को धीमी आंच पर सेंके। ऐसे ही दोनों साइड से सैंडविच को सेंकें। ऐसे ही सभी सैंडविच स्लाइस को मक्खन के साथ सेंकें। सैंडविच तैयार है। इसे अपनी पसंद चटनी के साथ सर्व करें।

नारियल के लड्डू

सामग्री

20 ग्राम बादाम (बारिक कटे हुए)
20 ग्राम काजू (बारिक कटे हुए)
500 ग्राम खोया
250 ग्राम नारियल(कद्दूकस किया हुआ)
150 ग्राम चीनी

विधि

सबसे पहले कड़ाही में बादाम और काजू डालकर 2-3 मिनट तक भून लें। अब एक और कड़ाही में खोया डालकर 5 मिनट तक पकाएं। पकाने के बाद इसमें कद्दूकस किया हुआ नारियल, चीनी, काजू, बादाम(भुने हुए) डालकर पकाएं। अब इस मिश्रण को थोड़ा ठंडा करके अपने हाथों से गोल-गोल लड्डू तैयार कर लें। लड्डू को कद्दूकस किए हुए नारियल के साथ रोल करें। नारियल के लड्डू तैयार हैं। आप चाहें तो इन्हें फ्रिज में रखकर बाद में भी खा सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)